THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 57 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.12 2083 गुरुवार, 28 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अहमदाबाद आए 11 लोग आइसोलेशन में

बेंगलुरू, 27 मई (एजेंसियां)। अफ्रीकी देशों में इबोला वायरस फैलने के चलते युगांडा, दक्षिण सूडान और कांगो से अहमदाबाद आए 11 मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन के अधिकारी डॉ. भाविन सोलंकी ने बताया कि प्राथमिक जांच में इनमें से कोई भी संदिग्ध नहीं पाया गया है।

लेकिन, एहितायन यह कदम उठाया है। वहीं, भारत सरकार ने बुधवार को बताया कि देश में इबोला वायरस से जुड़ा एक भी मामला नहीं है। सरकार को यह स्पष्टीकरण इसलिए देना पड़ा क्योंकि युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला जैसे लक्षण देखे गए थे। हालांकि बाद में महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई।

एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार

प्रक्रिया में कोई खामी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। अदालत ने माना है कि यह प्रक्रिया संविधान और कानून के अनुरूप है।

आसान शब्दों में समझे तो अदालत का मानना है कि एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार है और इससे मतदाता सूची को सही और पारदर्शी बनाए रखने में मदद मिलती है। यह एक वैध और संवैधानिक प्रक्रिया है। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग ने कानून के हिसाब से एसआईआर किया और प्रक्रिया में कोई खामी नहीं है। ईसी ने अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल नहीं किया। कोर्ट ने यह फैसला बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने इस मामले में फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार चुनाव आयोग को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण और संशोधन का अधिकार प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले के विस्तृत विश्लेषण के बाद यह साफ है कि एसआईआर का उद्देश्य वैध और संवैधानिक रूप से उचित है। अदालत के अनुसार, इस प्रक्रिया का मुख्य लक्ष्य मतदाता सूचियों की शुद्धता, पूर्णता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया न्यायिक समीक्षा के अधीन है। अदालत के अनुसार, अगर उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर किसी व्यक्ति की नागरिकता को लेकर संदेह पैदा होता है तो चुनाव उसका नाम मतदाता सूची से हटाने की कार्रवाई कर सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं रह जाता।

प्री-मानसून बारिश 29 मई से 5 जून तक संभव

90 प्रतिशत भारत कवर करेगी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। तेज गर्मी से जूझ रहे देश के 80-90 प्रतिशत हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5एमएम बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है। मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है।

विजयन समर्थकों का ईडी टीम पर हमला

लाठी-पत्थर बरसाए, गाड़ी तोड़ी, पूर्व केरलम सीएम की बेटी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप, घर पर रेड

तिरुवनंतपुरम, 27 मई (एजेंसियां)। केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के समर्थकों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर सीपीआई समर्थकों ने हमला कर दिया। ईडी की 12 सदस्यीय टीम सुबह 7 बजे तिरुवनंतपुरम के बेकरी जंक्शन स्थित विजयन के घर समेत 10 ठिकानों पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रेड करने पहुंची थी।

उस समय विजयन और उनका परिवार घर में मौजूद था। जैसे ही यह खबर फैली पार्टी के समर्थक घर के बाहर जुटने लगे। दोपहर 1:30 बजे टीम बाहर निकली समर्थकों ने घेर लिया। भीड़ ने उनकी गाड़ियों पर पत्थर और बोतलें फेंकी। कारों के शीशे तोड़ दिए गए और लाठी से भी हमला किया। ईडी ने यह रेड विजयन की बेटी टी वीना की कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। वीणा की 'एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस' को कोचिन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने साल 2018-19 में 1.72 करोड़ मंथली पेमेंट के तौर पर दिए, लेकिन इसके बदले एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस ने कोई सर्विस नहीं दी।

ईडी का मानना है कि यह लेन-देन संदिग्ध है। सीएमआरएल और एक्सालॉजिक के बीच हुए इस भुगतान को लेकर पहले इनकम टैक्स विभाग ने भी सवाल उठाए थे। बाद में इसी आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है। एक दिन पहले ही मंगलवार को इसी मामले में केरल हाईकोर्ट ने सीएमआरएल की याचिका खारिज की, जिसमें सीएमआरएल ने ईडी की जांच रद्द कराने की मांग की थी।

ईडी ने 2024 में आरोपों की जांच के लिए पीएमएलए केस फाइल किया था। यह मुद्दा विजयन सरकार के सामने सबसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील विवादों में से एक रहा है। ईडी जांच के अलावा, इस मामले की जांच सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) भी कर रहा है।

> आसाराम को हाई कोर्ट से झटका

आजीवन कारावास की सजा रहेगी बरकरार, सरेंडर करने का आदेश

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाई कोर्ट ने बुधवार को नाबालिग से बलात्कार के मामले में आसाराम बापू को दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। इसी के साथ ही कोर्ट ने 2018 में निचली अदालत द्वारा पारित दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ उनकी अपील को खारिज कर दिया। हालांकि, बेंच ने उन्हें सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश के आरोपों से बरी करके कुछ राहत जरूर दी है। अदालत ने आसाराम को आत्मसमर्पण करने का निर्देश भी दिया। आसाराम फिलहाल चिकित्सा कारणों से अंतरिम जमानत पर बाहर हैं।

यह फैसला जस्टिस अरुण कुमार मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने आसाराम और उनके सह-आरोपी शरतचंद्र और शिल्पी द्वारा दायर अपीलों पर सुनाया। आसाराम की आजीवन कारावास की सजा रद्द करने की याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने माना कि भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार, पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न और किशोर न्याय अधिनियम के तहत अपराधों के आरोप सिद्ध हो चुके हैं। हालांकि, पीठ ने कहा कि सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश से संबंधित आरोपों को साबित करने के लिए रिकॉर्ड पर मौजूद सबूत पर्याप्त नहीं हैं। वहीं, हाई कोर्ट ने शरतचंद्र और शिल्पी को सभी आरोपों से बरी कर दिया। इससे पहले निचली अदालत ने दोनों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। यह मामला 2013 का है, जब आसाराम पर जोधपुर स्थित अपने आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा था।

ममता के खिलाफ सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान सनातन और हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

विवाद उस बयान को लेकर है, जिसमें 'गंदा धर्म' जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस मामले पर ममता की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह शिकायत वकील रिंकी चटर्जी सिंह ने की है।

सीएम बनने के बाद पहली बार पीएम मोदी से मिले जोसेफ विजय

> मेकेदातु विवाद समेत इन मुद्दों पर हुई बात

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को नीदरलैंड यात्रा के दौरान अनाइमंगलम की तांबे की प्लेटें भारत वापस लाने के लिए धन्यवाद दिया।

तमिलनाडु सीएमओ की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री विजय ने श्रीलंका नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी और उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अकेले 2026 में ही ऐसी 12 गिरफ्तारियां हुई हैं, 58 मछुआरे वर्तमान में श्रीलंका की हिरासत में हैं और 266 मछली पकड़ने वाली नौकाएं जब्त की गई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से श्रीलंका सरकार से मछुआरों और उनकी नौकाओं को तुरंत रिहा करने का आग्रह करने का अनुरोध किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि 'तमिल थाई वजथु' तमिलनाडु में आयोजित होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत में पारंपरिक रूप से गाया जाता रहा है। हालांकि, इस साल जनवरी में गृह मंत्रालय द्वारा जारी परिपत्र के बाद, कुछ सरकारी कार्यक्रमों में पहले राष्ट्रगीत गाया जाने लगा है। इसी संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने गृह मंत्रालय से अनुरोध किया कि वे उचित स्पष्टीकरण जारी करें, ताकि सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत में राज्य का प्रार्थना गीत गाने की परंपरा जारी रह सके। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा कावेरी नदी पर बने मेकेदातु बांध परियोजना के लिए भूमि पूजा आयोजित करने की घोषणा कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पूरी तरह से खिलाफ थी और इससे तमिलनाडु के किसानों में गहरी चिंता पैदा हो गई थी।

पीडीएस को आधुनिक बनाने के लिए 25530 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राशन दुकानों को समर्थन देने और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को आधुनिक बनाने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की सार्थक पीडीएस योजना योजना को मंजूरी दे दी है।

यह योजना मार्च 2031 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार के इस बड़े कदम का सीधा और सकारात्मक असर देश के उन 80 करोड़ नागरिकों पर पड़ेगा जो अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए सरकार के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर निर्भर हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज मंत्रिमंडल ने एक ऐसा निर्णय लिया है जो देश के 80 करोड़ नागरिकों को प्रभावित करेगा। जैसा कि आप सभी जानते हैं, भारत वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम चला रहा है।

इस खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के तहत 80 करोड़ नागरिकों को हर महीने बुनियादी राशन उपलब्ध कराया जाता है। यह इतना विशाल कार्यक्रम है कि इसे वैश्विक स्तर पर समावेशी विकास के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है।

सार्थक-पीडीएस योजना के साथ राज्य के भीतर खाद्यान्न परिवहन के लिए राज्य एजेंसियों को सहायता दी जाएगी।

इसके साथ ही उचित मूल्य की दुकानों के लिए समर्थन का प्रावधान होगा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का आधुनिकीकरण से जुड़ी इस योजना का कुल परिव्यय 25,530 करोड़ रुपये होगा। इसकी कुल अवधि पांच वर्ष यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक होगी।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला : एनसीएलएटी का आदेश रद्द

सीसीआई का 202 करोड़ का जुर्माना रद्द

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से बुधवार को ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी अमेजन को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसने फ्यूचर ग्रुप के साथ अमेजन के निवेश सौदे पर लगे एंटी-ट्रस्ट निलंबन के खिलाफ उसकी अपील खारिज कर दी थी। यह फैसला बुधवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 17 दिसंबर 2021 के उस आदेश को भी पलट दिया है, जिसमें अमेजन पर 202 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके साथ ही सीसीआई के आदेश में फ्यूचर के साथ उसका सौदा निलंबित कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया :

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने फैसला सुनाते हुए कहा, तमाम निष्कर्षों को देखते हुए अपील की अनुमति दी जाती है। एनसीएलएटी द्वारा 13 जून 2022 को पारित निर्णय और सीसीआई द्वारा 17 दिसंबर 2021 को पारित आदेश को रद्द किया जाता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने निर्देश दिया कि अमेजन से जमा कराई गई या वसूली गई कोई भी राशि आठ सप्ताह के भीतर वापस की जाए। यह फैसला अमेजन के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है, जो फ्यूचर ग्रुप के साथ अपने सौदे को लेकर लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहा था। गौरतलब है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की ओर से अमेजन पर 202 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। यह जुर्माना फ्यूचर कूपन्स प्राइवेट लिमिटेड (एफसीपीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के दौरान अहम जानकारी छिपाने के आरोप में लगाया गया था।

अमेजन ने 2019 में दी थी जुर्माना लगाए जाने को चुनौती :

अमेजन ने 2019 में फ्यूचर कूपन्स में निवेश के लिए मंजूरी लेते समय महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने के आरोप में लगाए गए जुर्माने को चुनौती दी थी। मामला फ्यूचर कूपन्स प्राइवेट लिमिटेड में अमेजन के 2019 के निवेश से जुड़ा है, जो फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) से संबंधित इकाई थी।

अमेजन ने सीसीआई को बताया था कि वह एफसीपीएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद रही है। इस सौदे में एफआरएल के 2.52 प्रतिशत शेयर एफसीपीएल को ट्रांसफर करने की व्यवस्था भी शामिल थी। अमेजन का कहना था कि यह निवेश एफसीपीएल के गिफ्ट कार्ड, लॉयल्टी कार्ड और पेमेंट कारोबार को मजबूत करने के लिए किया गया है। सीसीआई ने 28 नवंबर 2019 को इस सौदे को मंजूरी दी थी। आयोग ने कहा था कि इस लेनदेन से भारत में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना नहीं है। हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया था कि अगर दी गई जानकारी गलत पाई गई तो मंजूरी स्वतः निरस्त मानी जाएगी।

> शशि थरूर सरकार के साथ?

कांग्रेस सांसद ने जनसांख्यिकी से जुड़ी समिति बनाने का स्वागत किया

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से निपटने के लिए जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर उच्च-स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस कदम का स्वागत किया है। हालांकि, उन्होंने सरकार को पर्याप्त तथ्यों और आंकड़ों के बिना इसे आगे न बढ़ाने की चेतावनी दी है। थरूर ने कहा कि देश में जनसांख्यिकीय कारकों के बारे में सही तथ्य और आंकड़े होने चाहिए। गृह मंत्री ने बताया कि इस समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर करेंगे। इसमें जनगणना आयुक्त, सेवानिवृत्त आईएएस दुर्गा शंकर मिश्रा, सेवानिवृत्त आईपीएस बालाजी श्रीवास्तव और डॉ. शमिका रवि सदस्य के रूप में शामिल हैं। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (विदेशी-I) इस समिति के सदस्य सचिव होंगे। शाह ने कहा कि यह समिति अवैध आप्रवासन और अन्य अप्राकृतिक कारणों से होने वाले जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का व्यापक मूल्यांकन करेगी। यह धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या बदलावों के पैटर्न का विश्लेषण करेगी। नई दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान थरूर ने आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण विकास है। विभिन्न प्रकार के परिवर्तन हो रहे हैं।

क्वॉड मीटिंग के बाद एक्शन में जयशंकर : ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक, डिफेंस-मिनरल्स पर चर्चा

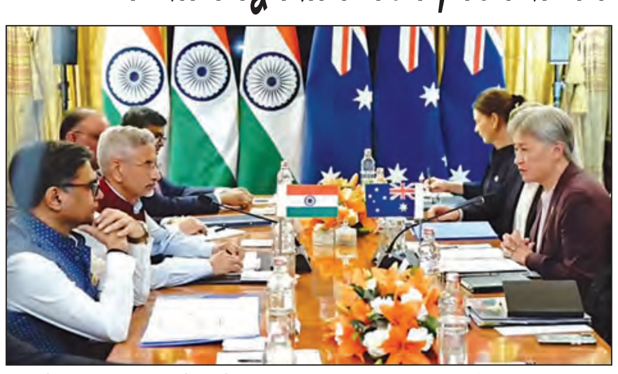

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। क्वॉड विदेश मंत्रियों के साथ हुई अहम बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने व्यापार समझौते से लेकर रक्षा सहयोग और क्रिटिकल मिनरल्स तक कई मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि दोनों देशों के बीच जरूरी मिनरल्स पर बातचीत की। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ अपनी मीटिंग के दौरान डॉ जयशंकर ने कहा, हमने असल में कई अच्छे विकास देखे हैं। हमारे प्रधानमंत्री नवंबर में मिले थे। हमें जनवरी में आपके स्पीकर को होस्ट करने का मौका मिला था। हमारा थोड़ा जटिल मंत्रिस्तरीय ढांचा काम कर रहा है, इसलिए अलग-अलग मंत्री और मंत्रालय एक-दूसरे से मिल रहे हैं। जहां व्यापार और निवेश की बात है, हम ईसीटीए, ईसीटीए से एआईसीए पर जाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। ऊर्जा के पक्ष में हमारे पास एनर्जी व्यापार है।

किन मुद्दों पर हुई चर्चा :

विदेश मंत्री ने कहा कि हम इसे यूरेनियम सप्लाई में भी बढ़ाना चाहते हैं। हमारे अपने न्यूक्लियर क्षेत्र में सुधार हुआ है, जिससे न्यूक्लियर ऊर्जा बढ़ेगी। हमारी टीमें जरूरी मिनरल्स पर भी बातचीत कर रही हैं। उन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया और कहा कि यह अवसर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों को इस साझेदारी की समीक्षा करने का मौका देता है।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि लोग एक-दूसरे से बात कर रहे हैं। हमारा रक्षा एक्सचेंज और अभ्यास फिर से हो रहे हैं। समुद्री सहयोग इसका केंद्र रहा है। हमने स्पेस सहयोग पर कुछ बातचीत की है। स्पोर्ट्स एक मुद्दा है, जो फिर से बहुत ज्यादा रडार पर है। बेशक, आज क्वॉड मीटिंग में हमारी सुबह बहुत अच्छी रही, लेकिन आज शाम, मैं बाकी दुनिया के बारे में भी बात करना चाहूंगा।

टीएमसी विधायक दिलीप मंडल गिरफ्तार

> बेटा इस मामले में खा रहा जेल की हवा

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को फरार तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी से हिरासत में ले लिया। दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक दिलीप मंडल को पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक होटल से हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, दिलीप मंडल को ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया जा रहा है। हाल ही में बिष्णुपुर के विधायक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी है। वीडियो में आरोप है कि दिलीप ने एक अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को धमकी दी थी। इस घटना को लेकर विधायक के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

धमकी देने के आरोपों के आधार पर पुलिस ने गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसी जांच के तहत 14 मई को विधायक के घर पर छापा मारा गया लेकिन उस समय वह घर पर नहीं मिले। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पुलिस के आने की खबर मिलते ही वह घर से फरार हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि तब से विधायक दिलीप मंडल छिपे हुए थे और पुलिस विभिन्न स्थानों पर उनकी तलाश कर रही थी। हालांकि, उनके ठिकाने का पता नहीं चल पा रहा था। पुलिस के मुताबिक, कुछ दिन पहले बंगाल पुलिस की एसटीएफ को सूचना मिली थी कि दिलीप पुरी के एक होटल में छिपे हुए हैं। इस सूचना के आधार पर एसटीएफ और डायमंड हार्बर पुलिस होटल पहुंची और वहां के रजिस्टर की जांच कर दिलीप की मौजूदगी की पुष्टि की गई। इसके बाद पुलिस ने होटल के कमरे में छापा मारकर उन्हें हिरासत में ले लिया। गौरतलब है कि 17 मई को पुलिस ने विधायक के बेटे अर्घ्य मंडल समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया था।

'कोएम्पट को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया?'

> राहुल ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) द्वारा 12वीं के एक छात्र की आंसर शीट जांच में हुई कथित गड़बड़ी पर खूब विवाद हुआ है, जिसकी सोशल मीडिया पर भी चर्चा है। अब इस विवाद को लेकर राहुल गांधी ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि सीबीएसई परीक्षा परिणाम को लेकर भयंकर हेर-फेर हो गया है, जिससे देश के लाखों बच्चे और उनके माता-पिता सदमे में हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह शांत हैं और इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

राहुल गांधी ने विवाद को लेकर पूछे ये सवाल

राहुल गांधी ने सीबीएसई परीक्षा कराने वाली कंपनी कोएम्पट को ठेका दिए जाने पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा, जिस कंपनी कोएम्प्ट को परीक्षा परिणाम की जिम्मेदारी दी गई, वह पहले ग्लोबारेना नाम से तेलंगाना में 2019 में यही कारनामा कर चुकी है। राहुल गांधी ने कहा, नाम बदला पर नीयत नहीं। इतिहास सबको पता था फिर भी ठेका दिया गया। ऐसी कंपनी के हाथों में 18.5 लाख बच्चों का भविष्य सौंप दिया गया और किसी को फर्क नहीं पड़ा! राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह गलती नहीं बल्कि एक सोचा-समझा षड़यंत्र है। राहुल गांधी ने सवाल पूछे, कोएम्पट को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया गया? कोएम्प्ट पहले ही ग्लोबारेना के नाम से विवादों में घिर चुकी है फिर सीबीएसई को इस बारे में क्यों पता नहीं चला? बैकग्राउंड चेक क्यों नहीं किया गया? राहुल गांधी ने पूछा कि कोएम्प्ट प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध हैं?

न्यायिक जांच कराने की मांग :

राहुल गांधी ने मांग की कि सीबीएसई विवाद की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जाए और एसआईटी का गठन किया जाए। राहुल गांधी ने युवाओं से कहा कि आपकी मेहनत, आपका भविष्य कोई चुरा नहीं पाएगा। हम इस साजिश की तह तक जाएंगे और इस भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

टीडीपी नंदी: विज़न पॉलिटिक्स के लिए टिप्पणी की

महान सम्मेलन में सीएम चंद्रबाबू की अहम टिप्पणियाँ

अमरावती, 27 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने 'विज़न पॉलिटिक्स' पर टिप्पणी की। तेलुगु देशम पार्टी का जन्म, उसकी यात्रा और उसका सफर। सब कुछ अद्भुत है। इसका हर कदम कमाल का है। आज (बुधवार) सीएम चंद्रबाबू ने महान किसी चीज़ का 'एक-चौथाई' या 'एक हिस्सा' समारोहों में हिस्सा लिया और मंगलगिरी स्थित टीडीपी कार्यालय में भाषण दिया। सीएम चंद्रबाबू ने कहा कि इस बार महान सम्मेलन का आयोजन 1875 क्लस्टरों (समूहों) में किया जाएगा।

लाखों कार्यकर्ताओं ने उन लोगों की सराहना की जिन्होंने सबसे पहले उपवास तोड़ा। पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे माहौल को देखते हुए, इस आयोजन को मुख्य रूप से एक 'वर्चुअल 'विशाल क्षेत्र के रूप में आयोजित किया गया। तेलुगु देशम पार्टी का जन्म 44 साल पहले तेलुगु क्षेत्र में हुआ था। ने 'समाज मे देवालयम, सेवाये ईश्वरत्वम' (समाज ही

मंदिर है, सेवा ही ईश्वर है) के सिद्धांत पर टिप्पणी की। टीडीपी ने कल्याणकारी नीतियों, विकास और सुशासन की शुरुआत की। सीएम चंद्रबाबू ने कहा कि लैंगिक समानता एक महत्वपूर्ण गुण है, और पार्टी सामाजिक मुद्दों पर संघर्ष करती रहेगी। सीएम चंद्रबाबू ने कहा कि 'वर्चुअल महान सम्मेलन' के कारण वाहनों की संख्या में तो कमी आई है, लेकिन कार्यकर्ताओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है।

उन्होंने कहा कि हम सभी क्लस्टरों को आपस में जोड़ेंगे और एक विशाल नेटवर्क का संचालन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि युद्ध की स्थिति के कारण, आयोजन एक 'हाइब्रिड' (मिश्रित) तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठक के प्रारूप में बदलाव के बावजूद, महान सम्मेलन के मूल सिद्धांतों और नीतियों में कोई बदलाव नहीं आया है। हम भविष्य से जुड़े हर पहलू पर विस्तार से चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि टीडीपी हृदय या मन' पराछाई या साया।

(भोजन, आवास और आश्रय) जैसी कल्याणकारी नीतियों के साथ उभरी है। राष्ट्रीय ध्वज देश का गौरव है, जबकि पीला ध्वज (टीडीपी का ध्वज) तेलुगु लोगों की पहचान और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तेलुगु ध्वज को देखकर हर व्यक्ति में आत्मविश्वास जागृत होता है।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में, लोगों का टीडीपी के प्रति सम्मान कम होता जा रहा है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि टीडीपी पिछले 45 वर्षों से लगातार जनहित के मुद्दों के लिए संघर्ष करती आ रही है। सीएम चंद्रबाबू ने टिप्पणी की कि वाईसीपी नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में टीडीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले हुए, हिंसा भड़की, हत्याएं हुईं, राजनीतिक द्वेष के चलते अवैध मुकदमे दर्ज किए गए और उन्हें प्रताड़ित किया गया; इसके बावजूद टीडीपी कार्यकर्ताओं ने जनता के लिए अपना संघर्ष कभी नहीं रोका।

उन्होंने कहा, वाईसीपी के शासन में हत्यारे बेखौफ होकर घूम रहे हैं। लेकिन टीडीपी के कार्यकर्ताओं ने तेलुगु देशम पार्टी के ध्वज को कभी झुकने नहीं दिया। किसी चीज़ का 'एक-चौथाई' या 'एक हिस्सा'।

जय चंद्रबाबू, जय तेलुगुदेशम के नारों के साथ उन्होंने अपनी आवाज़ बुलंद की और अमर हो गए। उनकी प्रेरणा हमेशा बनी रहेगी। मुझे गैर-कानूनी तरीके से जेल में डाला गया, लोकेश ने युवाओं को रोका। हमारे नेताओं को गिरफ्तार किया गया। पीड़ितों पर ही आरोप लगाए गए। लेकिन टीडीपी पीछे नहीं हटी। टीडीपी लोकतंत्र के लिए खड़ी रही। चुनावों में, हमने राज्य के पुनर्निर्माण के लिए काम करने हेतु बीजेपी और जनसेना के साथ गठबंधन किया।

लोगों ने उनका समर्थन किया, उन्हें आशीर्वाद दिया और राज्य को संभालने की ज़िम्मेदारी उन्हें सौंपी। हम शासन के क्षेत्र में आक्रामक और प्रगतिशील तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। टीडीपी महिला सशक्तिकरण, तथा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सम्मान के लिए काम कर रही है।

संपत्ति के अधिकारों से लेकर मातृत्व तक, आज हम कई कल्याणकारी कार्यक्रम लागू कर रहे हैं। टीडीपी तब तक उनके साथ खड़ी रहेगी, जब तक कि स्थानीय निकायों में उन्हें आरक्षण नहीं मिल जाता और वे विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण हासिल नहीं कर लेतीं। 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने में आसानी) अब 'स्पीड ऑफ़ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने की गति) में बदल गया है।

यह देखकर, मेरे बचपन की पसंदीदा कंपनी, रॉयल एनफ़ील्ड भी इस राज्य में आ गई। 'महानडु हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस' 1875 क्षेत्रों में आयोजित की जा रही है। कितने लोगों ने प्रस्ताव को मंज़ूरी दी है, यह जानकारी रियल-टाइम में उपलब्ध हो रही है। सीएम चंद्रबाबू ने कहा कि मैं यहाँ के युवाओं को 'बेस्ट टेक्नोलॉजी प्लस' (सर्वोत्तम तकनीक और उससे भी बढ़कर) प्रदान कर रहा हूँ।

बेहतर होगा कि समय रहते सरकार एहतियाती कदम उठा ले : विजयसाई रेड्डी

अमरावती, 27 मई (एजेंसियां)। पूर्व सांसद विजयसाई रेड्डी ने राजनीति को अलविदा कह दिया है और अब सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। एक्स (ट्विटर) राष्ट्रीय राजनीति से लेकर राज्य की राजनीति तक के ताज़ा घटनाक्रमों के लिए, एक मंच बन गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के विजयी फैसले, केंद्र सरकार के ईंधन बचाने के मुद्दे और जलवायु परिवर्तन जैसी परिस्थितियों पर अपने विचार व्यक्त किए। विजयसाई रेड्डी आंध्र प्रदेश में हो रहे घटनाक्रमों और सरकारी फैसलों पर भी अपनी राय देते रहते हैं। हाल ही में, उन्होंने इस साल की जलवायु परिस्थितियों पर एक दिलचस्प ट्वीट किया।'वर्ष 2026 एक 'अल नीनो' वर्ष होगा, जिसके कारण भयंकर आंधी-तूफान आएंगे और सामान्य से कम बारिश दर्ज की जाएगी। कुछ लोग यह भविष्यवाणी कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और आंध्र प्रदेश के कृषि मंत्री अच्चेनायुदु, बेहतर होगा कि आप पहले से ही एहतियाती कदम उठा लें। जब अभी समय है, तो सरकार को ऐसे कदम उठाने चाहिए ताकि हमारे किसानों पर कोई भी नकारात्मक प्रभाव न पड़े। उन्हें सुरक्षित रखें,' विजयसाई रेड्डी ने ट्वीट किया।

इस साल की जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, वह यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि किसानों को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े।हाल ही में उन्होंने एक और ट्वीट भी किया। सूरज की तेज़ तपिश के साथ-साथ, पूरे देश में भयंकर आंधी-तूफान भी आ रहे हैं। विजयसाई रेड्डी ने याद दिलाया कि आम चुनाव और आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव भीषण गर्मी के मौसम के बीच में होंगे। उन्होंने बताया कि ये चुनाव ऐसे समय पर हो रहे हैं जब गर्मी अपने चरम पर होती है। तापमान लगातार 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया जा रहा है।

मंत्री निम्मला रामानायडू ने बुडामेरू बाढ़ नियंत्रण कार्यों का निरीक्षण किया

अमरावती, 27 मई (एजेंसियां)। जल संसाधन मंत्री निम्मला रामानायडू ने बुडामेरु नाले पर एनिकेपाडु अंडर-टनल पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। यहाँ विजयवाड़ा को बाढ़ से बचाने के लिए 36.1 करोड़ रुपये की लागत से इसकी क्षमता 4,000 क्यूसेक से बढ़ाकर 20,000 क्यूसेक की जा रही है। रामानायडू ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण को मज़बूत करने के लिए वेलागालेरू रेगुलेटर पर 1.80 करोड़ रुपये की लागत से नए गेट लगाए गए हैं। बुडामेरू तटबंध पर आई तीन दरारों की मरम्मत कर दी गई है और सीसी दीवारें बनाई गई हैं।

बुडामेरू डायवर्जन नहर की क्षमता बढ़ाकर 37,500 क्यूसेक करने का काम भी चल रहा है, जिसके तहत 120 करोड़ रुपये की लागत से 8.2 किलोमीटर की लाइनिंग का काम शुरू किया गया है। बाकी 2 किलोमीटर की लाइनिंग और 115 करोड़ रुपये के थर्मल प्लांट से जुड़े काम अभी टेंडर प्रक्रिया के चरण में हैं। रामानायडू ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने एनिकेपाडु-कोल्लेरू चैनल के विस्तार की योजना रद्द कर दी थी। उन्होंने बताया कि मौजूदा गठबंधन सरकार ने अब बुडामेरू नाले पर 57 किलोमीटर तक गाद निकालने का काम शुरू किया है। बुडामेरू का पानी उप्पुटेरू के रास्ते समुद्र तक पहुँच सके, यह सुनिश्चित करने के लिए 9 करोड़ रुपये की लागत से ड्रेजिंग का काम भी चल रहा है।

इस निरीक्षण के दौरान जल संसाधन सलाहकार वेंकटेश्वर राव, केडीआईसी के मुख्य अभियंता रामबाबू और सिंचाई विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

वाईएसआरसीपी नेता जगन ने सुगाली प्रीति के माता-पिता को कानूनी मदद का वादा किया

ताडेपल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुगाली प्रीति के माता-पिता, पार्वती और राजू नाइक ने ताडेपल्ली में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी से मुलाकात की। उन्होंने अपनी बेटी के साथ 2017 में टीडीपी सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई क्रूर बलात्कार और हत्या की घटना में न्याय की गुहार लगाई। दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि नौ साल बीत जाने के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला है, और उन्होंने चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर इस मामले की अनदेखी करने का आरोप लगाया। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद सीबीआई जांच को रोक दिया गया।

उनकी चिंताओं को सुनने के बाद, जगन ने परिवार को आश्वासन दिया कि वाईएसआरसीपी उनके साथ खड़ी रहेगी और जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उन्हें हर संभव कानूनी और राजनीतिक सहायता प्रदान करती रहेगी। मीडिया से बात करते हुए, प्रीति की माँ पार्वती ने उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की आलोचना की और उन पर इस मामले का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2020 और 2024 के बीच, पवन ने सार्वजनिक सभाओं में इस मुद्दे को उठाया था और सत्ता में आने के बाद न्याय दिलाने को अपनी पहली प्राथमिकता बनाने का वादा किया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद, परिवार को उनसे मिलने का समय नहीं दिया गया और उन्हें एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर के चक्कर लगाने पर मजबूर होना पड़ा।

एआई से उच्च-गुणवत्ता वाली डायग्नोस्टिक सेवाएँ संभव: स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार

अमरावती, 27 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश ने एआई आधारित स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में खुद को एक राष्ट्रीय अग्रणी के रूप में स्थापित किया है, और राज्य तथा केंद्र, दोनों के अधिकारियों ने 'मेडटेक चैलेंज' के तहत इसकी अग्रणी भूमिका की सराहना की है। मंगलगिरी में आयोजित एआई सक्षम स्वास्थ्य प्रणाली सम्मेलन के समापन सत्र में, स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने कहा कि एआई कम लागत वाली, उच्च-गुणवत्ता वाली डायग्नोस्टिक सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम बना रहा है; यह गैर-संक्रामक रोगों का बोझ कम कर रहा है और परिवारों को भारी चिकित्सा खर्चों से बचने में मदद कर रहा है। उन्होंने बताया कि एआई-संचालित डायग्नोस्टिक्स तेज़ी से और सटीक परिणाम देते हैं, जिससे डॉक्टर समय पर उपचार प्रदान कर पाते हैं।

आंध्र प्रदेश ने एआई सेवाओं के माध्यम से दस प्रमुख बीमारियों का बोझ कम करने का लक्ष्य रखा है, जो 'विकसित भारत, विकसित आंध्र प्रदेश' के दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है। इससे पहले, रतन टाटा इनोवेशन हब में आयोजित भागीदारों के सम्मेलन में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के संयुक्त सचिव किरण गोपाल ने कहा कि आंध्र प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने चिकित्सा सेवाओं में एआई नवाचारों को एकीकृत किया है, जिससे इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने आभा आईडी के माध्यम से चिकित्सा रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण में आंध्र प्रदेश के नेतृत्व को रेखांकित किया देश भर में 100 करोड़ से अधिक खाते खोले गए हैं। और इसमें आंध्र प्रदेश शीर्ष स्थान पर है।

मंत्री ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए सॉलिस्टिक टेक्नोलॉजीज (एआई टेक्नोलॉजीज), रेमिडियो इनोवेटिव सॉल्यूशंस (पोर्टेबल पॉइंट-ऑफ-केयर डिवाइस), केयरएनएक्स इनोवेशन (स्मार्ट मॉनिटरिंग और वियरेबल्स), और रेजुविन मेडिकेयर इंडिया (रिमोट मॉनिटरिंग)। रतन टाटा इनोवेशन हब के सीईओ धात्रीरेड्डी ने कहा कि यह हब स्टार्टअप्स का समर्थन करने और नवाचारों का विस्तार करने के लिए निवेशकों की एक सेना तैयार कर रहा है।

जन सुरक्षा महत्वपूर्ण है इसमें ढिलाई नहीं होना चाहिए: आईजी अशोक

गोदावरी, 27 मई (एजेंसियां)। भीमवरम पुलिस को जन सुरक्षा सुनिश्चित करने, पीड़ितों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने और न्याय दिलाने के लिए काम करना चाहिए; इसमें किसी भी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए, यह बात एलुरु रेंज के आईजी अशोक कुमार ने कही। उन्होंने गोल्लाकोडेरु स्थित जिला पुलिस मुख्यालय का निरीक्षण किया।

पश्चिम गोदावरी जिले के एसपी अदनान और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पुलिस बल की ओर से उन्हें सम्मानपूर्वक सलामी दी गई। उन्होंने कार्यालय के रिकॉर्ड प्रबंधन, अनुशासन, कर्मचारियों की उपस्थिति और प्रशासनिक फाइलों के आवागमन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग करके अपराधों का पता लगाने और मामलों की जांच की प्रक्रिया को तेज किया जाना चाहिए। इस अवसर पर डीएसपी रघुवीर विष्णु, एएम. सुधाकर राव, विश्वनाथ, सत्यनारायण और स्पेशल ब्रांच के इंस्पेक्टर सत्यनारायण उपस्थित रहे।

चिट फ़र्म पहले ज़मानतदार से बकाए की वसूली कर सकती है: आंध्र प्रदेश कोर्ट का फ़ैसला

अमरावती, 27 मई (एजेंसियां)। एक अहम फ़ैसले में, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने कहा है कि चिट फ़ंड कंपनियाँ मूल कर्ज़दार के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने से पहले, सीधे ज़मानतदार के ख़िलाफ़ वसूली की कार्रवाई शुरू करने की हकदार हैं। कोर्ट ने साफ़ किया कि चिट फ़ंड एक्ट के तहत बकाए के भुगतान में कर्ज़दार और ज़मानतदार, दोनों की ज़िम्मेदारी बराबर होती है। जस्टिस चीमालापाटी रवि ने यह फ़ैसला लेते। वेंकट रामा राव की याचिका को ख़ारिज करते हुए सुनाया। राव ने गुंटूर की एक अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कपिल चिट्स (कोस्टा) प्राइवेट लिमिटेड को दिए जाने वाले चिट फ़ंड के बकाए का भुगतान न करने पर उनकी सैलरी ज़ब्त करने का आदेश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि चूंकि ज़मानतदार, कर्ज़ न चुकाए जाने की स्थिति में भुगतान की ज़िम्मेदारी लेता है, इसलिए ज़मानतदार बाद में अपनी ज़िम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता। कोर्ट ने आगे साफ़ किया कि चिट फ़ंड एक्ट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो कर्ज़ देने वालों या चिट फ़ंड फ़र्मों को यह बाध्य करे कि वे ज़मानतदार के ख़िलाफ़ कार्रवाई शुरू करने से पहले, मूल कर्ज़दार के ख़िलाफ़ वसूली की सभी कार्रवाई पूरी कर लें।

कोर्ट के मुताबिक, ज़मानतदार की ज़िम्मेदारी, कर्ज़दार की ज़िम्मेदारी के बराबर होती है और बकाया चुकाने के लिए दोनों ही समान रूप से ज़िम्मेदार होते हैं। इसलिए, अगर बकाया राशि का भुगतान नहीं होता है, तो सीधे ज़मानतदार के ख़िलाफ़ वसूली की कार्रवाई शुरू की जा सकती है, कोर्ट ने फ़ैसला सुनाया। याचिकाकर्ता की इस दलील को ख़ारिज करते हुए कि वसूली का सर्टिफ़िकेट जारी करने का अधिकार सिर्फ़ रजिस्ट्रार के पास है, कोर्ट ने कहा कि क़ानून के तहत डिप्टी रजिस्ट्रार भी ऐसा करने के लिए अधिकृत हैं।

कोर्ट ने कहा कि एक्ट के तहत रजिस्ट्रार की परिभाषा में एडिशनल रजिस्ट्रार, जॉइंट रजिस्ट्रार, डिप्टी रजिस्ट्रार और असिस्टेंट रजिस्ट्रार शामिल हैं। कोर्ट ने 2008 में जारी एक सरकारी आदेश का भी ज़िक्र किया, जिसमें डिप्टी रजिस्ट्रार को रजिस्ट्रार के तौर पर काम करने का अधिकार दिया गया था।

एलपीजी टैंकर पलटा यातायात पूरी तरह से ठप

कडप्पा, 27 मई (एजेंसियां)। कडप्पा जिले में एक एलपीजी गैस टैंकर पलट गया। इस दुर्घटना के कारण, रायचोटी-कडप्पा मुख्य सड़क पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। गुव्वल चेरुवु घाट में 'आइदो मोड़' पर एलपीजी गैस टैंकर पलटने से, कडप्पा सड़क पर आवाजाही बाधित हो गई। इसके चलते, पुलिस ने रायचोटी-कडप्पा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से रोक दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही, पुलिस तुरंत सतर्क हो गई और यातायात को दूसरे रास्ते पर मोड़ दिया। रायचोटी से आने वाले वाहनों को चक्रायपेट सड़क के रास्ते मोड़ा जा रहा है। घटनास्थल पर भारी वाहनों के खड़े होने के कारण यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पलटे हुए गैस टैंकर को हटाने के लिए सुबह से ही राहत कार्य जारी है। तीन विशाल क्रेनों की मदद से टैंकर को उठाने का प्रयास किया गया। लेकिन इस प्रक्रिया के दौरान एक और खतरा पैदा हो गया। टैंकर को उठाते समय, तीनों क्रेनें भी एक साथ गिर गईं। इसके कारण, वहां मौजूद सहायता कर्मी और भी अधिक सतर्क हो गए। इस बीच, टैंकर से एलपीजी गैस लीक होने के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। गैस लीक होने से राहत कार्यों में गंभीर बाधा आ रही है।

विजयवाड़ा टेरर लिंक्स मामले में अहम मोड़, एनआईए की एंट्री

विशाखापत्तनम, 27 मई (एजेंसियां)। विजयवाड़ा में आतंकी संबंधों (टेरर लिंक्स) की गतिविधियों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। अब तक, विजयवाड़ा के तीन लोगों के साथ-साथ, इस मामले में अन्य राज्यों के 12 और लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने ये गिरफ्तारियां की हैं। पुलिस जांच के दौरान कई अहम बातें सामने आईं। अधिकारियों ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मामला मानते हुए इसे एनआईए को सौंपने का फैसला किया। इस संबंध में, एनआईए जिला पुलिस आयुक्त राजशेखर बाबू ने पहले ही एनआईए अधिकारियों को एक पत्र लिखा है।

इस बीच, विशाखापत्तनम में एनआईए अधिकारियों ने इस टेरर लिंक्स मामले में एक केस दर्ज कर लिया है। अगले दो दिनों में, इस मामले की कमान संभाल ली जाएगी और संबंधित अदालत में एक हलफनामा दायर किया जाएगा। उसके बाद, बड़े पैमाने पर जांच शुरू की जाएगी। इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों के कॉल डेटा, ऑनलाइन संचार, वित्तीय लेन-देन और अन्य राज्यों के साथ उनके संबंधों पर एनआईए अधिकारियों ने विशेष ध्यान दिया है। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों का किसी अन्य व्यक्ति से भी कोई संबंध है।

25 जून तक 'स्वच्छ गोदावरी' योजना तैयार करें: उप-मुख्यमंत्री पवन

गोदावरी, 27 मई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने पर्यावरण और वन विभाग को निर्देश दिया कि वे दो दिनों के भीतर गोदावरी नदी में प्रदूषण पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें, और 25 जून तक राजमहेन्द्रवरम के पास मुनिकुडाली में एक मॉडल पुष्कर घाट के विकास तथा प्रदूषण-रोधी उपायों को लागू करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करें। नगर निगम कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नदी क्षेत्र में प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान शुरू करें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गोदावरी नदी की सुरक्षा के उद्देश्य से चलाए जाने वाले एक विशेष प्रदूषण-रोधी अभियान के लिए, लगभग 100 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। नदी में बिना उपचारित सीवेज के प्रवेश पर चिंता व्यक्त करते हुए, पवन कल्याण ने कहा कि राजमहेन्द्रवरम शहर में प्रतिदिन लगभग 75 एमएलडी (मिलियन लीटर) सीवेज उत्पन्न होता है, लेकिन केवल 30 एमएलडी का ही उपचार किया जाता है, जबकि शेष 45 एमएलडी सीधे गोदावरी में बह जाता है। उन्होंने आगे कहा कि शहर में लगभग पाँच मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है और इसका अधिकांश हिस्सा अंततः नदी में पहुँच जाता है।

प्रदूषण नियंत्रण पर ध्यान न दिए जाने को लेकर अधिकारियों से सवाल करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गोदावरी के छह जिलों में पुष्करम कार्यों के लिए लगभग 8,600 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किए गए थे, लेकिन नदी की सफाई या प्रदूषण की रोकथाम के लिए कोई आवंटन नहीं किया गया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रस्तावों को तत्काल संशोधित करें और उनमें व्यापक 'स्वच्छ गोदावरी' कार्यों को शामिल करें। "गोदावरी की सफाई करने और पुष्करम के दौरान पवित्र स्नान करने की उम्मीद वाले लगभग 10 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्था करने हेतु अगले नौ महीने अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

पुजारी पर 15 साल की लड़की के साथ रेप का आरोप

कडप्पा, 27 मई (एजेंसियां)। जिले में एक भयानक घटना सामने आई है। एक हवस के पुजारी पर एक 15 साल की लड़की के साथ रेप का आरोप लगा है। इस यौन हमले में लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। जब लड़की घर लौटी, तो उसे बुरी तरह खून बहता देख उसके माता-पिता दहशत में आ गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 19 साल के आरोपी ने दुव्वुर मंडल की रहने वाली उस लड़की से 'मीठी-मीठी बातें' कीं और प्यार का नाटक रचा।

अपनी बातों में फंसाकर वह लड़की को खाजीपेट के एक लॉज में ले गया। वहां उसने लड़की के साथ रेप किया। उस दौरान लड़की को बुरी तरह खून बह रहा था, लेकिन आरोपी ने अपनी हवस मिटाने के बाद ही उसे छोड़ा। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया। लड़की बुरी तरह खून बहने की हालत में घर पहुंची। उसकी हालत देखकर परिवार वालों की आंखों में आंसू आ गए। बाद में दुव्वुर पुलिस को इस बारे में सूचना दी गई। सूचना मिलते ही, पुलिस ने लड़की को इलाज के लिए कडप्पा के आरआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच के बाद पुष्टि की कि लड़की के साथ रेप हुआ है। लड़की के माता-पिता की शिकायत के आधार पर, दुव्वुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

आंगनवाड़ी से मां 2 बेटों को लाई, फिर रस्सी से घोंटा गला; 9 साल बाद उम्रकैद की सजा

चित्तूर, 27 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में एक मां को अपने ही दो मासूम बेटों की हत्या के मामले में अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। शादीशुदा महिला के अफेयर में बच्चे बाधा बन रहे थे। करीब नौ साल महिला ने इस वारदात को अंजाम दिया था। यह मामला रामाकुप्पम मंडल के कव्वमपल्ली गांव का है। कव्वमपल्ली गांव की रहने वाले सी। वेमारेड्डी और सी। पवित्रा की शादी हुई थी और उनके दो बेटे थे। घटना के समय दोनों बच्चों की उम्र 6 साल और 3 साल थी। पुलिस जांच में सामने आया कि पवित्रा का घर में ट्रैक्टर ड्राइवर के रूप में काम करने वाले वेम्मना के साथ प्रेम संबंध था।

दोनों के बीच नजदीकियां इतनी बढ़ गई थीं कि पवित्रा अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ नई ज़िंदगी शुरू करना चाहती थी। घरवालों के मुताबिक, एक समय पवित्रा अपने प्रेमी वेम्मना के साथ तिरुमला भाग गई थी। बाद में परिवार और गांव के बुजुर्गों ने पंचायत कर उसे समझाया और दोबारा पति के घर भेज दिया। इसके बाद वेम्मना बेंगलुरु जाकर नौकरी करने लगा, लेकिन दोनों का संपर्क बना रहा और वे चोरी-छिपे मिलते रहे। इसी दौरान पवित्रा को लगने लगा कि उसके दोनों बच्चे उसके प्रेम संबंध में सबसे बड़ी बाधा हैं। उसने प्रेमी के साथ मिलकर बच्चों को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 9 सितंबर 2017 को दोनों बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र से घर लाया गया। इसके बाद पवित्रा ने नायलॉन की रस्सी से दोनों बच्चों का गला घोंटकर उन्हें पंखे से लटका दिया। हत्या के बाद उसने दोनों बच्चों के शव बिस्तर पर रख दिए और घर में रखे करीब 3 हजार रुपये लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई। जब पति वेमारेड्डी घर लौटा तो कमरे में दोनों बच्चों के शव देखकर उसके होश उड़ गए। उसने तुरंत रामाकुप्पम पुलिस को सूचना दी।

मामले की जांच तत्कालीन एसआई सुरेश बाबू ने शुरू की। शुरुआत में मामला धारा 174 सीआरपीसी के तहत दर्ज किया गया, लेकिन बाद में हत्या की पुष्टि होने पर आईपीसी की धारा 302, 109 और 120बी के तहत केस दर्ज किया गया। घटना के चार दिन बाद यानी 13 सितंबर 2017 को पवित्रा और वेम्मना ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर सरेंडर कर दिया और अपना अपराध स्वीकार कर लिया। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। करीब नौ साल तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने पवित्रा को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और एक हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
गुरुवार, 28 मई, 2026

सुविचार: दूसरों को बदलने के पहले स्वयं को बदलना आवश्यक है

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने 60 नई विद्युत बसों की शुरूआत की

> मंत्री पोन्नम ने हरी झंडी दिखाकर बसों का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने प्रदूषण मुक्त सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कुकटपल्ली डिपो के लिए 60 नई विद्युत बसों को सेवा में शामिल किया।

राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर इन बसों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि हैदराबाद को वायु प्रदूषण की समस्या से बचाने और भविष्य में दिल्ली जैसी स्थिति उत्पन्न न होने देने के उद्देश्य से पर्यावरण अनुकूल विद्युत बसों को बड़े पैमाने पर शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल हैदराबाद शहर में 540 विद्युत बसें संचालित हो रही हैं, जबकि पूरे राज्य में लगभग 1050 विद्युत बसें यात्रियों को सेवाएं दे रही हैं। मंत्री ने कहा कि जल्द ही आरटीसी कर्मचारी संगठनों के लिए मान्यता चुनाव कराए जाएंगे। इसके बाद निर्वाचित संगठनों के साथ मिलकर आरटीसी विलय प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण आयोग की सिफारिशों को लागू करने तथा उनके कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कर्मचारियों की समस्याओं को सीधे सुनने के लिए प्रत्येक दूसरे मंगलवार को विशेष समय निर्धारित किया जाएगा। प्रबंध निदेशक नागी रेड्डी ने कहा कि विद्युत बसों के विस्तार के तहत प्रमुख डिपो और बस स्टैंडों पर अत्याधुनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं।

इन बसों के माध्यम से ध्वनि और वायु प्रदूषण रहित यात्रा के साथ यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगम का लक्ष्य यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराते हुए संस्था को लाभ के मार्ग पर आगे बढ़ाना है। नई विद्युत बसें यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक सिद्ध होंगी तथा पर्यावरण संरक्षण में आम जनता की भागीदारी भी आवश्यक है। कार्यक्रम के बाद मंत्री, प्रबंध निदेशक नागी रेड्डी, विधायक माधवरम कृष्णाराव, विधान परिषद सदस्य नवीन कुमार, कम्मा कॉरपोरेशन के अध्यक्ष बंडी रमेश तथा मेदक जिला कलेक्टर मनु चौधरी ने नई विद्युत बसों में यात्रा की। कार्यक्रम में कुकटपल्ली विधायक माधवरम कृष्णाराव, विधान परिषद सदस्य नवीन कुमार, कम्मा कॉरपोरेशन के अध्यक्ष बंडी रमेश, मेदक जिला कलेक्टर मनु चौधरी, आरटीसी के वरिष्ठ अधिकारी सीएच वेंकन्ना, राजशेखर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दो कांग्रेस नेताओं के बीच झड़प, बैठक स्थगित

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन में आयोजित एक बैठक के दौरान दो कांग्रेस नेताओं के बीच तीखी बहस के बाद हाथापाई की स्थिति बन गई। यह विवाद नामपल्ली विधानसभा क्षेत्र के नेता फिरोज खान और करवान क्षेत्र के प्रभारी उस्मान अल-हज के बीच हुआ।

बताया गया कि बैठक में मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के पास बैठने को लेकर दोनों नेताओं के बीच पहले कहासुनी हुई, जो बाद में हाथापाई तक पहुंच गई और दोनों ने एक-दूसरे का कॉलर पकड़ लिया। घटना के समय राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अजहरुद्दीन मौजूद थे।

वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी धक्का देने की कोशिश की गई। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दोनों नेताओं को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन विवाद जारी रहा। स्थिति बिगड़ने पर अन्य नेताओं ने हस्तक्षेप कर दोनों को अलग किया। हंगामे के कारण बैठक को अंततः स्थगित करना पड़ा।

कांग्रेस केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही नहीं बल्कि भारत के खिलाफ : रामचंदर राव

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव (एनआरआर) ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ है।

यहां भाजपा राज्य कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए राव ने कांग्रेस नेताओं पर विदेश यात्राओं के दौरान भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्कृति का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूर्व भाजपा नेताओं अटल बिहारी वाजपेयी और एल.के. आडवाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि विपक्ष में रहते हुए उन्होंने सरकार की नीतियों की आलोचना की, लेकिन कभी देश के खिलाफ बयान नहीं दिए। राव ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस एक ओबीसी पृष्ठभूमि से आए नेता के प्रधानमंत्री बनने को स्वीकार नहीं कर पा रही है और देश में कांग्रेस-मुक्त भारत की दिशा में जनसमर्थन बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान में देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं। तेलंगाना को केंद्र सरकार की सहायता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य में विभिन्न परियोजनाओं और विकास कार्यों के लिए लगभग 13 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

उन्होंने रामागुंडम उर्वरक संयंत्र पुनर्जीवन, वारंगल कोच फैक्ट्री, मुलुगु में सम्मक्का-सारक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, एम्स, राष्ट्रीय राजमार्ग, क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर), मेट्रो रेल विस्तार, एमएमटीएस सेवाएं और इलेक्ट्रिक बसों जैसी परियोजनाओं का उल्लेख किया। भाजपा नेता ने कांग्रेस और बीआरएस दोनों पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र ने तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया, यह दावा गलत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खरीदी केंद्रों पर किसानों की समस्याओं, विशेषकर बारिश से फसल नुकसान और भीगे धान के प्रबंधन में विफल रही है।

उन्होंने आईकेपी केंद्रों पर तिरपाल, गोदाम सुविधाओं और खरीद व्यवस्था की कमी की आलोचना की तथा आरोप लगाया कि किसानों पर श्रम शुल्क का बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का रैतू गोसा-भाजपा भरोसा अभियान जारी रहेगा और प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की। राव ने बीआरएस के और कमजोर होने की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि आने वाले समय में पार्टी विधानसभा में भी अपनी उपस्थिति खो देगी और युवाओं, बुद्धिजीवियों तथा महिलाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मजबूत करने की अपील की।

कौशलयुक्त कार्यबल तैयार करने को नारेडको तेलंगाना-ईएससीआई में समझौता

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्र में कौशल विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको), तेलंगाना ने इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ईएससीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का लक्ष्य निर्माण पेशेवरों के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम विकसित करना है, ताकि हैदराबाद के तेजी से बढ़ते शहरी और बुनियादी ढांचा विकास को कुशल मानव संसाधन मिल सके।

इस अवसर पर नारेडको तेलंगाना के अध्यक्ष कोप्पुला श्रीधर रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद विकास के एक निर्णायक दशक में प्रवेश कर रहा है और यहां ऐसे तकनीकी रूप से दक्ष कार्यबल की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निर्माण और परियोजना प्रबंधन कर सके। ईएससीआई के महानिदेशक डॉ.जी. रामेश्वर राव ने कहा कि यह सहयोग रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने में सहायक होगा। इस पहल के तहत उभरती तकनीकों, सतत निर्माण पद्धतियों, गुणवत्ता मानकों और आधुनिक निर्माण तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य हैदराबाद को वैश्विक शहरी एवं रियल एस्टेट हब के रूप में और मजबूत बनाना है। तेजी से बढ़ते निवेश और विस्तारशील शहरी ढांचे के बीच संगठन का मानना है कि मानव संसाधन विकास इस विकास गति को बनाए रखने और हैदराबाद को नवाचार एवं रियल एस्टेट के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मां की मौत के सदमे में ऑटो चालक ने दी जान

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली क्षेत्र में 27 वर्षीय एक ऑटो चालक ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

बताया जा रहा है कि वह अपनी मां की मौत के सदमे से उबर नहीं पा रहा था। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मार्कंडेय नगर निवासी कोमुरा रेड्डी के रूप में हुई है। करीब दो महीने पहले उसकी मां का निधन हो गया था, जिसके बाद से वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। परिवार के लोगों ने बताया कि मां की मौत के बाद उसे शराब पीने की भी लत लग गई थी।

बुधवार तड़के उसने अपने घर में कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मैलारदेवपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

खरीद लक्ष्य 1.70 लाख टन, किसानों का एक-एक दाना खरीदेगी सरकार : विवेक

> मंत्री ने आईकेपी धान खरीद केंद्र का दौरा किया

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने किसानों को आश्वस्त किया है कि तेलंगाना सरकार इस सीजन में किसानों से उपज का एक-एक दाना खरीदेगी और उन्हें भड़काकर आंदोलन कराने की किसी भी राजनीतिक कोशिश को सफल नहीं होने देगी। मंत्री ने बुधवार को मंचेरियल जिले के जयपुर मंडल स्थित टेकुमतला के आईकेपी धान खरीद केंद्र का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया और किसानों से सीधे बातचीत भी की। डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि इस बार फसल उत्पादन बेहद अच्छा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले सीजन में 1.10 लाख टन अनाज की खरीद की गई थी, जबकि इस वर्ष सरकार ने खरीद अवधि 6 जून तक बढ़ा दी है और 1.70 लाख टन तक खरीद का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जानकारी दी कि भंडारण की सुविधा के लिए पेद्दापल्ली में तीन गोदाम तैयार किए गए हैं। उन्होंने हमालियों और लॉरियों की कमी के कारण हुई मामूली देरी को स्वीकार करते हुए कहा कि इसे दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाए जा रहे हैं तथा अतिरिक्त वाहनों के लिए सिंगरेनी कोलियरीज से अनुरोध किया गया है। मंत्री ने बीआरएस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वे खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चलने के बावजूद जानबूझकर अशांति फैलाने और आंदोलन कराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा खारिज किए जाने के बाद बीआरएस नेता निराश हैं और किसानों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार किसी को भी कानून हाथ में लेने या राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगी तथा ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाल्का सुमन के कथित 100 करोड़ रुपये चुनाव खर्च के दावे का उल्लेख करते हुए मंत्री ने उनसे सार्वजनिक रूप से धन के स्रोत का खुलासा करने और तेलंगाना की जनता से माफी मांगने की मांग की। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने और निर्बाध खरीद सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बीआरएस सरकार से अधिक घर नहीं बनाया तो नहीं लड़ूंगा चुनाव : पोंगुलेटी

आवास मंत्री ने पूर्व मंत्री केटीआर को हाउसिंग पर दी खुली चुनौती

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) को आवास निर्माण को लेकर खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सरकार अगले ढाई वर्षों में हैदराबाद में बीआरएस सरकार के 10 वर्षों में बने मकानों से अधिक मकान नहीं बनाती है, तो वे आगामी विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में चुनाव नहीं लड़ेंगे।

साथ ही उन्होंने सवाल किया कि यदि कांग्रेस सरकार अधिक मकान बनाती है, तो क्या केटीआर भी विधानसभा चुनाव न लड़ने का संकल्प लेंगे? सचिवालय में बुधवार को आयोजित एक मीडिया ब्रीफिंग में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अपने सहयोगी मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर, मोहम्मद अजहरुद्दीन और विधायक नेता राजेन्द्र के साथ यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार उन गांवों में वोट मांगेगी जहां इंदिरम्मा आवास बनाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या केटीआर उन क्षेत्रों में वोट मांगने के लिए तैयार हैं जहां ये घर बनाए गए हैं? मंत्री ने बीआरएस नेताओं द्वारा आवास योजनाओं को लेकर की जा रही टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने घोषणा की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ओआरआर इनर क्षेत्र के क्योर एरिया में 1,00,000 इंदिरम्मा घरों की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने आगे बताया कि शहरी क्षेत्रों में तीसरे चरण में अतिरिक्त 1,00,000 घरों को मंजूरी दी जाएगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को इकाई मानकर निर्माण कार्य किया जा रहा है और कैबिनेट इस पर पहले ही निर्णय ले चुकी है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार व्यापक प्रक्रियाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 24 विधानसभा क्षेत्रों में साइट निरीक्षण शुरू हो चुके हैं और मात्र 12 दिनों में 39 से 40 स्थानों की पहचान की गई है। मंत्री ने कहा कि इंदिरम्मा घर, जो गरीबों के आत्मसम्मान का प्रतीक हैं, सरकारी जमीनों पर 1,000 वर्ग गज से लेकर 25 एकड़ तक में बनाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हैदराबाद और रंगारेड्डी जिलों में लगभग 40 साल पहले संयुक्त आंध्र प्रदेश में जी +2 प्रणाली के तहत बनाए गए घर अब जर्जर हो चुके हैं।

सरकार अब इन पुराने घरों के स्थान पर नए घर बनाकर गरीबों को सम्मानजनक जीवन देने का काम करेगी। इससे पहले दिन में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने हैदराबाद जिले का व्यापक दौरा किया।

उन्होंने जियागुड़ा पुलिस क्वार्टर, मंगर बस्ती, बॉम्बे कॉलोनी, नामपल्ली रेड हिल्स खाली स्थान, जर्जर पुलिस क्वार्टर, मल्कपेट, गोलकुंडा मंडल, फलकनुमा डबलबेड रूम भवनों और अन्य खाली क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जर्जर भवनों और खाली सरकारी भूमि पर आवास निर्माण योजनाओं को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने जर्जर भवनों में रह रहे परिवारों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

खड़े कंटेनर से टकराया ट्रक, चालक गंभीर घायल

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार तड़के एक तेज रफ्तार ट्रक खड़े कंटेनर से टकरा गया, जिससे ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में ट्रक चालक संपंगी नवीन, जो चिन्ना रवियाला गांव का निवासी है, ट्रक के क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गया। सूचना मिलने पर हयातनगर पुलिस और एम्बुलेंस कर्मचारी मौके पर पहुंचे और करीब एक घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद चालक को बाहर निकाला।

अधिकारियों ने बताया कि कटर की मदद से केबिन को काटकर नवीन को बाहर निकाला गया और गंभीर हालत में उसे पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा।

यातायात पुलिस ने वाहनों को सर्विस रोड की ओर मोड़कर स्थिति को सामान्य किया। हयातनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्यरत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारह साल विश्वास के, विकास के और जन कल्याण के पूर्ण होने के अवसर पर होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों हेतु प्रदेश टोली बैठक में भाग लेते हुए भाजपा तेलंगाना के संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर।

तुम्मिडिहट्टी बैराज की ऊंचाई पर चर्चा के लिए सीएम ने महाराष्ट्र सीएम को लिखा पत्र

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर तुम्मिडिहट्टी बैराज की ऊंचाई और निर्माण के अंतिम निर्धारण को लेकर वार्ता के लिए समय निर्धारित करने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव दिया है कि तेलंगाना सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल उनके नेतृत्व में इस विषय पर विस्तृत चर्चा के लिए महाराष्ट्र सरकार से मुलाकात करे। डॉ.बी.आर. अंबेडकर प्राणहिता चेवेला सुजल श्रवणथी परियोजना के तहत राज्य सरकार तुम्मिडिहट्टी में बैराज निर्माण की योजना पर काम कर रही है। प्रारंभिक रूप से बैराज की ऊंचाई 152 मीटर प्रस्तावित थी, जबकि 23 अगस्त 2016 को हुई अंतर-राज्यीय बोर्ड बैठक में महाराष्ट्र सरकार ने 148 मीटर की ऊंचाई पर सहमति जताई थी तथा आवश्यक मंजूरियों में सहयोग का आश्वासन दिया था।

हाल ही में शीर्ष अधिकारियों और सिंचाई विशेषज्ञों के साथ हुई बैठकों के बाद राज्य सरकार ने समीक्षा की, जिसमें यह निष्कर्ष निकला कि 148 मीटर का एफआरएल (फुल रिजर्वायर लेवल) उत्तरी तेलंगाना की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि तुम्मिडिहट्टी बैराज की ऊंचाई पर नए सिरे से चर्चा आवश्यक है, ताकि आदिलाबाद, निजामाबाद, करीमनगर और मेदक जिलों की सिंचाई एवं पेयजल जरूरतों को पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि यदि एफआरएल थोड़ा बढ़ाया जाता है तो महाराष्ट्र में जलमग्न क्षेत्र पर प्रभाव न्यूनतम रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि ऊंचाई बढ़ने से तेलंगाना में गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से पानी लाना अधिक आसान हो जाएगा।

बारिश से फसल नुकसान पर केटीआर ने सरकार से की किसानों की मदद की मांग

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेमौसम बारिश से किसानों को हुए नुकसान पर चिंता जताते हुए केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार से धान, मक्का और अन्य फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बिना किसी कटौती के खरीद करने की मांग की है। बुधवार को जारी बयान में केटी रामाराव ने कहा कि राज्य के कई जिलों, खासकर करीमनगर, महबूबनगर और नालगोंडा में किसानों को भारी नुकसान हुआ है। पिछले दो दिनों की बारिश में कटी हुई धान की फसल बह गई और कई जगह खरीद केंद्रों पर रखा अनाज भीग गया।

उन्होंने कहा कि किसान पहले से ही बिजली कटौती और खरीद केंद्रों की खराब व्यवस्था से परेशान हैं। सरकार की लापरवाही और खरीद में देरी के कारण किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। केटीआर ने बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं से प्रभावित बाजार यार्ड और खरीद केंद्रों का दौरा कर किसानों की मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता संकट की इस घड़ी में किसानों के साथ मजबूती से खड़े रहें। उन्होंने सरकार से मांग की कि भीगे हुए धान, मक्का और अन्य अनाज की एमएसपी पर तुरंत खरीद की जाए और नमी या अन्य कारणों का हवाला देकर कटौती न की जाए। इसके अलावा उन्होंने बाजार यार्डों में बिजली आपूर्ति बहाल करने, किसानों को तिरपाल उपलब्ध कराने और फसल नुकसान झेलने वाले किसानों को तत्काल मुआवजा देने की भी मांग की।

सीआईएसएफ दारोगा पर लगा नाबालिग लड़की को अगवा करने का आरोप, पूछताछ करने पर परिजनों को पीटा

बेतिया, 27 मई (एजेंसियां)। साठी थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता के पिता ने साठी थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी बेतिया के बानुछापर कृष्णा नगर में किराये के कमरे में रहकर पढ़ाई करती थी। कमरे से निकलने के दौरान धामू ठाकुर नामक युवक ने उसका अपहरण कर लिया।

जब उन्होंने अपनी बेटी से फोन पर बात की तो उसने बताया कि धामू ठाकुर उसे अगवा कर ले गया है। यह भी बताया गया है कि धामू ठाकुर सीआईएसफ में देहरादून में अवर निरीक्षक के पद पर तैनात है। वहीं, खोजबीन के दौरान आरोपित के परिजनों द्वारा लड़की के स्वजनों के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद

जेडीयू की पहली प्रतिक्रिया

'अब विपक्ष को बताना चाहिए कि एसआईआर से परहेज क्यों है?

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आज (बुधवार) बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट की ओर से कहा गया कि एसआईआर की प्रक्रिया में कोई खामी नहीं है। चुनाव आयोग ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया है। प्रक्रिया को गैर-संवैधानिक करार नहीं दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद अब नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है।

जेडीयू नेता राजीव रंजन ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर फैसला दे दिया है। अब विपक्ष को एसआईआर को लेकर सवाल खड़ा करने का काम बंद कर देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जनसंख्या में वृद्धि और पलायन इन दो वजहों से एसआईआर

बेहद महत्वपूर्ण है।

एसआईआर की प्रक्रिया पूरी सही दिशा में है और आगे भी ये जारी रहे। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि इस फैसले के बाद विपक्ष की बोलती बंद होनी चाहिए। उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करने से अब खुद को चुप रखना चाहिए। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने एसआईआर पर कहा, विपक्ष के जो नेता हैं एसआईआर को एक राजनीतिक मुद्दा बता रहे हैं, जनता का जनादेश एसआईआर पर हुआ चाहे वह बिहार हो या बंगाल... चुनाव आयोग पर लगातार राजनीतिक हमले हो रहे हैं।।

संवैधानिक संस्थाओं के दिशा-निर्देश पर राजनीतिक टिप्पणी की जा रही थी।।। तो एसआईआर एक सतत प्रक्रिया है... अब तो सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। अब विपक्ष को बताना चाहिए कि एसआईआर से परहेज क्यों है? एसआईर से मनभेद क्यों है?

अफजाल अंसारी और बेटी नुसरत के मामले की एक साथ सुनवाई

2 जुलाई को होगी अगली हियरिंग

प्रयागराज, 27 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट में सांसद अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत अंसारी की जब्त संपत्ति को रिलीज करने संबंधी याचिका की अगली सुनवाई दो जुलाई को होगी। कोर्ट ने आपराधिक अपीलों के साथ इस याचिका को संबद्ध कर दिया है। कहा है कि याचिका की सुनवाई अपीलों के साथ करना सही रहेगा। कोर्ट ने राज्य सरकार को अपील दाखिल करने में देरी के जवाबी हलफनामे पर प्रत्युत्तर हलफनामा दाखिल करने का समय दिया है। नुसरत अंसारी और अन्य की ओर से दाखिल याचिका में सीज की गई संपत्तियों को रिलीज करने की मांग की गई है।

याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय तथा न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह (प्रथम) की खंडपीठ ने की। कोर्ट ने कहा, यह मामला अफजाल अंसारी से जुड़ी अन्य लंबित आपराधिक अपीलों के साथ उचित पीठ के समक्ष दो जुलाई 2026 को पेश किया जाए। मुख्य न्यायमूर्ति को पीठ नामित करने के लिए पत्रावली भेजी जाए। खंडपीठ या एकलपीठ, याचिका के साथ अपीलों की सुनवाई करे।

सेवानिवृत्ति के 6 साल बाद पेंशन दोबारा तय करने पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की रोक

प्रयागराज, 27 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सेवानिवृत्ति के छह साल बाद मिल रही पेंशन दोबारा तय किए जाने संबंधी आदेश पर रोक लगा दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) झांसी से इस बात का व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर स्पष्टीकरण मांगा है कि 16 जनवरी 2007 के शासनादेश तथा सुप्रीम कोर्ट के सुशील कुमार सिंघल केस में दिए गए फैसले के विपरीत आदेश कैसे पारित किया है। प्रकरण में अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने कुंवर सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है।

याची की तरफ से अधिवक्ता बीएन सिंह राठौर ने बहस की। तीन और 10 दिसंबर 2025 के आदेशों से प्राप्त अंतिम वेतन के आधार पर दोबारा तय कर दिया था। याची के अधिवक्ता ने कहा कि 16 जनवरी 2007 के शासनादेश में स्पष्ट है कि रिटायरमेंट के 34 महीने से ज्यादा पहले हुई वेतन निर्धारण की गलती को सेवानिवृत्ति लाभ के लिए नहीं छेड़ा जा सकता।

इरफान सोलंकी के गनर पर मारपीट और पैसे छीनने का आरोप, केस दर्ज

कानपुर, 27 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में सीसामऊ से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक हाजी इरफान सोलंकी इन दिनों एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बकरा मंडी में उनके गनर पर मारपीट और पैसे छीनने का संगीन आरोप लगा है। जिसके बाद उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई है।

शिकायत के आधार पर चमनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही उनकी विधायक पत्नी के गनर उनके साथ होने पर भी

सवाल खड़े हो रहे हैं। फ़िलहाल विधायक के खिलाफ स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा देखने को मिल रहा है।

इबोला वायरस को लेकर वाराणसी में भी स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया है अलर्ट

वाराणसी, 27 मई (एजेंसियां)। इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा। राजेश प्रसाद ने बताया कि एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच के साथ-साथ विदेश से आने वाले लोगों की सख्त निगरानी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि वाराणसी एयरपोर्ट समेत पूरे जिले में विदेश से लौटने वाले यात्रियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इबोला प्रभावित देशों से आने वाले व्यक्तियों को 21 दिनों तक सेल्फ-मानिटरिंग अनिवार्य है। हमने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ जिलास्तरीय चिकित्सालय को निर्देश दे दिए हैं

कि संदिग्ध मरीज मिलने पर तुरंत आइसोलेशन और सैंपलिंग की व्यवस्था की जाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो और युगांडा में फैले बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के इबोला प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। यही वजह है कि डब्ल्यूएचओ ने पड़ोसी देशों को स्क्रीनिंग, संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी बढ़ाने की सलाह दी है। जिला स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट हेल्थ आफिसर को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से उतरने वाले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है।

अमेठी में स्मृति ईरानी की दस्तक

स्वागत और मुलाकातों से गरमाई सियासत

अमेठी, 27 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया दौरे के बाद अब पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के अमेठी पहुंचने से जिले की सियासत फिर चर्चा में आ गई है। बुधवार को जिले की सीमा पर पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।

कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए। स्मृति ईरानी मुसाफिरखाना में आयोजित कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से लगातार जनसंपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। उनके आगमन से भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। दौरे के दौरान वह सिंहपुर ब्लॉक क्षेत्र के पूरे ठकुराइन मजरे मत्तेपुर गांव भी पहुंचीं। यहां वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश तिवारी के भाई बृजेश तिवारी के निधन पर उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने परिवार को ढांढस बंधाया और कुछ समय तक परिजनों के बीच रहीं।

राजनीतिक गलियारों में स्मृति ईरानी के इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने अमेठी पहुंचकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। अब स्मृति ईरानी की सक्रियता को भाजपा की ओर से संगठन और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

बाप ने दूसरी पत्नी के साथ मिलकर बेटी को मार डाला

मेरठ, 27 मई (एजेंसियां)। मेरठ के भावनपुर थाना इलाके की गोकुलधाम सोसाइटी में पिता ने अपनी दूसरी पत्नी के साथ मिलकर 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली बेटी खुशी उर्फ खुशबू (17) की गला दबाकर हत्या कर दी। सुबह गुपचुप अंतिम संस्कार भी कर दिया। सूचना पर मंगलवार की दोपहर में हापुड़ से पहुंचे छात्रा के मामा भूपेंद्र शर्मा ने पिता कपिल भारद्वाज और सौतेली मां पिंकी पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने कपिल को गिरफ्तार कर लिया है। उसने पूछताछ में जुर्म कबूल लिया है। पुलिस को दी तहरीर में हापुड़ के पन्नापुरी निवासी भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि उनके परिजन ने उनकी बहन प्रीति का विवाह वर्ष 2009 में कपिल भारद्वाज से किया था। वर्ष 2017 में प्रीति की संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

उनके एक बेटी खुशी और बेटा राधे है। छह माह बाद ही कपिल ने पिंकी से दूसरा विवाह कर लिया। कपिल और पिंकी गोकुलधाम सोसाइटी में रहते हैं। भांजी खुशी और भांजा राधे अपने पिता के साथ रह रहे थे। दोपहर तीन बजे उन्हें किसी पड़ोसी ने सूचना दी कि उनकी भांजी की मौत हो गई है।

यूपी में आज से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ कई जिलों में आंधी और बारिश की चेतावनी

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। नौतपा की भीषण गर्मी और लू से झुलस रहे उत्तर प्रदेश को 28 मई से राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदलेगा। आंधी, गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई गई है। पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की गई है। इससे तापमान में अच्छी गिरावट के साथ ही तपिश से फौरी तौर पर राहत के आसार हैं मौसम विभाग के मुताबिक 28 और 29 मई को यूपी के कई जिलों में 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इस बीच बुधवार के लिए बांदा, आगरा, जालौन, हमीरपुर, महोबा और झांसी में लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में 28 और 29 मई के दौरान तेज हवाओं के साथ बारिश होने के संकेत हैं।

आंधी-बारिश से 29 मई को तापमान में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पुरवा हवाओं की तपिश और नमी के कारण उमस और गर्मी अधिक महसूस हो रही है। जल्द ही इससे थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

65 साल का बुजुर्ग कर रहा था साइबर ठगी पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवादा, 27 मई (एजेंसियां)। वारिसलीगंज थाना इलाके में साइबर ठगी मामले की जांच के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चकवाय गांव निवासी 65 वर्षीय विरेन्द्र सिंह को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उन्हें उस समय दबोचा, जब वह हथियार को गांव के बधार में छिपाने जा रहे थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार को जिले की साइबर थाना पुलिस ने विरेन्द्र सिंह के घर पर छापेमारी की थी। इस कार्रवाई में साइबर ठगी के धंधे में लिप्त तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था।

बताया जा रहा है कि पुलिस की छापेमारी के बाद विरेन्द्र सिंह को आशंका थी कि फिर से जांच हो सकती है। इसी डर से वह हथियार को गांव के बधार में छिपाने के लिए ले जा रहे थे। इसकी गुप्त सूचना पुलिस को मिल गई। सूचना मिलते ही वारिसलीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और विरेन्द्र सिंह को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया।

बीजेपी के गढ़ को क्यों तोड़ना चाहते हैं प्रशांत किशोर?

'जिस जंगलराज की आप बात कर रहे थे वो तो लोगों को सामने दिख रहा है'

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। बांकीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव में जीत के लिए जन सुराज की ओर से तैयारी की जा रही है। यह सीट बीजेपी की है। नितिन नवीन 2025 के चुनाव में जीते थे लेकिन राज्यसभा जाने के बाद यह सीट अब खाली हो गई है। उपचुनाव होना है। इस बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बताया है कि क्यों उनकी पार्टी (जन सुराज) यह सीट जीतना चाहती है। प्रशांत किशोर सीतामढ़ी में थे तो उनसे पत्रकारों ने सवाल किया कि बांकीपुर सीट बीजेपी का गढ़ माना जाता है और आपने कहा है कि इस गढ़ को इस बार तोड़ दिया जाएगा। इस पर प्रशांत किशोर ने कहा, गढ़ को इस बार इसलिए तोड़ा जाएगा क्योंकि बिहार में बीजेपी ने जिस तरह के निर्णय लिए हैं और जनता के साथ जिस तरह का छल हुआ पिछले 6-8 महीनों में वो जनता को दिख रहा है। उन्होंने कहा कि 10 हजार देकर आपने वोट लिए, बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन यहां के लोगों के जीवन में तो कोई फर्क नहीं आया। बांकीपुर के जो विधायक थे वो बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हो गए, बीजेपी का आदमी मुख्यमंत्री बन गया, लेकिन बांकीपुर या बिहार के लोगों की जिंदगी में तो कोई फर्क नहीं आया। यहां शिक्षा-व्यवस्था में सुधार का कोई लक्षण नहीं दिख रहा है। पीके ने कहा कि एक करोड़ रोजगार की बात कही गई थी तो छह महीने में कम से कम 10 लाख रोजगार तो मिलना चाहिए था।

नेउरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, स्कॉर्पियो से 393 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नेउरा थाना पुलिस को मंगलवार देर रात बड़ी सफलता मिली। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने एक स्कॉर्पियो वाहन से 392 I97 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुड्डु कुमार और प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। दोनों आरोपी दानापुर थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, नेउरा थाना क्षेत्र स्थित ईस्ट एंड वेस्ट स्कूल के पास वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध स्कॉर्पियो की तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

मऊ में विधायक अब्बास अंसारी की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी निलंबित, एसपी के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई

मऊ, 27 मई (एजेंसियां)। जिले के सदर विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। हाल के दिनों में उनके विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण को लेकर उठे विवाद और गाजीपुर पुलिस की उनके पैतृक आवास पर पहुंची टीम के बाद अब उनकी सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आ गई है। इसी क्रम में विधायक की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी को लापरवाही और विभागीय अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

ख़बर के मुताबिक सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी के मऊ आगमन और भ्रमण को लेकर

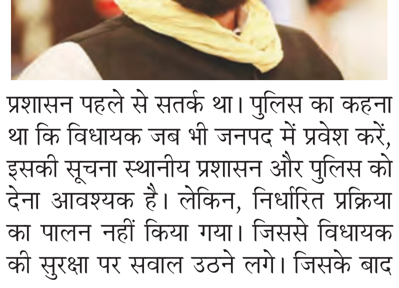

प्रशासन पहले से सतर्क था। पुलिस का कहना था कि विधायक जब भी जनपद में प्रवेश करें, इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन और पुलिस को देना आवश्यक है। लेकिन, निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। जिससे विधायक की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे। जिसके बाद अब इस संबंध में रिपोर्ट न्यायालय को भी भेजी गई है तथा विधायक के भ्रमण से जुड़े नियमों को लेकर विधिक राय भी मांगी गई है। इसी बीच पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने विधायक की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी उपेंद्र कुमार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

मामले की जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बताया कि विधायक की सुरक्षा के लिए एक गनर की तैनाती की गई थी। लेकिन, जांच में सामने आया कि संबंधित पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान बिना अनुमति गैर जनपद चला गया था और विभाग को इसकी सूचना भी नहीं दी गई।

दरभंगा के धनकुबेर बीडीओ के घर ईओयू की छापेमारी

आवास, ऑफिस से लेकर ससुराल तक कार्रवाई

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। केवटी प्रखंड के बीडीओ चंद्रमोहन पासवान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बुधवार सुबह बड़ी कार्रवाई शुरू की। आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने उनके छह अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की है। केवटी मुख्यालय परिसर के पीछे स्थित सरकारी आवास, दरभंगा जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र स्थित निजी आवास, मधुबनी जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र स्थित पैतृक घर तथा सीतामढ़ी स्थित ससुराल समेत अन्य स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है। बीडीओ कार्यालय खोलकर शुरू हुई जांच केवटी प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित बीडीओ चंद्रमोहन पासवान के कार्यालय को खुलवाकर आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने जांच शुरू कर दी है।

दो अधिकारी अपने कर्मियों के साथ कार्यालय के अंदर पहुंचे और विभिन्न कमरों में रखे पंजी, फाइलों तथा आलमारी की सघन जांच

शुरू कर दी। सुबह करीब साढ़े दस बजे प्रधान लिपिक के कार्यालय पहुंचने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर टीम ने दस्तावेजों की विस्तृत जांच शुरू की।

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप बिहार पुलिस मुख्यालय के आर्थिक अपराध इकाई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सत्यापन के दौरान बीडीओ चंद्रमोहन पासवान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला सामने आया। प्रारंभिक जांच में उनके पास 89 लाख 13 हजार 500 रुपये की आय से अधिक संपत्ति होने का प्रथम दृष्टया साक्ष्य मिला है, जो उनकी ज्ञात आय से लगभग 81.03 प्रतिशत अधिक बताई गई है। बताया जा रहा है कि आर्थिक अपराध इकाई के डीएसपी राजन कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की कार्रवाई चल रही है।

केवटी मुख्यालय परिसर के पीछे स्थित सरकारी आवास के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा के बीच टीम दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की जांच कर रही है। ईओयू की अलग-अलग टीमें दरभंगा, मधुबनी और सीतामढ़ी में एक साथ कार्रवाई कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

'अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर सुखा देगी

कपड़े सुखाने वाले बयान पर अखिलेश का पलटवार

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। सीएम योगी के कपड़े सुखाने वाले बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर सुखा देगी। बता दें कि एक दिन पहले सीएम योगी ने बयान दिया था कि वो लोग बिजली संकट की बातें करते हैं, जिनकी सरकार में बिजली आती ही नहीं थी। जनता बिजली के तारों पर कपड़े सुखाया करती थी।

अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री की हालिया समीक्षा बैठकों पर चुटकी लेते हुए लिखा, यह स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री जी की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री जी आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। उन्होंने आगे तंज कसते हुए कहा कि अगर ऊर्जा मंत्री बैठक में आते हैं, तो माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि उनके 'कंधे पर हाथ रखकर' एक तस्वीर पोस्ट कर दें।

जनता को कम से कम उनकी 'आपसी गर्मी' से ही राहत मिल जाएगी, क्योंकि जनता ने इन दोनों को कभी एकांत में साथ नहीं देखा है। सपा सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री को 'असफल मुख्यमंत्री' बताते हुए कहा, शुक्र है मुख्यमंत्री जी ने यह नहीं कहा कि इस 'महा विद्युत आपदा' के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साज़िश है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भाजपा के ही सांसदों और विधायकों द्वारा बिजली संकट को लेकर अपनी सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों को लिखे गए पत्रों पर भी अखिलेश यादव ने तीखा प्रहार किया।

उन्होंने लिखा कि भाजपा राज में हालत यह है कि बिजली के सब-स्टेशनों पर पीएसी लगानी पड़ रही है। वहीं, भाजपा के विधायक और सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखकर जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम कर रहे हैं यूपी विधानसभा चुनाव 2027 का जिक्र करते हुए सपा मुखिया ने दावा किया कि प्रदेश की जनता बिजली कटौती और सरकार के कुप्रबंधन से बेहद त्रस्त है।

अगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी।

आईपीएस अधिकारी की 16 वर्षीय बेटी ने किया सुसाइड! पुलिस मोबाइल से खंगाल रही मौत की वजह

भोपाल, 27 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक आईपीएस अधिकारी की 16 वर्षीय बेटी ने खुदकुशी कर ली। यह दिल दहला देने वाला हबीबगंज थाने क्षेत्र में चार इमली स्थित सरकारी बंगले का है, जहां नाबालिग ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम को वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में बच्ची ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह सामने नहीं आ सकी है। फिलहाल, पुलिस ने मृतक लड़की का मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने आखिरी बात किससे की थी या फिर मैसेज आदि में ऐसी कोई वजह मिले जिसकी वजह से लड़की यह कदम उठा सकती है।

बता दें, मृतक नाबालिग लड़की के आईपीएस अधिकारी पिता पुलिस हेडक्वॉर्टर्स (पुलिस मुख्यालय) में असिस्टेंट इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एआईजी) पद पर पोस्टेड हैं। लड़की की मां रजिस्ट्रार गैस राहत के पद पर हैं।

'पत्नी को ससुराल में सामंजस्य की नसीहत क्रूरता नहीं'

अदालत ने दहेज और 498-ए मामले में दी राहत

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में महिला के ससुराल वालों के खिलाफ घरेलू क्रूरता और दहेज उत्पीड़न के मामले रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को 'समायोजित' करने के लिए कहने मात्र से उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। सामान्य और अस्पष्ट आरोप अभियोजन जारी रखने का आधार नहीं बन सकते। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति नोंगमीकापम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह फैसला सुनाया। पीठ ने शिकायतकर्ता के ससुराल वालों द्वारा दायर अपील को स्वीकार कर लिया।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ के आदेश को रद्द कर दिया गया। उच्च न्यायालय ने ससुराल वालों के खिलाफ कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपराधिक कानून का उपयोग व्यक्तिगत शिकायतों को निपटाने के लिए नहीं किया जा सकता। आरोपों में कानूनी रूप से टिकाऊ आधार होना आवश्यक है।

अदालत ने कहा कि ससुराल वालों के खिलाफ आरोप सामान्य और व्युत्पन्न प्रकृति के थे। शिकायत में किसी विशिष्ट या प्रत्यक्ष कृत्य का खुलासा नहीं हुआ। जो घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत दुर्व्यवहार का गठन करता हो।

आरोप मुख्य रूप से यह थे कि उन्होंने पति का समर्थन किया। उन्होंने वैवाहिक विवाद में हस्तक्षेप नहीं किया या शिकायतकर्ता को स्थिति के अनुसार ढलने को कहा। ऐसे व्यापक आरोप कार्यवाही जारी रखने का औचित्य नहीं ठहराते। यह मामला नवंबर 2019 में हुई शादी के बाद के वैवाहिक विवाद से जुड़ा है।

शिकायतकर्ता ने जनवरी 2023 में गुना, मध्य प्रदेश में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें पति और उसके रिश्तेदारों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए और दहेज निषेध अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। महिला ने शादी के समय पर्याप्त दहेज देने का आरोप लगाया था। बाद में उसे उत्पीड़न और अतिरिक्त पैसे की मांग का सामना करना पड़ा। उसने घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत भी कार्रवाई शुरू की थी। मानसिक उत्पीड़न, छिपे हुए कैमरों से निगरानी और आवाजाही पर प्रतिबंध के आरोप थे। लाइसेंसशुदा हथियार से धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने प्राथमिकी या घरेलू हिंसा कार्रवाई रद्द करने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया आरोप मौजूद हैं। इसके बाद ससुराल वाले सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। न्यायमूर्ति कोटिश्वर सिंह द्वारा लिखित फैसले ने उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि अपीलकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग थी। शिकायतकर्ता प्रत्येक आरोपी के खिलाफ विशिष्ट कृत्य बताने में विफल रही। यह उसके मामले के लिए घातक साबित हुआ। वैवाहिक विवादों से उत्पन्न अभियोजन में आरोप विशिष्ट होने चाहिए।

इंसानियत शर्मसार।।। बेबस पत्नी ने पति के शव को कंबल से ढककर लगाई आग

वडोदरा, 27 मई (एजेंसियां)। शहर के वाघोडिया रोड इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। महेश राठोडिया नाम के एक अधेड़ व्यक्ति की अत्यधिक गर्मी और शराब की लत के कारण मौत हो गई। वह वाघोडिया रोड पर डी-मार्ट के पीछे एक खाली प्लॉट में बनी झोपड़ी में रहता था और कबाड़ बेचकर गुजारा करता था। मूल रूप से डभोई के बहरामपुरा गांव का रहने वाला महेश कई साल पहले जशोदाबेन से शादी कर चुका था। पति की मौत के बाद पत्नी जशोदाबेन ने उनके रिश्तेदारों को इस बारे में सूचना दी।

वे पूरे दिन और देर रात तक रिश्तेदारों का इंतजार करते रहे, लेकिन कोई नहीं आया। गर्मी के कारण शव सड़ने लगा था और उसमें से असहनीय दुर्गंध आने लगी थी। साथ ही, शव के मुंह से कीड़े निकलने लगे थे। यह भयानक दृश्य देखकर बेबस पत्नी बुरी तरह डर गई। कोई और चारा न देखकर, आखिरकार उसने किसी से सलाह लिए बिना ही, झोपड़ी के सामने अपने पति के शव पर एक कंबल डाला और उसे आग लगा दी। अगली सुबह जब मृतक की मां लक्ष्मीबेन और उनकी भतीजी विद्या समेत कुछ रिश्तेदार मौके पर पहुंचे तो वहां का दृश्य देख दंग रह गए।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में सोने और हीरे के आभूषण गायब, गृह सचिव को दी गई रिपोर्ट

तिरुवनंतपुरम, 27 मई (एजेंसियां)। केरल से एक बड़ा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है। राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में सोना और हीरे के आभूषणों की कथित गुमशुदगी के मामले ने सभी को चौंका दिया है। इस मामले में पुलिस की रिपोर्ट सामने आई है जिसमें मंदिर की अमूल्य संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। केरल के डी.जी.पी. की ओर से गृह सचिव को रिपोर्ट दी गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर की सूची से लगभग 78 ग्राम सोने के आभूषण और और हीरे जड़ा आभूषण 'वैरयम नामा' गायब बताए जा रहे हैं।

राज्य पुलिस प्रमुख ने गृह सचिव को इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई गई है। मंदिर के दस्तावेजों से जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार 'वैरयम नामा' को कई महीने पहले मरम्मत के लिए मंदिर से बाहर निकाला गया था। हालांकि, ये अब तक वापस नहीं आया। इसी तरह, छह महीने पहले मरम्मत के लिए मंदिर से निकाला गया सोने का दीपक भी अब तक लौटाया नहीं गया है। डी.जी.पी. की ओर से गृह सचिव को सौंपी गई रिपोर्ट में सभी सोने-चांदी की वस्तुओं को सुरक्षित कक्षों में स्थानांतरित करने की सिफारिश करने के साथ-साथ भक्तों की भेंट को भी लॉकर्स में रखने की सिफारिश की गई है। इसके साथ ही मंदिर परिसर में सख्त सुरक्षा जांच और बिना जांच के किसी को भी प्रवेश न देने का आदेश दिए जाने की बात कही गई है।

केरल टूरिज्म के मुताबिक, श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। इसे दुनिया के सबसे धनी मंदिरों में गिना जाता है। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर का इतिहास 8वीं सदी से मिलता है। श्री पद्मनाभस्वामी को भगवान विष्णु के 108 पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है जिसे भारत का दिव्य देसम भी कहा जाता है। इस मंदिर को एक ट्रस्ट के द्वारा संचालित किया जाता है जिसका नेतृत्व त्रावणकोर के पूर्ववर्ती राज परिवार करता है।

किसान नेता सुख गिल मोगा को पटियाला हाउस कोर्ट से मिली जमानत 19 दिनों बाद तिहाड़ जेल से हुए रिहा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से किसान नेता सुख गिल मोगा को जमानत मिल गई है। करीब 19 दिनों बाद वह तिहाड़ जेल से रिहा होकर बाहर आए। बुधवार रात लगभग 11 बजे जेल से बाहर आने पर उनके समर्थकों और साथियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जानकारी के अनुसार, 7 मई 2026 को कौमी इंसान मोर्चा मोहाली के आह्वान पर सुख गिल मोगा अपने साथियों- दलजीत सिंह सरपंच, रणजीत सिंह, चंदनदीप महिता और गुरचरण सिंह के साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब से जंतर-मंतर तक निकाले जाने वाले विरोध मार्च में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया था।

बाद में पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सुख गिल मोगा को तिहाड़ जेल भेज दिया था। अब करीब 19 दिन बाद उन्हें जमानत मिलने के बाद रिहा कर दिया गया है। सुख गिल मोगा की रिहाई के बाद किसान संगठनों और समर्थकों में खुशी का माहौल है। नेताओं का कहना है कि लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

कच्छ में गुजरात एटीएस को मिली बड़ी कामयाबी

115 किलोग्राम कोकीन के साथ 1 संदिग्ध गिरफ्तार

कच्छ, 27 मई (एजेंसियां)। भारत में अरब सागर के रास्ते घुसाई जा रही सैकड़ों करोड़ों की कोकीन की खेप को गुजरात एटीएस और इंडियन कोस्ट गार्ड ने बड़ा एक्शन लेते हुए पकड़ लिया है। दरअसल, मुंद्रा पोर्ट के पास समंदर में चलाए गए सर्च ऑपरेशन में लगभग 500 करोड़ रुपये की 115 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई, जबकि एक विदेशी नागरिक को अरेस्ट कर इंटरनेशनल ड्रग्स नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है।

गुजरात एटीएस की तरफ से शेयर की गई खुफिया जानकारी के आधार पर, एटीएस के कर्मियों से लैस इंडियन कोस्ट गार्ड इंटरसेप्टर नौकाओं ने मुंद्रा पोर्ट क्षेत्र में एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान, मुंद्रा से करीब पांच समुद्री मील दूर लंगर डाले हुए एक कंटेनर पोत पर संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसमें कुछ बैग समंदर में फेंके जाते हुए दिखाई दिए।

इसके बाद, इंडियन कोस्ट गार्ड और एटीएस की जॉइंट टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और रात के दौरान बेहद कम दृश्यता वाले चुनौतीपूर्ण हालात में समुद्र से 5 बैग कामयाबी से बरामद कर लिए। फिर, उनकी जांच करने पर थैलियों में सफेद पाउडर जैसे पदार्थ के पैकेट मिले, जिनकी जांच में उनके कोकीन होने की पुष्टि हुई। इस ऑपरेशन के दौरान करीब 1 किलोग्राम वजन के कुल 115 पैकेट जब्त किए गए, जिनका कुल वजन करीब 115 किलोग्राम था।

आकलन के मुताबिक, जब्त की गई ड्रग का अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 500 करोड़ रुपये है। इसके बाद, आगे की जांच के लिए कंटेनर पोत को पोर्ट पर लाया गया है। आईसीजी, एटीएस गुजरात और अन्य संबंधित एजेंसियों ने इस मामले की संयुक्त जांच शुरू कर दी है। एजेंसी ने कहा है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

'नमाज सड़कों पर नहीं पढ़नी चाहिए', बकरीद पर दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां की अपील

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने कहा कि किसी भी धर्म में इबादत या पूजा ऐसी जगह पर नहीं होनी चाहिए जिससे लोगों को परेशानी हो। नमाज अदा करने के लिए मस्जिद और अन्य स्थान निर्धारित हैं, तो इसलिए नमाज सड़कों पर नहीं पढ़नी चाहिए और कानून-व्यवस्था बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि आस्था का पूरा सम्मान है लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था भी बनी रहनी चाहिए। मैं सभी से आग्रह करती हूं कि सड़कों पर नमाज पढ़ने से बचें। कुर्बानी के विषय में मैं कहूंगी कि सरकार द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करें।

बकरीद पर कुर्बानी विवाद, भाजपा नेता ने दी एक्शन की चेतावनी; पुलिस भी पहुंची

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बकरीद के त्योहार से पहले कुर्बानी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मुंबई के घाटकोपर पश्चिम में बुधवार को कुर्बानी के लिए लाए गए बकरों को लेकर तनाव की स्थिति बन गई। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने सागर पार्क सोसाइटी का दौरा कर रिहायशी इलाकों में बकरों को बांधे जाने और कुर्बानी की संभावना पर चिंता जताई। किरीट सोमैया ने कहा कि कुर्बानी निश्चित रूप से होगी और होनी भी चाहिए, लेकिन यह केवल नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी को भी धर्म की आड़ में धार्मिक माफियागिरी फैलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि रिहायशी इलाकों के अंदर कुर्बानी नहीं दी जानी चाहिए।

भाजपा नेता ने कहा कि लोग अपने धर्म का पालन कर रहे हैं, लेकिन नियमों और अनुशासन को बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने पहले ही नगर निगम के अधिकारियों और आयुक्त को उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। सोमैया ने चेतावनी दी कि अगर किसी भी हाउसिंग सोसाइटी के अंदर बकरी बांधी जाती है, तो नगर आयुक्त को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने पुलिस की भूमिका पर भी जोर दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी नियम का उल्लंघन न हो। किरीट सोमैया ने सवाल उठाया कि बकरी सोसाइटी में कैसे पहुंची और उसे वहां रखने की अनुमति कैसे दी गई।

उन्होंने कहा कि ऐसी ही स्थिति कल मीरा-भयंदर में भी देखी गई थी। उन्होंने कहा कि यह क्षत्रपति शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र है। यहां ऐसी कोई माफियागिरी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि सोसाइटी का चेयरमैन कोई मुस्लिम माफिया बन जाए, तो उसे कुर्बानी के लिए इजाजत देने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि हाउसिंग सोसाइटी का चेयरमैन उस इमारत की देखभाल और मरम्मत के लिए हो। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और जो नहीं मानेगा, उसे ठिकाने पर लाया जाएगा।

पोते के लिए मेरी जिंदगी बरबाद कीः पूर्व जत्थेदार रणजीत काहलों पर एनआरआई बहू का सनसनीखेज आरोप, मांगा इंसाफ

जालंधर, 27 मई (एजेंसियां)। जालंधर में पूर्व जत्थेदार और एसजीपीसी सदस्य रणजीत सिंह काहलों पर उनकी एनआरआई बहू रघुबीर कौर ने गंभीर आरोप लगाए हैं। जालंधर में प्रेस वार्ता के दौरान रघुबीर कौर ने आरोप लगाया कि दो बेटियां होने के कारण उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और वंश चलाने के लिए बेटे का दबाव बनाया गया। महिला ने दावा किया कि उनके ससुर ने उनके पति को दूसरी शादी के लिए उकसाया ताकि परिवार को पोता मिल सके।

इतना ही नहीं, उन्होंने अपने ससुर पर मानसिक उत्पीड़न और अनुचित संबंध बनाने के लिए दबाव डालने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए। रघुबीर कौर के अनुसार, उन्हें मेंटली अनस्टेबल साबित करने की साजिश रची गई और आखिरकार उन्हें घर से अलग कर दिया गया। महिला ने कहा कि वह इंसाफ के लिए लगातार संघर्ष कर रही हैं और अब इस मामले को अकाल तख्त साहिब के समक्ष भी रखेंगी।

यूएपीए के आरोपी को बहन की शादी में शामिल होने के लिए जमानत से इन्कार

कोर्ट बोला- छोटा भाई निभाए रस्में

जम्मू, 27 मई (एजेंसियां)। एनआईए मामलों की अदालत के स्पेशल जज ने एक यूएपीए आरोपी को श्रीनगर में अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए जमानत से इन्कार कर दिया। आरोपी वहीद-उल-जहूर की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पेशल जज प्रेमसागर ने कहा कि मामला सुरक्षा का हो तो आरोपी को निजी आधार पर अंतरिम जमानत नहीं दी जा सकती।

आरोपी इस वक्त जिला जेल अंबफला में बंद है। उस पर एनआईए, यूएपीए, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज हैं। याचिकाकर्ता ने 14 और 15 अगस्त को बहन की शादी का हवाला देते हुए पारिवारिक रस्में निभाने के लिए अपनी मौजूदगी को सामाजिक, नैतिक और धार्मिक रूप से जरूरी बताया था। आरोपी के वकील ने दलील दी थी कि वह अपनी आजादी का गलत इस्तेमाल नहीं करेगा और कोर्ट की लगाई हर शर्त का पालन करेगा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने याचिका का विरोध किया। एजेंसी ने विशेष लोक अभियोजक जीएस चाड़क, लोक अभियोजक चंदन कुमार सिंह और अश्वनी वर्मा तथा मुख्य जांच अधिकारी डीएसपी सुधांशु राणा की ओर से दायर आपत्तियां पेश कीं।

उन्होंने उन जेल रिपोर्टों का हवाला दिया, जिनमें आरोपी के जेल के अंदर दुर्व्यवहार की बातें शामिल थीं। उस पर कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब करने, कैदियों को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने, गंदी भाषा का इस्तेमाल करने, जेल प्रशासन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों और जेल कर्मचारियों के साथ हाथापाई के आरोप हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव 5 कोचों की खिड़कियों के कांच फूटे; बाल-बाल बचे यात्री

उज्जैन, 27 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। वंदे भारत ट्रेन पर उज्जैन रेलवे स्टेशन से 200 मीटर दूर गदा पुलिया के समीप पथराव हुआ। अज्ञात आरोपियों ने ट्रेन पर पत्थर फेंके, जिससे पांच कोच की खिड़कियों के कांच फूट गए। गनीमत रही कि इस दौरान ट्रेन में सवार यात्रियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। रेल प्रशासन घटना के बाद सकते में आ गया। उज्जैन में इस तरह वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किए जाने की पहली बड़ी घटना है। बताया जा रहा है कि इटारसी और भोपाल होते हुए उज्जैन पहुंची वंदे भारत ट्रेन जब इंदौर जा रही थी, तभी करीब 7:30 बजे गदा पुलिया से नीलगंगा रेलवे ट्रैक के बीच पथराव हुआ। एक के बाद एक पांच कोच की खिड़की के कांच इससे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद जब ट्रेन उज्जैन रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो इस बारे में पुलिस को पता चला। हालांकि, ट्रेन रोकी नहीं गई, निर्धारित समय से वापस निकल गई। इस दौरान रेलवे पुलिस ने जिन कोचों में नुकसान हुआ,

'यमुना बाढ़ क्षेत्र के 'जोन ओ' में अवैध कॉलोनियां अस्वीकार्य', दिल्ली हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। यमुना बाढ़ क्षेत्र में अतिक्रमण से जुड़े मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की है कि दिल्ली के यमुना बाढ़ क्षेत्र में स्थित 'जोन ओ' के अंतर्गत आने वाली आवासीय कॉलोनियां पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। कोर्ट ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में जारी अवैध निर्माण पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि नए अनधिकृत निर्माणों की अनुमति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट है कि एमसीडी के इंजीनियरों की देखरेख में ही जोन 'ओ' में यह नया अनधिकृत निर्माण किया जा रहा है। कोर्ट ने ओ जोन में आने वाले क्षेत्रों के संबंधित कार्यकारी इंजीनियरों के नाम अगली सुनवाई में अदालत के समक्ष रखने का निर्देश दिया।

साथ ही कार्यकारी इंजीनियर को भी अगली सुनवाई में उपस्थित रहने का आदेश दिया। कोर्ट ने उक्त निर्देश यमुना बाढ़क्षेत्र के जोन 'ओ' में व्याप्त अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण से संबंधित एक मामले पर सुनवाई करते हुए दिया। साथ ही कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि इस क्षेत्र में स्थित 91 अनधिकृत कॉलोनियों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली कानून (विशेष प्रविधान) द्वितीय अधिनियम, 2011 के तहत 31 दिसंबर 2026 तक दंडात्मक कार्रवाई से अस्थायी सुरक्षा प्राप्त है।

सबूत खराब, गवाह गायब

37 साल से फरार महाराष्ट्र के दंपति को कोर्ट ने किया बरी, कहा- मुकदमा चलाना अब बेकार

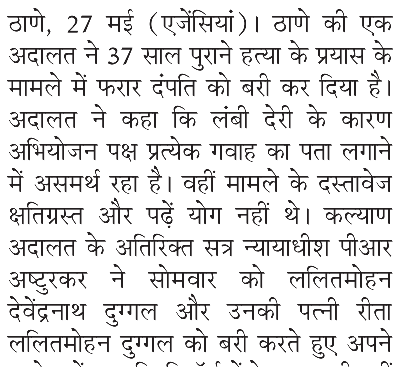

ठाणे, 27 मई (एजेंसियां)। ठाणे की एक अदालत ने 37 साल पुराने हत्या के प्रयास के मामले में फरार दंपति को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि लंबी देरी के कारण अभियोजन पक्ष प्रत्येक गवाह का पता लगाने में असमर्थ रहा है। वहीं मामले के दस्तावेज क्षतिग्रस्त और पढ़ें योग नहीं थे। कल्याण अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पीआर अष्टुरकर ने सोमवार को ललितमोहन देवेंद्रनाथ दुग्गल और उनकी पत्नी रीता ललितमोहन दुग्गल को बरी करते हुए अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो दूर-दूर तक इस मामले में आरोपियों की संलिप्तता और सक्रिय भागीदारी का संकेत देता हो। दरअसल, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर में 6 अप्रैल, 1989 को कचरा निपटान को लेकर हुए विवाद के बाद अपने पड़ोसी पर तेजाब से हमला करने के आरोप में दंपति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह मामला 1996 में जिला न्यायालय से कल्याण सत्र न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया था और लगभग तीन दशकों तक लंबित रहा क्योंकि आरोपी जमानत तोड़कर फरार हो गया था।

पुराने मामलों को प्राथमिकता देने के उच्च न्यायालय के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए सत्र न्यायालय ने हाल ही में फरार दंपति के खिलाफ एक घोषणा प्रकाशित की। वहीं, 25 मई को अपना अंतिम फैसला सुनाने से पहले सीआरपीसी की धारा 299 (फरार आरोपी की अनुपस्थिति में साक्ष्य दर्ज करने की अनुमति देने वाली धारा) के तहत औपचारिक पुलिस गवाही दर्ज की। न्यायाधीश ने टिप्पणी की 'यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि घटना घटने के लगभग 37 साल बीत जाने के कारण अभियोजन पक्ष हर गवाह का पता खो बैठा होगा। इसके साथ ही, रिकॉर्ड बहुत पुराना होने के कारण उसके पन्नों को संभालना भी बहुत मुश्किल है। सभी दस्तावेज फटे हुए हैं और उन्हें पढ़ा भी नहीं जा सकता।'

15 घंटे का 'महाऑपरेशन' सफल, भारतीय सेना, वायुसेना और प्रशासन ने कसौली के जंगलों की आग पर पाया काबू

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कसौली क्षेत्र में जंगलों में लगी भीषण आग पर भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से आखिरकार काबू पा लिया गया। करीब 15 घंटे तक चले लगातार रात्रिकालीन और दिनभर के अभियान के दौरान सेना के जवानों ने दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों में मोर्चा संभालते हुए आग को संवेदनशील क्षेत्रों तक फैलने से रोक दिया। जानकारी के अनुसार 26 मई की दोपहर करीब तीन बजे कसौली के पश्चिमी ढलानों पर स्थित गिल्बर्ट ट्रेल और अपर मॉल क्षेत्र में आग भड़क उठी थी। आग तेजी से जंगलों में फैलने लगी, जिसके बाद भारतीय सेना की कसौली ब्रिगेड ने तुरंत राहत और अग्निशमन अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने चंडीगढ़ की सुखना झील से पानी भरकर कई "बम्बी बकेट" सॉर्टीज़ कीं। हेलीकॉप्टरों के जरिए लगातार हवाई अग्निशमन अभियान चलाया गया, जबकि जमीन पर सेना के जवान, फायर टेंडर और जल वाहन आग बुझाने में जुटे रहे। संयुक्त प्रयासों के चलते गिल्बर्ट हिल और अपर मॉल सहित प्रमुख प्रभावित क्षेत्रों में आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया।

गाय संरक्षण को लेकर योगी आदित्यनाथ की सरकार फेलः स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

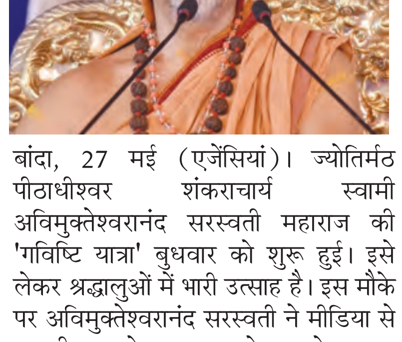

बांदा, 27 मई (एजेंसियां)। ज्योतिर्मठ पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की 'गविष्टि यात्रा' बुधवार को शुरू हुई। इसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। इस मौके पर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मीडिया से बातचीत करते हुए गाय को पशु के बजाय 'माता' घोषित करने की मांग एक बार फिर दोहराई। इसके साथ ही उन्होंने गाय संरक्षण को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में आत्महत्याएं प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण होने वाली जबरन हत्याओं जैसी हैं। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, बांदा से शुरू हुई 'गविष्टि यात्रा' गौ माता की रक्षा और सम्मान के लिए निकाली गई है। यात्रा को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। हम जहां भी जा रहे हैं, जिसे भी इसके बारे में पता चलता है, वह इसमें शामिल होने के लिए दौड़ पड़ता है और केवल एक ही संकल्प व्यक्त करता है कि हम किसी भी परिस्थिति में गाय को जानवर नहीं मानेंगे। गाय हमारी माता है। सरकारों ने लंबे समय से गाय को पशु घोषित कर रखा है, जो उचित नहीं है। हम चाहते हैं कि गाय को पशुओं की सूची से हटाकर माता का दर्जा दिया जाए। शंकराचार्य ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग भी गाय को माता मानने को तैयार हैं। उनका कहना था कि मुस्लिम समाज अब खुलकर कह रहा है कि अगर गाय को माता का दर्जा दिया जाता है तो उन्हें कोई ऐतराज नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि अन्य राजनीतिक दल भी इस मुद्दे का विरोध नहीं कर रहे हैं। इसके बावजूद वर्तमान सरकार गाय को माता का दर्जा नहीं दे रही है। शंकराचार्य ने कहा कि योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ से जुड़े रहे हैं, इसलिए उनसे गाय की रक्षा को लेकर काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह इस दिशा में सफल नहीं हो पाए। उन्होंने कहा, मैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस मामले में फेल कहूंगा, क्योंकि जिस व्यक्ति से जिस बात की सबसे अधिक आशा होती है, उसे सबसे पहले वही काम पूरा करना चाहिए।

इजराइली इतिहासकार बोले- नेतन्याहू राष्ट्रवाद के सबसे बड़े दुश्मन

ट्रम्प चाहते हैं कि दुनिया घुटने टेके, इस तानाशाही से दुनिया पीछे जा रही

तेल अवीव, 27 मई (एजेंसियां)। चर्चित इतिहासकार युवाल नोआ हरारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि इजराइल के इतिहास में नेतन्याहू से बड़ा इजराइली राष्ट्रवाद का दुश्मन कोई नहीं रहा। उन्होंने देश को अंदर से बांट दिया और लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प और उनके जैसे नेताओं की सोच यह है कि कमजोर हमेशा ताकतवर के सामने घुटने टेक दे, तभी शांति बनी रहेगी। यह अनैतिक और मूर्खतापूर्ण है क्योंकि इससे हर देश अपनी ऊर्जा सिर्फ हथियारों पर खर्च करेगा।

हरारी ने कहा कि दुनिया ट्रम्पवाद और दक्षिणपंथी राजनीति कि ओर तेजी से बढ़ रही है। इसकी राजनीति करने वालों का मानना है कि दुनिया एक दूसरी की मदद करने से नहीं बल्कि ताकत और दबदबे से चलती है।

लेकिन यह सोच इंसानी सभ्यता और दुनिया को पीछे धकेल रही है।

हरारी बोले- सहयोग से ही दुनिया की तरक्की हुई

युवाल नोआ हरारी ने कहा कि उनकी सबसे चर्चित किताबें, जैसे सेपियंस और होमोडेयस को ध्यान से देखें तो एक बड़े विचार के इर्द-गिर्द घूमती हैं। सहयोग यानी कोऑपरेशन।

हरारी ने कहा कि इंसानों की असली ताकत यही है कि वे बड़े पैमाने पर और लंबे समय तक मिलकर काम कर सकते हैं। यही वह चीज है जिसने इंसानों को कमजोर जीव से दुनिया की सबसे प्रभावशाली प्रजाति बना दिया। अकेला इंसान न तो शेर से लड़ सकता है और न भालू से, लेकिन करोड़ों लोग मिलकर समाज, देश, कानून, बाजार और तकनीक बना सकते हैं।

हरारी का मानना है कि अगर केवल ताकत ही सब कुछ होती, तो इंसान आज भी छोटे-छोटे शिकारी समूहों में जी रहे होते। मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि इंसान लड़ सकता है, बल्कि यह है कि इंसान बड़ी संख्या में एक-दूसरे पर भरोसा कर सकता है।

हरारी के मुताबिक सिर्फ डर या हिंसा के दम पर बड़ी सभ्यताएं नहीं चल सकतीं। किसी भी बड़े समाज को चलाने के लिए साझा विश्वास और सहयोग जरूरी होता है। लेकिन ट्रम्पवाद और राष्ट्रवादी सोच इस मामले में अलग राय रखती है। उनका मानना है कि देशों के बीच सहयोग तभी मजबूत हो सकता है, जब लोगों के पास अपनी मजबूत राष्ट्रीय, धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान हो।

उनके मुताबिक किसी देश को मजबूत बनाने के लिए लोगों का एक जैसी सोच और पहचान से जुड़ा होना जरूरी है। कई बार इसके लिए सख्त सत्ता और मजबूत नेतृत्व की भी जरूरत पड़ती है। हरारी का कहना है कि राष्ट्रवाद मानव इतिहास की सबसे सफल और सकारात्मक कहानियों में से एक रहा है। उनके मुताबिक राष्ट्रवाद का असली मतलब दूसरे लोगों से नफरत करना नहीं, बल्कि उन लाखों अनजान लोगों के लिए अपनापन महसूस करना है जिन्हें आप व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते, फिर भी उनके लिए त्याग करने को तैयार रहते हैं।

वे कहते हैं कि राष्ट्र कोई परिवार नहीं होता और न ही छोटा कबीला। छोटे कबीलों में लोग एक-दूसरे को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। लेकिन राष्ट्र अलग चीज है। भारत, चीन या इजराइल जैसे देशों में करोड़ों लोग रहते हैं और कोई भी व्यक्ति उनमें से ज्यादातर लोगों को नहीं जानता।

फिर भी राष्ट्रवाद लोगों को इस हद तक जोड़ देता है कि वे टैक्स देते हैं ताकि दूसरे नागरिकों को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। जरूरत पड़ने पर लोग देश के लिए अपनी जान तक जोखिम में डाल देते हैं।

हरारी मानते हैं कि कई बार राष्ट्रवाद नफरत की तरफ भी मुड़ जाता है, लेकिन यह उसकी मूल पहचान नहीं है। उनके अनुसार राष्ट्रवाद बिना बाहरी लोगों से नफरत किए भी मौजूद रह सकता है, लेकिन अपने लोगों के लिए अपनापन और प्रेम के बिना नहीं।

हरारी कहते हैं कि आज जो लोग खुद को राष्ट्रवाद का सबसे बड़ा समर्थक बताते हैं, उनमें से कई राष्ट्र के भीतर ही नफरत फैला रहे हैं। वे बाहरी दुश्मनों से ज्यादा अपने ही समाज को बांट रहे हैं।

फ्रांस में 100 से ज्यादा स्कूलों में चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल

3 साल की बच्ची का 'मॉनिटर' ने रेप किया, केस की खुली सुनवाई शुरू

पेरिस, 27 मई (एजेंसियां)। फ्रांस इस समय एक बड़े चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल से जूझ रहा है। पेरिस समेत 100 से ज्यादा स्कूलों और डे-केयर सेंटरों में बच्चों के साथ हिंसा, यौन शोषण और रेप के आरोपों की जांच चल रही है। मामले सामने आने के बाद देशभर में आक्रोश बढ़ गया है।

पेरिस की प्रॉसिक्यूटर लॉर बेको ने बताया कि राजधानी में 84 प्रीस्कूल, करीब 20 प्राइमरी स्कूल और लगभग 10 डे-केयर सेंटरों में जांच चल रही है। कई मामलों में छोटे बच्चों के साथ रेप और यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं।

आरोप स्कूल मॉनिटर्स पर लगे हैं। ये वे कर्मचारी होते हैं जो बच्चों की देखभाल लंच ब्रेक, खेल, सोने के समय और आफ्टर-स्कूल गतिविधियों के दौरान करते हैं।

कोर्ट के बाहर #MeTooSchool आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनर पर लिखा- "कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न डरे।" आंदोलन की सह-संस्थापक बार्का जरूआली ने कहा कि अब पूरे देश में बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागने की जरूरत है। अभिभावकों ने आरोप

लगाया कि कुछ मॉनिटर्स बच्चों पर चिल्लाते थे, बाल खींचते थे और खाना देने से मना कर देते थे। कुछ मामलों में बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप भी लगे हैं।

पीड़ित परिवारों के वकीलों का कहना है कि कई अभिभावकों को शिकायत दर्ज कराने और कार्रवाई करवाने के लिए महीनों संघर्ष करना पड़ा। फ्रांस में बच्चों से जुड़े मामलों की सुनवाई आमतौर पर बंद कमरे में होती है, लेकिन इस बार पीड़ित परिवारों ने ट्रायल सार्वजनिक रखने की मांग की। परिवारों के वकीलों के मुताबिक वे गिसेल पेलिको के चर्चित रेप केस से प्रेरित थे। गिसेल ने कहा था कि "शर्म पीड़ितों नहीं, अपराधियों को होनी चाहिए।" स्कैंडल से जुड़े पहले बड़े मामलों में से एक का ट्रायल इस हफ्ते पेरिस में शुरू हुआ। 36 वर्षीय स्कूल सहायक डेविड जी. पर सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच 3 से 5 साल के पांच बच्चों के यौन शोषण और दो महिला सहकर्मियों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप है। हालांकि, आरोपी ने सभी आरोपों से इनकार किया है।

जांचकर्ताओं के मुताबिक बच्चों ने पुलिस को अपने शब्दों में अनुचित छूने की घटनाएं बताईं। अगर दोष साबित हुए तो आरोपी को 10 साल तक की जेल और 1.5 लाख यूरो तक जुर्माना हो सकता है।

क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करने की साजिश

केरल के पूर्व सीएम के घर ईडी की रेड पर भड़के तेजस्वी यादव

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को केंद्र सरकर पर केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। केरल के पूर्व सीएम पिनाराई विजयन के घर और अन्य ठिकानों पर प्रवर्त्तन निदेशालय की रेड को लेकर तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर भड़के। उन्होंने इसे एजेंसियों का दुरुपयोग करार देते हुए कहा कि अंत में सच्चाई और न्याय की ही जीत होगी।

तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास पर ईडी की रेड राजनीतिक दुर्भावना और प्रतिशोध से प्रेरित है। बीजेपी सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग अपने राजनीतिक हित साधने और क्षेत्रीय पार्टियों को समाप्त करने के उद्देश्य से करती है।' बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल पूछते हुए कहा कि

मोदी सरकार बताएं कि विगत 12 वर्षों में अब तक विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं पर मनगढ़ंत फर्जी केस दर्ज कराने, रेड मारने और पूछताछ के लिए बुलाने के बाद कितने विपक्षी नेताओं को बीजेपी में शामिल कराकर, उन्हें ईमानदारी का प्रमाण पत्र देकर अच्छे पदों से पुरस्कृत किया है? तेजस्वी ने आरोप लगाते हुए कहा कि ये सरेआम वीडियो में नोट लेते भ्रष्टाचार के आरोपियों को तो मुख्यमंत्री बना रहे हैं। लेकिन याद रखें, अंत में सच्चाई और न्याय की ही जीत होगी। इसके पहले केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से न तो वह और न ही माकपा कमजोर होगी।

भारत की कोशिशों का मुंहतोड़ जवाब देंगे

बांग्लादेशी बीजीबी की धमकी, सीमा पर बीएसएफ भी तैयार

ढाका, 27 मई (एजेंसियां)। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कहा है कि वह सीमा पर भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के घुसपैठ की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देगा। बीजीबी ने आरोप लगाया, बीएसएफ ने सतखिरा के कलारोआ उपजिला में काकडांगा सीमा के ठीक सामने, भारतीय सीमा की ओर हकीमपुर सीमा क्षेत्र में उन लोगों को इकट्ठा किया है जिन्हें बांग्लादेशी नागरिक बताया जा रहा है। सतखिरा 33 बीजीबी के कमांडिंग ऑफिसर, लेफ्टिनेंट कर्नल काजी आशिकुर रहमान ने कहा कि पूरी रात सीमा क्षेत्र में गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई थी।

उन्होंने कहा, सतखिरा सीमा पर गश्त बढ़ाकर बीएसएफ की घुसपैठ की गतिविधियों का विरोध किया जा रहा है। रात की गश्त के दौरान हमारी सतर्क स्थिति के कारण, उन्होंने घुसपैठ की कोई कोशिश नहीं की। उन्होंने आगे कहा, ऐसा माना जा रहा है कि वे सीमा पर

किसी भी जगह से उन्हें अंदर भेजने की कोशिश कर सकते हैं। हम भी पूरी तरह से सतर्क हैं। हम ऐसा होने नहीं देंगे। इस बीच उत्तर 24 परगना के बसीरहाट उपमंडल स्थित हाकिमपुर में पिछले दो दिनों में 110 से अधिक कथित बांग्लादेशी प्रवासी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जांच चौकी के पास अपने सामान के साथ एकत्रित हुए हैं। इनमें से कई लोग दमदम, न्यू टाउन और डानकुनी जैसे क्षेत्रों में कथित तौर पर वर्षों से मजदूरी और घरेलू काम करते हुए रह रहे थे। आज सुबह (27 मई) इस समूह में 70 और लोग शामिल हो गए, जिससे बीएसएफ की हिरासत में मौजूद लोगों की कुल संख्या बढ़कर लगभग 180 हो गई है। खबरों के मुताबिक, ये सभी लोग भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस तरह की वापसी पिछले साल नवंबर में शुरू हुई थी। इस साल की शुरुआत में इनकी संख्या कम हो गई थी, लेकिन पिछले दो दिनों में इसमें काफी वृद्धि हुई है। हम आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं और बांग्लादेश में अपने समकक्षों के संपर्क में हैं। बीएसएफ कर्मियों ने बताया कि कई लोग स्वयं ही अधिकारियों के पास आकर वापसी की प्रक्रिया के लिए मांग कर रहे हैं। साथ ही, राज्य प्रशासन ने जिलों में 'निरुद्ध केंद्र' स्थापित करना शुरू कर दिया है, जहां संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या को सत्यापन और निर्वासन प्रक्रिया पूरी होने तक रखा जाएगा। मालदा पहला जिला बना है जहां ऐसा केंद्र शुरू किया गया है, जहां नौ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को रखा गया है। अवैध प्रवासियों की इस तरह की ''वापसी'' पहली बार पिछले साल नवंबर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कवायद के दौरान देखी गई थी और राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद 'पहचान करने या पता लगाने, रिकॉर्ड या दस्तावेज से नाम हटाने, देश से बाहर भेजने या निर्वासित करने' का अभियान शुरू करने के बाद फिर से सामने आती प्रतीत होती है।

एसबीआई में 2.06 करोड़ की हेराफेरी कैशियर के खिलाफ चार्जशीट पेश

बिलासपुर, 27 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में स्टेट बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ कर 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार रुपए गबन करने वाली कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दिया है। जिसमें उन्हें बैंक के ग्राहकों के खातों में जमा रुपए और बैंक के बही खातों में हेराफेरी कर गबन करने के लिए दोषी माना गया है।

चार्जशीट में जांच एजेंसी ने बताया कि, आरोपी ने महज 14 दिन में बैंक के इंटरनल सिस्टम में फर्जी एंट्री कर करोड़ों रुपए थर्ड पार्टी खातों में ट्रांसफर कर दिए। मामले में बाकी संदिग्धों और सह-आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है। दरअसल, पूरा मामला बिलासपुर जिले के बिल्हा स्थित एसबीआई शाखा का है। यहां 19 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 के बीच महज 15 दिनों में 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार 600 रुपए रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। जब शाखा प्रबंधक पीयूष बारा को इसकी भनक लगी, तब उन्होंने इसकी विभागीय जांच की। जांच में पता चला कि कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा पर बैंक के कैश की देखरेख की जिम्मेदारी थी, जिन्होंने इतनी बड़ी रकम का गबन किया है। शाखा प्रबंधक पीयूष बारा ने इस मामले की शिकायत एसीबी में की, तब मामले में भ्रष्टाचार और शासकीय जमा राशि की हेराफेरी का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले में कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा 8 महीने तक फरार चल रही थी। शुरूआती जांच में आरोपी ने रखरखाव में खर्च करने की बात कही। केवल रखरखाव में इतनी बड़ी रकम खर्च करने और बैंक में जमा राशि को उनके द्वारा निजी खातों में ट्रांसफर करने के सवाल पर कैशियर गोलमोल जवाब देने लगी।

पाकिस्तान में 9 इस्लामिक जगहों के नाम नहीं बदलेंगे

हिंदू-सिख दौर का नाम रखा जाना था, कट्टरपंथियों के विरोध के बाद फैसला बदला

इस्लामाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मरियम नवाज सरकार ने लाहौर की सड़कों, चौकों और इलाकों के पुराने नाम बहाल करने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। सरकार जिन नामों को बहाल करना चाहती थी, उनमें कई हिंदू और सिख दौर के नाम शामिल थे।

सरकार ने यह कदम कट्टरपंथी समूहों और सोशल मीडिया पर बढ़ते विरोध के बाद उठाया। कुछ लोगों ने इसे हिंदू और सिख पहचान वापस लाने की कोशिश बताते हुए धार्मिक रंग दे दिया था।

लाहौर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (रिटायर्ड) मोहम्मद अली एजाज ने पाकिस्तानी अखबार डॉन से कहा कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

16 मार्च को लाहौर हेरिटेज एरियाज रिवाइवल (एलएचएआर) की बैठक हुई थी। इसकी अध्यक्षता पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने की थी। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी इसमें शामिल थीं। इसी बैठक में लाहौर के कई पुराने प्री-पार्टिशन नाम बहाल करने का प्रस्ताव पास किया गया।

यह योजना लाहौर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को फिर से सामने लाने के लिए बनाई गई थी। बाद में मई में मरियम नवाज कैबिनेट ने भी इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी थी।

नवाज शरीफ का कहना था कि हमें यूरोप से सीख लेनी चाहिए। वे ऐतिहासिक नामों से छेड़छाड़ नहीं करते हैं। मरियम का कहना था कि लाहौर का इतिहास ही इसकी पहचान है। पुराने नाम और इमारतें इसका सबूत हैं।

यह पूरा प्रोजेक्ट लाहौर अथॉरिटी फॉर हेरिटेज रिवाइवल (एलएएचआर) के तहत चलाया जा रहा था। यह कई अरब पाकिस्तानी रुपए का प्रोजेक्ट है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कट्टरपंथी तत्वों और सोशल मीडिया व्लॉगर्स ने इस फैसले पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज का खुलकर विरोध किया। उन्होंने सरकार पर हिंदू और सिख नाम वापस लाने का आरोप लगाया और इसे धार्मिक मुद्दा बना दिया।

पीटीआई के मुताबिक, सरकार को डर था कि इस मुद्दे पर बड़ा राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा हो सकता है। इसी वजह से प्रशासन ने फिलहाल फैसला टाल दिया। विरोध के बाद एलएचएआर ने इतिहासकारों, शहरी योजनाकारों, आर्किटेक्ट्स और दूसरे विशेषज्ञों की एक बैठक भी बुलाई। इसमें लाहौर की पुरानी पहचान और ऐतिहासिक नामों को बचाने पर चर्चा हुई।

सरकारी बयान के मुताबिक, बैठक में मौजूद ज्यादातर लोगों ने माना कि लाहौर की ऐतिहासिक पहचान बहुमूल्य विरासत है और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाया जाना चाहिए।

भारत खरीद रहा 114 राफेल लड़ाकू विमान

फ्रांस के साथ मेगा डील से टेंशन में यूक्रेन, सोर्स कोड पर फैला रहा झूठ

कीव/पेरिस, 27 मई (एजेंसियां)। भारत सैन्य इतिहास का सबसे बड़ा डिफेंस डील करने जा रहा है। 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए भारत और फ्रांस के बीच करीब 35 से 40 अरब डॉलर के बीच समझौता हो सकता है। भारत ने 'लेटर ऑफ़ रिक्वेस्ट' यानि एलओआर को मंजूरी दे दी है जिसे अब जल्द ही पेरिस भेजा जाएगा।

वहीं इस सौदे के तहत 114 राफेल विमानों में से 90 विमानों का निर्माण 'स्थानीय' शर्तों के तहत किया जाएगा जिसके लिए 50% पुर्जों का उत्पादन भारत में ही होना जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून के आखिर में फ्रांस की यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं। इस यात्रा से पहले अगले महीने की शुरुआत में भारतीय वायु सेना के प्रमुख फ्रांस का दौरा करेंगे।

114 राफेल जेट्स का कॉन्ट्रैक्ट इस साल के आखिर तक साइन होने की उम्मीद है। इस डील के तहत भारत फाइटर जेट के वेपन कंट्रोल सिस्टम इंटरफेस तक पहुंच बनाकर अपने खुद के हथियार जिनमें अस्त्रा एयर-टू-एयर मिसाइल और ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल शामिल हैं उन्हें इंटीग्रेट करने के लिए बातचीत चल रही है। लेकिन भारत और फ्रांस के बीच होने वाले इस डील से यूक्रेन की चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

दरअसल यूक्रेन की वायु सेना ने 100 राफेल जेट खरीदने की योजना की घोषणा की है लेकिन ये योजनाएं अब अनिश्चित होती जा रही हैं। फिलहाल फंडिंग सबसे बड़ा मुद्दा है क्योंकि भारत 114 राफ़ेल जेट पर लगभग 40 अरब डॉलर खर्च करने की तैयारी कर रहा है। इस महाडील के तहत भारत में ही प्रोडक्शन लाइन का निर्माण होगा और स्थानीय स्तर पर राफेल लड़ाकू विमान बनाए जाएंगे।

यूक्रेनी अखबार डिफेंस एक्सप्रेस के मुताबिक फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन के पास पहले से ही लगभग 220 राफेल विमानों का ऑर्डर पेंडिंग है। कंपनी साल में करीब 26-30 विमान ही बना पाती है। यदि भारत 114 विमानों का एक और विशाल ऑर्डर देता है तो डसॉल्ट का बैकलाग 50% से ज्यादा बढ़ जाएगा।

ऐसे में फ्रांस के अपने रक्षा बेड़े और यूक्रेन या अन्य यूरोपीय सहयोगियों को दी जाने वाली तात्कालिक सैन्य सहायता या हथियारों की डिलीवरी टाइमलाइन बहुत पीछे खिसक जाएगी।

सेप्टी टैंक में जहरीली गैस से मां-बेटे, चाचा की मौत

हजारीबाग, 27 मई (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र के कुद (वार्ड नंबर 24) में एक ही परिवार के तीन लोगों की सेप्टी टैंक में दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों में चमेली देवी, उनका बेटा रवि साव और चाचा मदन साव शामिल हैं, जबकि आनंद साव गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, सेप्टी टैंक में अवैध रूप से महुआ शराब बनाई और रखी जाती थी। जिसके कारण टैंक के अंदर जहरीली गैस बन गई थी। घटना के वक्त चमेली देवी टैंक से महुआ शराब निकालने के लिए नीचे उतरीं, लेकिन अंदर पहुंचते ही जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गईं। जब काफी देर तक चमेली देवी बाहर नहीं निकलीं, तो परिजन चिंतित हो उठे।

बांग्लादेश में गहरा संकट

शेख हसीना ने ईद पर हिंसा, अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

ढाका, 27 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाई का सामना कर रहा है। हसीना ने बांग्लादेश के लोगों के दर्द और पीड़ा पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 21 महीनों से अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मामलों का सामना करना पड़ा है। कई पार्टी सदस्य अभी भी जेल में बंद हैं। उन्होंने आगे कहा, केवल हमारा राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि देश के लोग भी भारी पीड़ा सह रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने खसरा से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और बलात्कार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का पतन और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने देश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है। पिछले सप्ताह अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। पार्टी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। अवामी लीग के अनुसार, जमीनी स्थिति बताती है कि पार्टी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो।

इस महीने की शुरुआत में पार्टी ने कहा था कि बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। अवामी लीग ने कहा कि देश भर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा में जी रहे हैं।

चीन संग जी2 बना रहे ट्रंप क्या आएंगे भारत?

क्वाड शिखर सम्मेलन पर उठे सवाल, भविष्य पर संकट

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। चीन विरोधी गठबंधन क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की नई दिल्ली में बैठक संपन्न हो चुकी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने वादा किया कि क्वाड को मजबूत किया जाएगा। रुबियो ने यह वादा तब किया है जब खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की यात्रा से हाल ही में लौटे हैं जहां उन्होंने जी2 बनाने पर जोर दिया। इस बीच अटकलें हैं कि क्वाड को विदेश मंत्रियों के स्तर की बैठक तक ही सीमित कर दिया जाएगा या यह अन्य बैठकों के दौरान अलग से आयोजित की जाएगी। ऐसे में क्वाड के भविष्य पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

मंगलवार को भारत में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई थी। यह बैठक बिना किसी स्पष्टता के समाप्त हो गई। अगला क्वाड शिखर सम्मेलन भारत में अब आयोजित किया जाएगा, इस पर भी सहमति नहीं बन पाई है। क्वाड के पिछले संयुक्त बयानों में हमेशा उस देश का जिक्र होता था जो अगले नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। हालांकि, विदेश मंत्री एस जयशंकर, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग, जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच हुई बैठक के बाद जारी बयान में केवल इतना कहा गया कि वे अगले शिखर सम्मेलन का

इंतजार कर रहे हैं। क्वाड देशों के चारों विदेश मंत्रियों ने बैठक के बाद सीधे प्रेस को संबोधित नहीं किया, जैसा कि आम तौर पर होता है। भारतीय विदेश मंत्रालय, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री और जापानी विदेश मंत्रालय ने दिन के दौरान अलग-अलग ब्रीफिंग की। इन ब्रीफिंग में उन सवालों को खारिज किया गया कि क्या क्वाड ने अपना कुछ महत्व खो दिया है और क्या समूह के नेता अब अन्य बहुपक्षीय मंचों के साथ ज्यादा जुड़ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि अब ऑस्ट्रेलिया अगले विदेश मंत्रियों की बैठक की मेज़बानी करेगा।

ॐ पूर्णमद पूर्णमिन्द पूर्णिया पूर्णमुदच्यते।

धर्म-दर्शन-ज्योतिष-अध्यात्म

पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

गुरुवार, 28 मई - 2026 7

अधिक मास गुरु प्रदोष व्रत का आज

प्रदोष व्रत की पूजा शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत में विधि-विधान, भक्ति और श्रद्धा भाव से व्रत रखते हुए भगवान शिव की पूजा की जाती है। इस तिथि पर भगवान शिव की पूजा करने से जीवन से दुख, दरिद्रता, बाधाएं दूर होती हैं। जब गुरुवार के दिन प्रदोष व्रत आता है तो यह विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। गुरु प्रदोष व्रत में भगवान शिव, माता पार्वती के साथ भगवान विष्णु की पूजा उपासना करने का खास महत्व होता है। इस बार गुरु प्रदोष व्रत अधिकमास में पड़ने के कारण विशेष फलदायी माना जाता है क्योंकि अधिकमास में भगवान विष्णु की पूजा की होती है ऐसे में गुरु प्रदोष व्रत में भगवान शिव और विष्णु दोनों की उपासना करने से यह बहुत फलदायी माना जाता है। इस बार गुरु प्रदोष व्रत 28 मई को मनाया जाएगा। आइए जानते हैं गुरु प्रदोष व्रत तिथि, महत्व और पूजा मुहूर्त के बारे में सबकुछ।

गुरु प्रदोष व्रत 2026 तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 28 मई 2026 को सुबह 07 बजकर 57 मिनट से शुरू होगी और इस त्रयोदशी तिथि का समापन 29 मई 2026 को सुबह 09 बजकर 51 मिनट पर होगा। ऐसे में अधिकमास गुरु प्रदोष व्रत 28 मई को मनाया जाएगा।

गुरु प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में करने का विधान होता है। प्रदोष काल का समय सूर्यास्त के बाद का समय होता है और इस दिन प्रदोष काल शाम 07 बजकर 12 मिनट से लेकर 09 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस दौरान पूजा-अर्चना का समय सबसे बढ़िया रहेगा।

गुरु प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में गुरु प्रदोष व्रत का विशेष महत्व होता है। गुरुवार दिन जब प्रदोष व्रत आता है तो इस गुरु प्रदोष व्रत कहा जाता है। गुरु प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा करने से विशेष रूप से संतान, सुख, विवाह, करियर और आर्थिक तरक्की के लिए बहुत ही शुभ और लाभकारी माना जाता है। भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में करने का विधान होता है क्योंकि ऐसी मान्यता है कि प्रदोष काल में भगवान शिव कैलाश पर्वत पर सबसे ज्यादा प्रसन्न मुद्रा में रहते हैं ऐसे में इस समय उनकी पूजा करने से भक्तों की सभी तरह की मनोकामनाएं जल्द से जल्द पूरी हो जाती है। अधिकमास में पड़ने वाले प्रदोष व्रत को करने से ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है और मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

अधिक मास प्रदोष व्रत पूजा विधि प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित होता है और इस दिन भोले भंडारी की आराधना करने से सभी तरह मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन पूरे दिन व्रत रखते हुए शाम से समय यानी प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान के साथ पूजा करने का विशेष महत्व होता है। प्रदोष व्रत में सुबह स्नान करके घर के पास स्थिति मंदिर जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करें। इस दिन भगवान शिव पंचामृत, धूप और दीपक से आरती करें और भोग लगाए। इसके बाद भगवान शिव का आरती उतारें और लगातार शिवजी के मंत्रों का जाप करें। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में जरूर करें। प्रदोष काल का समय सूर्यास्त से 45 मिनट पूर्व और सूर्यास्त के 45 मिनट बाद का समय होता है।

कसार देवी मंदिर के मैग्नेटिक पावर का रहस्य क्या है?

उत्तराखंड की शांत वादियों और हिमालय की गोद में बसे अल्मोड़ा जिले का कसार देवी मंदिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था और विज्ञान का ऐसा संगम है जिसने दुनियाभर के लोगों को हैरान कर रखा है। यह मंदिर अपनी अद्भुत भू-चुंबकीय शक्ति यानी मैग्नेटिक पावर के कारण सालों से चर्चा का विषय बना हुआ है। कहा जाता है कि यहां पहुंचते ही लोगों को एक अलग तरह की मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक अनुभूति महसूस होती है। यही वजह है कि इस रहस्य को समझने के लिए वैज्ञानिकों से लेकर साधु-संत तक यहां आते रहे हैं।

क्या है कसार देवी मंदिर का वैज्ञानिक रहस्य?

वैज्ञानिकों के अनुसार, कसार देवी मंदिर जिस पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है, वहां पृथ्वी का भू-चुंबकीय क्षेत्र बेहद सक्रिय माना जाता है। कई रिसर्च में यह बात सामने आई कि यह क्षेत्र पृथ्वी की चुंबकीय पट्टियों यानी वैन एलन बेल्ट से प्रभावित क्षेत्रों है। जिससे माना जाता है कि यहां कॉस्मिक किरणें और पृथ्वी की चुंबकीय ऊर्जा एक-दूसरे से टकराकर विशेष ऊर्जा क्षेत्र बनाती हैं। यही कारण है कि यहां ध्यान और साधना करने वाले लोगों को मानसिक शांति का अनुभव होता है। हालांकि इस रहस्य को पूरी तरह समझ पाना आज भी विज्ञान के लिए चुनौती बना हुआ है।

मां दुर्गा की दिव्य शक्ति से जोड़ते हैं लोग

जहां विज्ञान इसे प्राकृतिक ऊर्जा का प्रभाव मानता है, वहीं स्थानीय लोगों की आस्था इससे कहीं आगे जाती है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यह कोई साधारण चुंबकीय शक्ति नहीं, बल्कि मां दुर्गा की जाग्रत ऊर्जा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सतयुग में इसी कश्यप पहाड़ी पर माता दुर्गा ने शुंभ और निशुंभ नामक असुरों का संहार किया था। कहा जाता है कि उस युद्ध के दौरान माता की दिव्य शक्ति का प्रभाव इस भूमि में समा गया और तभी से यह स्थान ऊर्जा का केंद्र बन गया। भक्त मानते हैं कि यहां महसूस होने वाली सकारात्मक शक्ति वास्तव में मां दुर्गा का आध्यात्मिक सुरक्षा कवच है। यही वजह है कि यहां आने वाले लोग खुद को मानसिक रूप से हल्का और सकारात्मक महसूस करते हैं।

स्वामी विवेकानंद भी यहां कर चुके हैं ध्यान

कसार देवी मंदिर का आकर्षण सिर्फ आम श्रद्धालुओं तक सीमित नहीं रहा। कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद ने भी इस स्थान पर ध्यान लगाया था। इसके अलावा कई विदेशी साधक और आध्यात्मिक गुरु भी यहां आकर साधना कर चुके हैं।

दूसरी शताब्दी से जुड़ा है इतिहास

कसार देवी मंदिर को दूसरी शताब्दी का प्राचीन मंदिर माना जाता है। मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां मां कात्यायनी का मंदिर एक प्राकृतिक चट्टानी गुफा के भीतर स्थित है। गुफा के अंदर मौजूद विशाल चट्टान पर प्राकृतिक रूप से उभरी सिंह की आकृति को माता का वाहन माना जाता है।

मां के हाथ के भोजन में होते हैं स्मृति, प्रेम और पवित्रता

अपनी हैसियत के बाहर जाकर बच्चों के भविष्य के लिए कुछ करना आज भारतीय माता-पिता की जीवनशैली बन गया है। वहीं सरकार में बैठे लोग अपनी हरकतों से बच्चों के सपनों पर प्रहार करते हैं। इस समय परीक्षा-शैली, पढ़ाई-लिखाई, बेरोजगारी के कारण घरों में बच्चे अत्यधिक परेशान हैं।

ऐसे में माता-पिता को एक प्रयोग करना चाहिए। खास तौर पर मांएं यह प्रयोग करें कि वे भोजन अपने हाथों से बनाएं और मां के हाथ का बना हुआ भोजन ही बच्चे प्राप्त करें। इन दिनों हमारे यहां रसोईघर मां के हाथ से निकलकर किन्हीं और हाथों में चला गया है। क्योंकि मां के हाथ के भोजन में अनुभव, स्मृति, प्रेम और पवित्रता उतरती ही है।इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मां भोजन बनाना जानती है या नहीं जानती, लेकिन स्पर्श अगर कर दे तो भी भोजन का भाव बदल जाएगा। हम भारतीय भोजन को केवल खाद्य सामग्री नहीं, एक अस्तित्व मानते हैं, जीवित समझते हैं। हमारे यहां भोजन में प्राण प्रतिष्ठा की जाती है प्रसाद बनाकर लंगर और भंडारों में। मंदिरों में जितना मान मूर्ति का है, वहां चढ़ाए भोग का भी उतना ही है।

जीवन बोझ लगने लगे तो समझिए किस्मत चमकने वाली है!

कई बार इंसान बिना किसी बड़ी वजह के भी अंदर से टूटा हुआ महसूस करने लगता है। काम में मन नहीं लगता, रिश्ते बोझ लगने लगते हैं और हर दिन एक जैसी थकान लेकर आता है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी स्थितियों को सिर्फ मानसिक कमजोरी नहीं माना जाता, बल्कि इसे जीवन में आने वाले बड़े बदलाव का संकेत भी बताया गया है। माना जाता है कि जब ग्रहों की चाल बदलती है या व्यक्ति की कुंडली में कोई बड़ा योग सक्रिय होने वाला होता है, तब जीवन कुछ समय के लिए उलझा हुआ महसूस होने लगता है। यही वो दौर होता है जब व्यक्ति अंदर से बदल रहा होता है और आने वाला समय नई दिशा देने की तैयारी कर रहा होता है।

बार-बार अकेलापन महसूस होना

ज्योतिष के अनुसार जब चंद्रमा और शनि का प्रभाव बढ़ता है, तब व्यक्ति अचानक खुद को सबसे अलग महसूस करने लगता है। पहले जिन लोगों के साथ समय बिताना अच्छा लगता था, उन्हीं से दूरी बनने लगती है। कई लोग इसे डिप्रेशन समझ लेते हैं, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से यह आत्मचिंतन का समय माना जाता है। ऐसे दौर में व्यक्ति अपनी असली जरूरतों और जीवन के उद्देश्य को समझने लगता है। अक्सर देखा गया है कि बड़े फैसले लेने से पहले लोग इसी तरह के मानसिक बदलाव से गुजरते हैं।

बिना कारण बेचैनी और नींद की समस्या

अगर रात में बार-बार नींद टूटती है या मन हर समय बेचैन रहता है, तो ज्योतिष में इसे राहु और केतु के प्रभाव से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि जब जीवन नई दिशा की ओर बढ़ रहा होता है, तब मन स्थिर नहीं रह पाता। कई लोगों ने अनुभव किया है कि करियर बदलने, नई नौकरी मिलने या रिश्तों में बड़ा बदलाव आने से पहले उन्हें लंबे समय तक अजीब बेचैनी महसूस हुई। यह संकेत इस बात का माना जाता है कि आपकी ऊर्जा किसी नए बदलाव के लिए तैयार हो रही है।

बदलती प्राथमिकताएं भी देती हैं संकेत

ज्योतिष शास्त्र कहता है कि जब व्यक्ति की सोच बदलने लगती है, तब उसका लगाव भी बदलने लगता है। कई बार लोग पुराने दोस्तों, आदतों या जगहों से अचानक दूरी बनाने लगते हैं। उन्हें वही चीजें अब पहले जैसी खुशी नहीं देतीं। यह स्थिति इस बात का संकेत हो सकती है कि आपकी जिंदगी नया अध्याय शुरू करने वाली है। अक्सर ऐसा तब होता है जब गुरु ग्रह का प्रभाव मजबूत होने लगता है और व्यक्ति मानसिक रूप से परिपक्व होने लगता है।

हर काम में रुकावट आना

लगातार मेहनत के बावजूद काम बिगड़ना या योजनाओं का अटक जाना भी ज्योतिष में एक खास संकेत माना जाता है। कई ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि कभी-कभी ब्रह्मांड व्यक्ति को रोककर सही दिशा की ओर मोड़ने की कोशिश करता है। ऐसे समय में लोग परेशान जरूर होते हैं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास होता है कि जो चीजें नहीं मिलीं, वही उनके लिए बेहतर साबित हुईं। यह दौर धैर्य और आत्मविश्वास की परीक्षा भी माना जाता है।

आध्यात्म और पूजा-पाठ में अचानक रुचि बढ़ना अंदरूनी बदलाव का माना जाता है संकेत

अगर अचानक मंदिर जाने, ध्यान लगाने या धार्मिक चीजों में रुचि बढ़ने लगे, तो इसे भी बड़ा आध्यात्मिक संकेत माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार जब व्यक्ति की ऊर्जा बदलती है, तब उसका मन खुद-ब-खुद आध्यात्म की ओर आकर्षित होने लगता है। बहुत से लोग बताते हैं कि जीवन के कठिन दौर में ही उन्होंने खुद को सबसे ज्यादा मजबूत पाया। यही समय व्यक्ति को मानसिक रूप से पहले से ज्यादा परिपक्व बनाता है।

आखिर में ज्योतिष यही कहता है कि हर मुश्किल दौर हमेशा बुरा नहीं होता। कई बार जीवन का सबसे कठिन समय ही आने वाली सफलता, शांति और नए अवसरों की शुरुआत बन जाता है।

जब व्यक्ति श्रम, अनुशासन और एकाग्रता के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ता है

पुरुषार्थ, आत्मबल और आध्यात्मिक चेतना का तालमेल जीवन को सफल और सार्थक बनाता है। व्यक्ति को सदैव पुरुषार्थी रहकर नए विचारों और नई योजनाओं के साथ आगे बढ़ना चाहिए। शास्त्रों का ज्ञान जीवन को सही दिशा देता है। आत्मबल कठिन परिस्थितियों में भी साहस बनाए रखता है। आध्यात्मिक चेतना व्यक्ति को डर, लालच और व्यर्थ आकर्षणों से दूर रखती है। जब व्यक्ति श्रम, अनुशासन और एकाग्रता के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ता है, तब उसे सफलता जरूर मिलती है।

क्या आप भी पहन रहे हैं मोती?

इन 5 रत्नों के साथ भूलकर भी न करें ये बड़ी गलती, गलत कॉम्बिनेशन पड़ सकता है भारी

रत्न सिर्फ फैशन का हिस्सा नहीं होते, ज्योतिष में इन्हें ग्रहों की ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। कई लोग मानसिक शांति, रिश्तों में मिठास और जीवन में स्थिरता पाने के लिए मोती धारण करते हैं। कहा जाता है कि मोती चंद्रमा का रत्न है और इसका असर सीधे मन, भावनाओं और सोच पर पड़ता है, लेकिन ज्योतिषाचार्यों की मानें तो मोती हर किसी के लिए शुभ नहीं होता और इसे गलत रत्नों के साथ पहनना भारी पड़ सकता है। कई बार लोग बिना कुंडली देखे अलग-अलग रत्न पहन लेते हैं, जिसका असर उल्टा दिखाई देने लगता है। घर में तनाव बढ़ना, फैसलों में भ्रम, नींद की परेशानी और रिश्तों में दूरी जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं। ऐसे में मोती पहनने से पहले उसके सही नियम और किन रत्नों से दूरी रखनी चाहिए, यह जानना बेहद जरूरी माना जाता है।

मोती का ज्योतिष में क्या महत्व है रत्न शास्त्र में मोती को चंद्र ग्रह का प्रतिनिधि माना गया है। चंद्रमा मन, भावनाओं, माता, मानसिक संतुलन और सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर होता है, उन्हें अक्सर बेचैनी, डर, तनाव और आत्मविश्वास की कमी महसूस हो सकती है। ऐसे लोगों को ज्योतिषी मोती पहनने की सलाह देते हैं। कहा जाता है कि सही तरीके से धारण किया गया मोती व्यक्ति के स्वभाव को शांत बनाता है। गुस्सा कम होता है और मन में सकारात्मक सोच बढ़ती है। यही वजह है कि कई लोग इंटरव्यू, बिजनेस मीटिंग या वैवाहिक जीवन में शांति बनाए रखने के लिए भी मोती धारण करते हैं।

मोती पहनने का सही तरीका सोमवार को पहनना माना जाता है शुभ ज्योतिष के अनुसार मोती धारण करने के लिए सोमवार का दिन सबसे अच्छा माना गया है। इसे सुबह स्नान के बाद पहनना शुभ बताया जाता है। मोती को चांदी की अंगूठी में पहनना ज्यादा लाभकारी माना जाता है क्योंकि चांदी भी चंद्रमा से जुड़ी धातु मानी जाती है।

मंत्र जाप के बिना अधूरा माना जाता है उपाय मोती पहनने से पहले उसे गंगाजल और कच्चे दूध से शुद्ध करने की परंपरा है। इसके बाद "ॐ चंद्राय नमः" मंत्र का 108 बार जाप किया जाता है। मान्यता है कि इससे रत्न की सकारात्मक ऊर्जा सक्रिय होती है।

छोटी उंगली में पहनें ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक मोती को दाएं हाथ की छोटी उंगली में पहनना शुभ माना जाता है। हालांकि कई मामलों में कुंडली के अनुसार तरीका अलग भी हो सकता है। भूलकर भी साथ न पहनें ये 5 रत्न 1। नीलम के साथ मोती मोती और नीलम का मेल ज्योतिष में सही नहीं माना जाता। नीलम शनि ग्रह का रत्न है जबकि मोती चंद्रमा से जुड़ा होता है। दोनों ग्रहों की ऊर्जा अलग मानी जाती है। कहा जाता है कि इन्हें साथ पहनने से मानसिक दबाव, अचानक नुकसान और जीवन में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं।

हीरे के साथ मोती हीरा शुक्र ग्रह का रत्न माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र और चंद्रमा की ऊर्जा कई बार विपरीत असर देने लगती है। ऐसा माना जाता है कि मोती और हीरा साथ पहनने से पति-पत्नी के बीच गलतफहमियां बढ़ सकती हैं। कई लोग रिश्तों में दूरी और भावनात्मक तनाव महसूस करने लगते हैं।

गोमेद के साथ मोती गोमेद राहु ग्रह से जुड़ा रत्न है। राहु को भ्रम और मानसिक अस्थिरता का कारक माना जाता है। ऐसे में मोती और गोमेद का संयोजन मन में डर, घबराहट और नकारात्मक विचार बढ़ा सकता है। ज्योतिषी बिना सलाह इसे साथ पहनने से बचने की सलाह देते हैं।

पन्ना के साथ मोती पन्ना बुध ग्रह का रत्न माना जाता है। कई बार बुध और चंद्रमा का मेल सोच और भावनाओं में असंतुलन पैदा कर सकता है। इससे व्यक्ति फैसले लेने में भ्रमित रहने लगता है। काम पर फोकस कम हो सकता है और आत्मविश्वास भी कमजोर पड़ सकता है।

लहसुनिया के साथ मोती लहसुनिया केतु ग्रह का रत्न है। इसे रहस्यमयी और तेज असर वाला रत्न माना जाता है। मोती के साथ इसे पहनने से व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर महसूस कर सकता है। कई बार एकाग्रता कम हो जाती है और छोटी-छोटी बातों पर चिंता बढ़ने लगती है।

बिना कुंडली रत्न पहनना क्यों पड़ सकता है भारी आजकल फैशन या दूसरों की सलाह पर रत्न पहनने का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, लेकिन ज्योतिष में हर रत्न हर व्यक्ति के लिए शुभ नहीं माना जाता। कई बार गलत रत्न पहनने से फायदा मिलने की बजाय परेशानियां बढ़ने लगती हैं। इसलिए किसी भी रत्न को धारण करने से पहले अनुभवी ज्योतिषाचार्य से कुंडली दिखाना जरूरी माना जाता है।

झरनों से लेकर दौड़ते घोड़ों तक... घर की समृद्धि और पॉजिटिविटी के लिए लकी मानी जाती हैं ये पेंटिंग्स

कमल के फूल की पेंटिंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कमल का फूल शुद्धता, ज्ञान और आंतरिक शांति का प्रतीक माना जाता है। माता लक्ष्मी इसी फूल पर विराजमान होकर भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। कमल के फूल की पेंटिंग खासतौर पर बेडरूम और मेडिटेशन रूम के लिए अच्छा है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर-पूर्व दिशा में कमल की पेंटिंग लगाने से घर में शांति और आध्यात्मिक विकास होता है।

मोर की पेंटिंग

मोर की पेंटिंग्स सुंदरता, सकारात्मकता और धन से जुड़ी होती हैं। हमेशा भगवान कृष्ण के साथ दिखने वाला यह पक्षी बेहद चमत्कारी माना जाता है। मान्यता है कि ये मोर की पेंटिंग नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेती हैं और घर में सामंजस्य लाती हैं। इन्हें पूर्व, उत्तर-पूर्व या दक्षिण-पूर्व दीवार पर लगाया जा सकता है।

बुद्ध की पेंटिंग

बुद्ध की पेंटिंग घर में शांति, सौहार्द और आध्यात्मिक संतुलन लाने के लिए होती है। वास्तु विशेषज्ञों का कहना है कि बुद्ध की पेंटिंग्स को पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में, खासकर घर के प्रवेश द्वार या मेडिटेशन एरिया के पास लगाना चाहिए। इस पेंटिंग को लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

सूर्योदय की पेंटिंग

घर में उगते सूरज की पेंटिंग लगाना बेहद शुभ माना जाता है। उगते सूरज की पेंटिंग नए आरंभ, आशावाद और अच्छी ऊर्जा का प्रतीक है। हल्के नारंगी, पीले और नीले रंग इसमें अच्छे माने जाते हैं। वास्तु के अनुसार, ऐसी पेंटिंग्स को पूर्व दिशा में लगाना चाहिए, जिससे प्रेरणा और ऊर्जा मिलती है।

झरनों की पेंटिंग

झरने, नदियां या बहती धाराएं पेंटिंग्स को घर में लगाना अच्छा माना जाता है, क्योंकि ये समृद्धि और धन के प्रवाह से जुड़ी होती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसी कलाकृतियां उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। पेंटिंग में पानी साफ और घर के अंदर की ओर बहता हुआ दिखना चाहिए, जिससे समृद्धि घर में आए।

ट्री ऑफ लाइफ की पेंटिंग

ट्री ऑफ लाइफ यानी जीवन वृक्ष, विकास, स्थिरता और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। यह कलाकृति अक्सर लिविंग रूम में लगाई जाती है, जिससे घर में शांति और सामंजस्य बना रहे। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, इसे पूर्व दिशा की दीवार पर लगाना सबसे अच्छा है, क्योंकि यह स्वास्थ्य और भावनात्मक सुख-शांति को बढ़ाता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 28 मई - 2026

हादसों से सबक कब सीखेंगे?

देश के अलग-अलग हिस्सों में हाल ही में हुए दो दर्दनाक हादसों ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे लिए आम नागरिक की जान की कीमत वास्तव में कुछ भी नहीं रह गई है। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के बहेरगुड़ा गांव में मिट्टी धंसने से कई लोगों की मौत हो गई, वहीं एक अन्य दुर्घटना में गैस रिसाव से मजदूरों की जान चली गई। इन घटनाओं ने न केवल कई परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया, बल्कि हमारी प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विडंबना यह है कि जिस दौर में देश तकनीकी प्रगति, डिजिटल क्रांति और स्मार्ट सिटी जैसे अभियानों पर गर्व कर रहा है, उसी दौर में लोग ऐसी दुर्घटनाओं में जान गंवा रहे हैं जिन्हें रोकने में कोई बाधा उत्पन्न नहीं हो सकती थी। गांवों से लेकर शहरों तक अनेक स्थानों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी आम बात बन चुकी है। विकास की चमक के बीच बुनियादी सुरक्षा और मानव जीवन की रक्षा का प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाता है। कुछ दिनों पहले एमपी की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में दूषित पेयजल पीने से कई लोगों की मौत हो गई थी और अनेक लोग बीमार पड़े थे। देश के कई हिस्सों में आज भी लोग स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित कार्यस्थल और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह स्थिति तब है जब सरकारें आधुनिक शहरों और अत्याधुनिक परियोजनाओं की बात कर रही हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना केवल ऊंची इमारतें या नई तकनीक नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा और जीवन की गुणवत्ता होती है। सबसे दुखद पहलू यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद घटनाक्रम लगभग एक जैसा रहता है। पहले हादसा होता है, फिर शोक संदेश आते हैं, जांच के आदेश दिए जाते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ दिनों बाद मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। पीड़ित परिवार अपने दुख और संघर्ष के साथ अकेले रह जाते हैं, जबकि व्यवस्था अगले हादसे तक निष्क्रिय बनी रहती है। यही कारण है कि दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति लगातार होती रहती है। देश में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान होने वाली मौतें भी इसी संवेदनहीनता का उदाहरण हैं। आधुनिक मशीनों के उपलब्ध होने के बावजूद आज भी अनेक स्थानों पर लोगों को जान जोखिम में डालकर ऐसे कार्य करने पड़ते हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि सैकड़ों सफाईकर्मी अपनी जान गंवा चुके हैं। यह केवल तकनीकी कमी नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही का भी प्रश्न है। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले की बिहवापुर गांव में कुआं की खुदाई करते समय मिट्टी धंसने से पांच लोगों की मौत हो गई। जल संकट और संसाधनों की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इस तरह के जोखिम उठाने को मजबूर हैं। दूसरी ओर सरकारें अब तालाबों और जलस्रोतों के पुनर्जीवन की बात कर रही हैं, जो स्वागतयोग्य कदम है। लेकिन इसके साथ सुरक्षा प्रबंधन और स्थानीय निगरानी को भी मजबूत करना होगा, ताकि विकास और संरक्षण दोनों का लाभ लोगों को सुरक्षित रूप से मिल सके। स्पष्ट है कि ऐसी त्रासदियों को केवल दुर्घटना कहकर भुलाया नहीं जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि जिम्मेदार अधिकारियों और संस्थाओं की जवाबदेही तय हो, सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराया जाए और जोखिमपूर्ण कार्यों में मशीनों तथा आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग हो। साथ ही समाज को भी यह समझना होगा कि किसी गरीब या मजदूर की जान किसी भी कीमत पर कम मूल्यवान नहीं है। एक संवेदनशील और विकसित राष्ट्र वही है जो हादसों के बाद मुआवजा बांटने के बजाय उन्हें रोकने की व्यवस्था खड़ी करे।

ईंधन की आग में झुलसता आम नागरिक

डॉ घनश्याम बादल

देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें अब केवल आर्थिक बहस का विषय नहीं रह गई हैं, बल्कि यह आम आदमी की रोजमर्रा की पीड़ा का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुकी हैं। सुबह दफ्तर जाने वाला कर्मचारी , खेत में डीजल पंप चलाने वाला किसान, मालवाहक वाहन चालक हो या रसोई गैस सिलेंडर उठाने वाली गृहिणी, सब इस बढ़ती महंगाई की सीधी मार झेल रहे हैं लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आख़िर इस महंगाई का वास्तविक कारण क्या है? क्या केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार ज़िम्मेदार है, या फिर केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाया जाने वाला भारी कर भी जनता की कमर तोड़ने में बराबर का दोषी है?

भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का असर भारत पर पड़ना स्वाभाविक है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और वैश्विक आपूर्ति संकट जैसे कारण अक्सर सरकार और तेल कंपनियों द्वारा गिनाए जाते हैं लेकिन यह पूरी सच्चाई नहीं है।

यदि केवल अंतरराष्ट्रीय कीमतें ही कारण होतीं तो जब वैश्विक बाजार में कच्चा तेल सस्ता हुआ था तब जनता को उतनी राहत क्यों नहीं मिली? आखिर क्यों पेट्रोल-डीजल पर कर बढ़ाकर सरकारों ने अपनी आय बढ़ा ली?

यहीं से शुरू होती है पेट्रोल-डीजल की ' टैक्स पॉलिटिक्स' । भारत में एक लीटर पेट्रोल की कीमत में सबसे बड़ा हिस्सा करों का होता है। मई 2026 के औसत आंकड़ों के अनुसार केवल दिल्ली में लगभग 102 रुपये प्रति लीटर बिक रहे पेट्रोल में केंद्र सरकार का उत्पाद शुल्क लगभग 19 से 20 रुपये प्रति लीटर है(जबकि महाराष्ट्र जैसा राज्य 35% वेट वसूल कर रहा है) जबकि राज्य सरकार का मूल्य वर्धित कर और अन्य शुल्क मिलाकर लगभग 16 से 18 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच जाता है। यानी दिल्ली की जनता से कुल मिलाकर लगभग 35 से 38 रुपये प्रति लीटर कर जनता से वसूला जा रहा है जबकि महाराष्ट्र कर्नाटक तमिलनाडु बिहार जैसे राज्यों में यह वसूली 40 को भी पार कर रही है। । डीजल पर भी केंद्र और राज्य मिलाकर लगभग 28 से 32 रुपये प्रति लीटर तक कर लेते हैं, अर्थात यदि कोई व्यक्ति 100 रुपये का पेट्रोल खरीद रहा है तो उसमें लगभग एक-तिहाई से अधिक राशि केवल करों के रूप में सरकारों की जेब में जा रही है।

यही कारण है कि जनता बार-बार पूछती है कि आखिर पेट्रोल और डीजल को अब तक वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में क्यों नहीं लाया गया? जवाब स्पष्ट है क्योंकि पेट्रोलियम पदार्थ केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के लिए सबसे बड़ी "नकदी मशीन" बन चुके हैं। यदि इन्हें वस्तु एवं सेवा कर में शामिल कर दिया गया तो बेहिसाब कर वसूली सीमित हो जाएगी।

विडंबना यह है कि जब कीमतें बढ़ती हैं तो केंद्र सरकार राज्य सरकारों के मूल्य वर्धित कर को जिम्मेदार बताती है और राज्य सरकारें केंद्र के उत्पाद शुल्क को दोष देती हैंलेकिन दोनों में से कोई भी अपनी आय में कटौती करने को तैयार नहीं दिखाई देता। जनता के लिए राहत केवल चुनावी मौसम में कुछ रुपये घटाने तक सीमित रह जाती है। उसके बाद फिर वही महंगाई लौट आती है।

अब बात तेल कंपनियों की। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी तेल कंपनियां यह दावा करती हैं कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है लेकिन दूसरी ओर इनके वित्तीय आंकड़े कुछ अलग कहानी कहते हैं।

वर्ष 2024-25 में इन प्रमुख तेल कंपनियों ने संयुक्त रूप से लगभग 77 हजार करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

दिल्ली की बैठकों में तय हो रहा कर्नाटक का भविष्य

प्रमोद चतुर्वेदी

कर्नाटक की राजनीति इस समय मंच पर नहीं, पर्दे के पीछे खेली जा रही है। बयान नियंत्रित हैं, चेहरे संयमित हैं, लेकिन सत्ता के गलियारों में बेचैनी साफ महसूस की जा सकती है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चल रहा तनाव अब सिर्फ नेतृत्व परिवर्तन की अटकल भर नहीं रह गया है; यह कांग्रेस पार्टी के भीतर उस गहरे संघर्ष का प्रतीक बन चुका है जिसमें सवाल केवल "अगला मुख्यमंत्री कौन" का नहीं, बल्कि "कांग्रेस आखिर किस तरह की राजनीति करना चाहती है" का है।

दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से जो कुछ हुआ, उसने इन अटकलों को और तेज कर दिया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और के. सी. वेणुगोपाल के साथ दोनों नेताओं की अलग-अलग बैठकों ने यह संदेश दिया कि मामला सामान्य प्रशासनिक समीक्षा से कहीं बड़ा है। कांग्रेस सार्वजनिक रूप से भले कह रही हो कि चर्चाएँ संगठनात्मक थीं, लेकिन राजनीतिक संकेत साफ हैं—कर्नाटक में सत्ता-संतुलन को लेकर निर्णायक बातचीत चल रही है।

दरअसल इस कहानी की शुरुआत 2023 में ही हो गई थी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की भारी जीत के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच लंबी खींचतान चली थी। अंततः हाईकमान ने एक ऐसा समझौता तैयार किया जिससे तत्काल संकट तो टल गया, लेकिन असली संघर्ष केवल स्थगित हुआ। सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने, डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष। उसी समय "ढाई-ढाई साल" वाले फॉर्मूले की फुसफुसाहट शुरू हुई, जिसे कांग्रेस ने कभी औपचारिक रूप से स्वीकार नहीं किया, लेकिन पार्टी के भीतर शायद ही कोई ऐसा था जिसने उसे सुना न हो। अब सरकार के लगभग तीन वर्ष पूरे होने के साथ वही अनकहा समझौता फिर राजनीति के केंद्र में लौट आया है। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस अपने कथित वादे को निभाएगी? और उससे भी बड़ा सवाल—यदि नेतृत्व परिवर्तन होता है तो क्या कांग्रेस उसे बिना राजनीतिक नुकसान के संभाल पाएगी?

सिद्धारमैया इस पूरे समीकरण में केवल एक मुख्यमंत्री नहीं हैं। वे कर्नाटक कांग्रेस की सामाजिक राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा हैं। अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित समुदायों का जो गठबंधन उन्होंने वर्षों में तैयार किया, वही कांग्रेस की चुनावी ताकत का आधार बना। उनकी राजनीति वैचारिक भी है और कल्याणकारी भी। मुफ्त योजनाएँ, सामाजिक न्याय की भाषा और भाजपा के खिलाफ सीधा वैचारिक हमला—इन सबने उन्हें केवल प्रशासनिक नेता नहीं बल्कि एक राजनीतिक धुरी बना दिया है। यही कारण है कि पार्टी का बड़ा हिस्सा मानता है कि सिद्धारमैया को हटाना केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि कांग्रेस के सामाजिक संतुलन को छेड़ना होगा। लेकिन दूसरी तरफ डीके शिवकुमार हैं—और उनकी ताकत बिल्कुल अलग प्रकृति की है। यदि सिद्धारमैया जनाधार की राजनीति हैं, तो डीके संगठन की राजनीति हैं। कांग्रेस के भीतर नेटवर्क, संसाधन, विधायकों पर पकड़, संकट प्रबंधन और हाईकमान से संवाद—इन सबमें डीके शिवकुमार की क्षमता निर्विवाद मानी जाती है। 2023 की जीत के बाद उनके समर्थकों का मानना था कि असली राजनीतिक निवेश डीके ने किया था और मुख्यमंत्री पद पर उनका स्वाभाविक दावा बनता था। यही वजह है कि आज भी उनका धैर्य केवल प्रतीक्षा नहीं, बल्कि दबाव की राजनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

दिलचस्प यह है कि डीके शिवकुमार कभी सार्वजनिक विद्रोह की मुद्रा में दिखाई नहीं देते। वे लगातार यही कहते हैं कि "जो फैसला हाईकमान करेगा, वही स्वीकार होगा।" लेकिन भारतीय राजनीति में कई बार सबसे तीखा दबाव वही होता है जो सबसे शांत भाषा में डाला जाए। डीके की राजनीति फिलहाल ठीक वैसी ही दिखाई दे रही है—संयमित, लेकिन अत्यंत महत्वाकांक्षी। कांग्रेस हाईकमान की असली दुविधा यहीं से शुरू होती है। यदि पार्टी डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाती है, तो वह संगठनात्मक रूप से अधिक नियंत्रित और संसाधन-सक्षम नेतृत्व को आगे बढ़ाएगी। लेकिन इससे सिद्धारमैया समर्थक खेमे में असंतोष पैदा हो सकता है, खासकर उन सामाजिक समूहों में जो सिद्धारमैया को अपनी राजनीतिक आवाज मानते हैं। दूसरी ओर यदि सिद्धारमैया को ही बनाए रखा जाता है, तो डीके शिवकुमार खेमे में यह संदेश जाएगा कि पार्टी नेतृत्व उनकी राजनीतिक प्रतीक्षा को अनिश्चितकाल तक टाल रहा है। यही कारण है कि दिल्ली इस पूरे बदलाव को "सत्ता परिवर्तन" की तरह नहीं बल्कि "सम्मानजनक संक्रमण" की तरह पेश करना चाहती है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि सिद्धारमैया को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका या राज्यसभा के रास्ते दिल्ली लाने का विकल्प सामने रखा गया है। यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस इसे पद से हटाने की जगह "राष्ट्रीय विस्तार" का रूप देने की कोशिश करेगी। लेकिन यह रास्ता भी जोखिम से भरा है, क्योंकि सिद्धारमैया का प्रभाव केवल कुर्सी तक सीमित नहीं है; वे कर्नाटक कांग्रेस की सामाजिक संरचना का केंद्रीय चेहरा हैं।

कांग्रेस के लिए यह संकट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि उसे राजस्थान की याद सताती है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चली लंबी लड़ाई ने पार्टी को जितना राजनीतिक नुकसान पहुँचाया, उससे कहीं अधिक नुकसान संगठनात्मक स्तर पर हुआ था। कर्नाटक में कांग्रेस वैसा खुला संघर्ष नहीं चाहती। दक्षिण भारत में यह उसकी सबसे मजबूत सरकार है और राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी इसे "मॉडल स्टेट" की तरह प्रस्तुत करती रही है। ऐसे में यदि नेतृत्व संघर्ष सार्वजनिक विस्फोट में बदलता है, तो उसका असर केवल बेंगलुरु तक सीमित नहीं रहेगा; वह कांग्रेस की राष्ट्रीय छवि को भी प्रभावित करेगा।

भाजपा भी इस पूरे घटनाक्रम को ध्यान से देख रही है। विपक्ष यह नैरेटिव गढ़ने की कोशिश करेगा कि कांग्रेस सरकार जनता के मुद्दों से अधिक कुर्सी बचाने में व्यस्त है। यही वजह है कि हाईकमान अभी तक हर बयान को बेहद सावधानी से नियंत्रित कर रहा है। लेकिन राजनीति में कई बार चुप्पी ही सबसे बड़ा संकेत होती है और कर्नाटक में इस समय वही चुप्पी सबसे ज्यादा बोल रही है। असल में यह लड़ाई केवल सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच नहीं है। यह कांग्रेस की दो राजनीतिक संस्कृतियों के बीच संघर्ष है। एक तरफ जनाधार आधारित क्षेत्रीय नेतृत्व है, जो सामाजिक गठबंधन और चुनावी लोकप्रियता पर टिका है। दूसरी तरफ संगठन आधारित शक्ति संरचना है, जो संसाधन, प्रबंधन और हाईकमान की रणनीति से संचालित होती है। कांग्रेस इस समय इन्हीं दो मॉडलों के बीच संतुलन खोजने की कोशिश कर रही है।

और शायद यही वजह है कि कर्नाटक का यह सत्ता-संघर्ष इतना महत्वपूर्ण हो गया है। क्योंकि यहाँ केवल मुख्यमंत्री तय नहीं हो रहा—यह भी तय हो रहा है कि आने वाले वर्षों में कांग्रेस की राजनीति का चेहरा कौन होगा, उसका तरीका क्या होगा और अंतिम शक्ति आखिर दिल्ली में रहेगी या राज्यों के जननेताओं के हाथों में।

बढ़ती गर्मी भविष्य की भयावह चेतावनी

योगेश गोयल

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है।

कॉकरोच और कायाकल्प

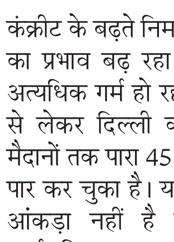

डॉ टी महादेव राव

हम पुराणों में पढ़ा करते थे कि ऋषि के शाप से पत्थर बन चुकी अहिल्या ने श्रीराम के चरण स्पर्श से पुनः नारी का रूप लिया। इसी तरह कहीं सुनते हैं कि किसी का कायाकल्प हो गया। पहले कुछ और था अब बेहतर या कहें तो बेहतरीन हो गया है। ऐसी स्थितियां कई बार आज की जिंदगी में नहीं आईं, लेकिन एक लंबे समय से घृणा का और डर का (विशेष कर महिलाओं में) पर्याय बन चुका तिलचट्टा जी हां! वही कॉकरोच! उसके दिन फिर गए और दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उसका कायाकल्प हो गया। कहां अंधेरों में, कचरे में, गंदी जगहों पर छुपने वाला एक अदद जीव, जिसका खून आजकल के निर्लज्ज हो चुके मनुष्यों के खून की भांति सफेद होता है। वह इतना जिद्दी है कि सर कटने पर भी आठ दिनों तक जीवित रहता है। इन विशेष गुणों की खान कॉकरोच को अगर हम कहें आज सारे लोगों ने सिर पर उठा रखा है तो गलत ना होगा। महान्यायाधीश की बातों से आंखें खुल गई हमारी। जिनकी जिंदगी आराम से कट रही है बिना किसी समस्या और बिना कोई कमी के, उसे अन्य लोग, जीव, कीट और कीटाणु ही लगेंगे। कहते हैं न कि जाके पाँव न फटे बिवाई वह क्या जाने पीर पराई। जब तक नहीं जिओगे इन हालातों को तब तक महसूस कैसे करोगे?

कई महान न्यायाधिनेता हुए लेकिन ये हैं कि आए थे उनके भजन को और दे रहे गलियां खास। क्या कहें सरकारी बातों को उजागर न करने की झुंझलाहट से उनकी हालत खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे की तरह हो गई है। अब तो सारे स्तंभ लोकतंत्र के एक तरफ हो गए हैं बिना निष्पक्षपात के। उनके मुंह से कोई भी बात कोई भी राज कोई नहीं निकलवा सकता।

हां तो हम कॉकरोच की बात कर रहे थे। जिस तरह एक ऑटो वाला अचानक किसी प्रदेश का खास बन जाता है या अनपढ़ अशिक्षित गुंडा किसी और प्रदेश का मुखिया हो जाता है या जो ओना मासी धम बाप पढ़े ना हम वाले लोग हैं उनको भी बड़े-बड़े पदों पर सुशोभित देखकर आपको आश्चर्य नहीं होता? ऐसे में अचानक खबरों के केंद्र में आ चुके कॉकरोच से आपको क्या एतराज हो सकता है?
कोई कॉकरोच के नाम पर पार्टी बनाता है तो कोई कॉकरोच नाम की संस्था चला कर अगर उसमें कॉकरोच कहला रहे बेरोजगारों को रोजगार देता है तो बुरा क्या है? कहते हैं कि कभी किसी चीज को अल्प नहीं माना जाना चाहिए। किसी को बहुत गिरा हुआ या पतित नहीं समझना चाहिए। अब देखिए महामहिम के मुंह से निकला कॉकरोच शब्द ने इस तरह तहलका मचा दिया जिस तरह कभी फिल्म शोले ने तहलका मचाया था। वैसे शब्दों की बात करें तो आजकल नए-नए शब्द, पुराने जीव हमारी बातचीत के दौरान बहुत ज्यादा आ रहे हैं कारण यह है कि माहौल ही ऐसा हो गया है। कलयुग का अंत जो आ गया है। इसके पहले न्यायालय में कुत्तों का शोर बहुत था मेरा मतलब है कुत्तों के बारे में मामले। एक पक्ष कहता उनका पालन पोषण होना चाहिए। दूसरा पक्ष कहता उन्हें दूर ले जाकर छोड़ देना चाहिए क्योंकि लोगों को काट खा रहे हैं। आखिर कुत्तों पर एक निर्णय निकला और कुत्ता आउट ऑफ न्यूज़ हो गया।
वैसे हम लोग मनुष्य का कम और जानवरों का जीवन ज्यादा जी रहे हैं। स्वाभाविक है अपने-अपने बिरादरी के प्रति अपना मोह बना रहता है जो कि बीच-बीच में बाहर निकल आता है। इसी तरह आजकल खबरों में कॉकरोच बहुत ज्यादा स्पेस ले रहा है और सोच को बहुत ज्यादा उद्वेलित कर रहा है। हम कह सकते हैं कि अब पलट गए दिन कॉकरोच के घूरे की तरह। पहले वह कहा करता मुझे उजाले से अंधेरे की ओर ले चलो और हमने अपनी उक्ति तमसोमा ज्योतिर्गमय को चरितार्थ करते हुए उसे अंधेरे से उजाले में ले आए हैं। पहले अलग-अलग जानवरों के चित्रों का इस्तेमाल किया जाता था अपनी चीज़ें बेचने के लिए। जैसे ग्रामोफोन की कंपनी हिज मास्टर्स वॉइस के एंबलम में लाउडस्पीकर की तरफ मुंह रखकर कुत्ता बैठता था। सीमेंट के और चिपकाने वाले पदार्थ के डिब्बों पर हाथी का चित्र हुआ करता था। इसी तरह कॉकरोच एक ब्रांड, एक सिंबल, बिक्री को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक बन गया है आजकल।

सीबीएसई के मूल्यांकन मॉडल पर बड़ा सवाल

प्रो. आरके जैन

जब सुधार के नाम पर व्यवस्था ही संकट बन जाए, तब शिक्षा तंत्र पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सीबीएसई ने 2026 में कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की, जिसे पारदर्शिता और गति की दिशा में बड़ा कदम माना गया। उद्देश्य था निष्पक्ष और त्रुटिरहित मूल्यांकन, लेकिन वास्तविकता ने लाखों छात्रों का भरोसा तोड़ दिया। धुंधली स्कैनिंग, गलत उत्तर पुस्तिकाओं का अपलोड, कई उत्तरों का बिना जाँच छूटना और पोर्टल की तकनीकी विफलताओं ने वर्षों की मेहनत पर संकट खड़ा कर दिया। नतीजतन पास प्रतिशत गिरकर 85.2% पर आ गया, जो सात वर्षों का सबसे निचला स्तर रहा। कई मेधावी छात्र अचानक कम अंकों से स्तब्ध रह गए। यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं, बल्कि सपनों पर पड़ा गहरा आघात बन गया।

जहाँ शिक्षा सपनों को उड़ान देती है, वहीं डिजिटल अव्यवस्था ने हजारों छात्रों के भविष्य पर विराम लगा दिया। जेईई मेन पास करने वाले कई मेधावी छात्र ओएसएम की खामियों के कारण क्लास 12 में अपेक्षित अंक नहीं ला सके। कई मेधावी छात्र अपेक्षित अंकों (विशेषकर 75% कट-ऑफ) से पीछे रह गए, जिससे एनआईटी/आईआईटी आदि में प्रवेश प्रभावित हुआ। फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और इंग्लिश में अप्रत्याशित कम अंकों ने वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कोचिंग का खर्च, जागी रातें और सुनहरे सपने एक तकनीकी गड़बड़ी के आगे बिखरते दिखे। यह केवल रिजल्ट की भूल नहीं, बल्कि युवाओं के करियर और आत्मविश्वास पर गहरा आघात है।

जब एक गलती मार्कशीट से निकलकर मन तक पहुँच जाए, तब उसका असर सबसे भयावह हो जाता है। पूरी मेहनत और समर्पण से तैयारी करने वाले हजारों छात्र अचानक चिंता, निराशा और मानसिक दबाव में घिर गए। सोशल मीडिया पर उठते "हमारी मेहनत क्यों बर्बाद?" जैसे सवाल व्यवस्था की संवेदनहीनता उजागर करने लगे। कई विद्यार्थियों की नींद छिन गई, परिवार तनाव में डूब गए और कॉलेज एडमिशन की डेडलाइन ने युवाओं को टूटन के कगार पर पहुँचा दिया। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास जगाना है, न कि युवाओं को असुरक्षा में धकेलना। लेकिन सीबीएसई की लापरवाही ने हजारों घरों की शांति और भरोसा दोनों हिला दिए। डिजिटल गलती का यह प्रभाव अब केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि घर-घर की बेचैनी बन गया।

जब जांच की प्रक्रिया ही भरोसे के संकट में घिर जाए, तब सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि पूरा परिणाम दोबारा मैनुअल तरीके से क्यों न तैयार कराया जाए। जिन स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं को छात्र स्वयं स्पष्ट रूप से नहीं पढ़ पा रहे, उसी डिजिटल प्रारूप में निष्पक्ष री-इवैल्यूएशन कैसे संभव माना जाए? यही कारण है कि मैनुअल री-चेकिंग की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है। शिक्षक जब वास्तविक कॉपी देखकर जाँच करते हैं, तब वे लिखावट, उत्तर की संरचना और सोच की क्रमबद्धता को बेहतर समझ पाते हैं। इसके विपरीत ओएसएम में धुंधली इमेज, सीमित दृश्यता और स्क्रीन थकान के कारण कई सही उत्तर भी अनदेखे रह गए। यही कारण है कि प्रभावित छात्रों के लिए मैनुअल री-चेकिंग या पूर्ण समीक्षा की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है।

डिजिटल व्यवस्था की चमक उस समय बिखर गई, जब पोर्टल की खामियां छात्रों के लिए नई परेशानी बन गईं। उत्तर पुस्तिका प्राप्त करने और री-इवैल्यूएशन के लिए छात्रों को घंटों पोर्टल पर जूझना पड़ा, लेकिन बार-बार तकनीकी गड़बड़ियों ने पूरी प्रक्रिया को अव्यवस्थित बना दिया। पेमेंट फेल होने के बावजूद राशि कट जाना, कैप्चा गायब होना और आवेदन 'पेंडिंग' रहना जैसी समस्याओं ने तनाव कई गुना बढ़ा दिया। कई छात्रों को आर्थिक नुकसान झेलने के बाद भी प्रक्रिया अधूरी और अनिश्चित बनी रही। सीबीएसई द्वारा फीस कम करना और डेडलाइन बढ़ाना राहत जरूर है, पर यह केवल अस्थायी उपाय है। असली संकट कमजोर डिजिटल ढांचे का है। तकनीक तभी वरदान बनती है, जब उसकी नींव मजबूत, सुरक्षित और भरोसेमंद हो; अन्यथा वही सुविधा शिक्षा पर अतिरिक्त बोझ बन जाती है।

एक तकनीकी गलती छात्रों की प्रतिभा तय नहीं कर सकती, लेकिन उसने सीबीएसई की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ओएसएम की खामियों ने साफ कर दिया कि चूक प्रणाली की है, छात्रों की मेहनत की नहीं। जेईई मेन जैसी कठिन परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों की योग्यता किसी पोर्टल त्रुटि से कम नहीं हो जाती। ऐसे समय में छात्रों को अपना आत्मविश्वास और तैयारी बनाए रखनी चाहिए। नए कौशल और वैकल्पिक अवसर आगे की राह मजबूत करेंगे। सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि संघर्ष और धैर्य से तय होती है। यह संकट छात्रों का नहीं, बल्कि सीबीएसई की डिजिटल व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन गया है।

अब जिम्मेदारी सीबीएसई और नीति-निर्माताओं की है। शिक्षा व्यवस्था में भरोसा लौटाना है, तो केवल सफाई नहीं, ठोस सुधार जरूरी हैं। आई-आई-टी जैसे संस्थानों की मदद से ओएसएम प्रणाली को मजबूत बनाया जा सकता है। प्रभावित छात्रों के लिए मैनुअल री-चेकिंग तुरंत शुरू होनी चाहिए। जब डिजिटल मूल्यांकन पर इतने सवाल उठ चुके हैं, तो पूरा परिणाम दोबारा मैनुअल तरीके से क्यों न तैयार कराया जाए।

कूलर इस्तेमाल करने वाले सावधान!

एक गलती पूरे परिवार को अस्पताल पहुंचा सकती है

गर्मी के मौसम में कूलर का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है, क्योंकि यह सस्ते और आसान तरीके से ठंडी हवा देने का काम करता है। लेकिन कई बार लोग कूलर की नियमित सफाई पर ध्यान नहीं देते, जिससे यह आराम देने की जगह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक बन सकता है।

अगर बात करें कूलर में लगे पैड्स की तो कूलर में लगे गंदे पैड्स धूल-मिट्टी बैक्टीरिया और फंगस के लिए अनुकूल वातावरण बना देते हैं। जब यही दूषित हवा कमरे में फैलती है तो ये शरीर संबंधी कई समस्याओं का कारण बन सकती है।

खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति ज्यादा खतरनाक हो सकती है। इसलिए कूलर का सही रखरखाव और साफ-सफाई गर्मियों में बेहद जरूरी हो जाती है। यहां इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गंदे कूलर पैड्स से क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे कैसे बचाव किया जा सकता है।

गंदे कूलर पैड्स से होने वाले नुकसान

सांस की समस्याएं

कूलर के गंदे पैड्स में धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं, जो हवा के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।

इससे खांसी, जुकाम, गले में खराश और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

लंबे समय तक ऐसे वातावरण में रहने से फेफड़ों पर भी असर पड़ सकता है।

एलर्जी का खतरा

गंदे कूलर पैड्स में फंगस और मोल्ड तेजी से विकसित हो सकते हैं।

यह त्वचा और आंखों में जलन, खुजली और एलर्जिक रिएक्शन का कारण बन सकते हैं।

जिन लोगों को पहले से एलर्जी की समस्या होती है, उनके लिए यह स्थिति और भी खराब हो सकती है।

बदबू और खराब हवा

अगर कूलर की सफाई लंबे समय तक न की जाए तो उसमें से निकलने वाली हवा में एक अजीब सी बदबू आने लगती है।

यह बदबू कमरे के वातावरण को अस्वस्थ बनाती है और सिरदर्द या बेचैनी का कारण भी बन सकती है।

संक्रमण का खतरा

गंदे पानी और दूषित पैड्स के कारण कूलर में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ सकते हैं।

यह हवा के माध्यम से शरीर में प्रवेश करके संक्रमण का कारण बन सकते हैं, जिससे बुखार और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों और बुजुर्गों के लिए जोखिम

कमजोर इम्यून सिस्टम वाले बच्चों और बुजुर्गों पर गंदे कूलर की हवा का असर ज्यादा तेजी से पड़ता है।

इससे उन्हें सांस संबंधी बीमारियां और संक्रमण का खतरा अधिक रहता है, इसलिए उनके कमरे में विशेष सावधानी जरूरी होती है।

कूलर का सही रखरखाव कैसे करें?

हर 2–3 दिन में पानी बदलें

कूलर पैड्स को नियमित साफ करें

टंकी को अच्छी तरह धोएं

कमरे में वेंटिलेशन बनाए रखें

जरूरत पड़ने पर एंटी-बैक्टीरियल लिक्विड का इस्तेमाल करें

क्या बाइक के टायर को आपस में बदलना चाहिए?

90% लोग नहीं जानते हैं इसका सही जवाब

हम सभी अपनी मोटरसाइकिल या स्कूटर की माइलेज और सर्विसिंग का तो पूरा ध्यान रखते हैं, लेकिन टायरों की तरफ हमारा ध्यान तभी जाता है जब वे पूरी तरह घिस जाते हैं या पंचर होने लगते हैं। कारों में टायरों की उम्र बढ़ाने के लिए उन्हें आपस में अदला-बदली करने की सलाह दी जाती है, जिसे देखकर कई आम इंसानों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या बाइक के अगले और पिछले टायर को भी आपस में बदला जा सकता है?

बहुत से लोग इसे टायर की उम्र बढ़ाने का एक बढ़िया हैक समझते हैं। लेकिन दोपहिया वाहनों का गणित कारों से बिल्कुल अलग होता है। इसलिए आइए इस लेख में समझते हैं कि बाइक के मामले में ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए।

बाइक के अगले और पिछले टायर का साइज और डिजाइन अलग होता है

अधिकांश मोटरसाइकिलों में पीछे का टायर आगे के टायर के मुकाबले काफी चौड़ा और बड़ा होता है ताकि गाड़ी को बेहतर ग्रिप और मजबूती मिल सके।

इसलिए साइज और थ्रेड का यह तकनीकी अंतर दोनों टायरों को एक-दूसरे की जगह नहीं फिट किया जा सकता है।

बता दें कि अगले टायर का काम दिशा बदलना और पानी को काटना होता है, जबकि पिछले टायर का काम इंजन की पूरी ताकत को सड़क पर ट्रांसफर करना होता है।

जबरदस्ती टायर बदलने से होने वाले बड़े नुकसान और खतरे

अगर आप किसी जुगाड़ से दोनों टायरों को आपस में बदल भी दें, तो बाइक का पूरा संतुलन बिगड़ जाएगा और तेज रफ्तार में गाड़ी लहराने लगेगी।

पीछे छोटा टायर लगाने से इंजन पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा, जिससे आपकी बाइक की माइलेज और परफॉर्मेंस दोनों पूरी तरह खराब हो जाएगी।

बता दें कि मोड़ पर मुड़ते समय चौड़ा टायर आगे होने की वजह से हैंडल बहुत भारी हो जाएगा और गाड़ी के अचानक फिसलने का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा।

मोटरसाइकिल टायरों की उम्र बढ़ाने के असली और सुरक्षित हैक्स

हफ्ते में कम से कम एक बार टायरों में कंपनी द्वारा बताए गए नियम के अनुसार सही हवा का प्रेशर जरूर चेक करवाएं, कम हवा से टायर जल्दी घिसते हैं।

अगर आपकी बाइक में दोनों टायर बिल्कुल एक ही साइज के हैं (जैसे कुछ मोपेड या स्कूटर में), तो ही आप आधिकारिक मैकेनिक की सलाह पर उन्हें आपस में रोटेट करा सकते हैं।

टायर के बीच में बने खांचों पर नजर रखें, अगर खांचे घिसकर समतल हो गए हैं, तो जुगाड़ करने के बजाय तुरंत नया टायर लगवाएं।

गर्मी में बार-बार भूख नहीं लगती? आजमाएं गर्मियों का ये हल्का खाना, शरीर को मिलेगी ऊर्जा और ठंडक

नौतपा के दौरान गर्मी अपने चरम पर होती है। तेज धूप, उमस और लगातार बढ़ता तापमान शरीर को जल्दी थका देता है। ऐसे मौसम में कई लोगों को बार-बार भूख नहीं लगती, भारी खाना खाने का मन नहीं करता और पेट भरा-भरा महसूस होता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्मियों में शरीर का मेटाबॉलिज्म थोड़ा धीमा हो जाता है, जिसकी वजह से भूख कम हो सकती है।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि खाना छोड़ दिया जाए। शरीर को इस मौसम में भी सही पोषण और हाइड्रेशन की जरूरत होती है। अगर आप ज्यादा ऑयली, मसालेदार या भारी खाना खाते हैं, तो इससे सुस्ती, गैस, डिहाइड्रेशन और थकान की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में हल्के, ठंडक देने वाले और आसानी से पचने वाले समर मील शरीर को एनर्जी देने में मदद करते हैं।

आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि नौतपा की भीषण गर्मी में कौन-से लाइट समर मील खाने चाहिए, जिससे शरीर ठंडा रहे, भूख भी बनी रहे और आप दिनभर एक्टिव महसूस करें। अगर गर्मियों में आपका खाने का मन कम करता है, तो ये आसान और हेल्दी विकल्प आपके बेहद काम आएंगे।

गर्मियों में बार-बार भूख क्यों नहीं लगती?

गर्मी में शरीर का तापमान बढ़ने पर पाचन प्रक्रिया थोड़ी धीमी हो सकती है। ज्यादा गर्मी और पसीने की वजह से शरीर भारी भोजन को पचाने में ज्यादा ऊर्जा खर्च करता है। इसी कारण भूख कम लगने लगती है।

5 बेस्ट लाइट समर मील

दही-चावल

पेट को ठंडक देता है।

आसानी से पच जाता है।

इसे बनाना भी आसान है तो गर्मी में घंटों किचन में नहीं बिताना पड़ता। आप आसानी से चावल बना सकते हैं और मीठे या नमकीन दही के साथ इसका सेवन कर सकते हैं।

मूंग दाल खिचड़ी

हल्की और पौष्टिक

कमजोरी महसूस नहीं होने देती।

हल्के और पौष्टिक खाने की लिस्ट में खिचड़ी को टॉप पर रखा जा सकता है। भूख न भी लगी हो तो भी मूंग दाल की खिचड़ी का सेवन आपको रिफ्रेश और एनर्जेटिक बना सकता है। इसे कम सामग्री में मिनटों में तैयार किया जा सकता है।

फ्रूट सलाद

शरीर को हाइड्रेट रखता है

विटामिन्स से भरपूर

अगर खाना खाने का मन न हो, या भूख न लगी हो, या गर्मी ने परेशान हो गए हों तो खाने में फल का सेवन करें। फल पोषण देते हैं, पेट को ठंडक पहुंचाते हैं और शरीर को हाइड्रेट रखते हैं।

छाछ और पुदीना

गर्मी में राहत देता है।

पाचन को सपोर्ट करता है।

भूखन भी लगी हो तो छाछ या पुदीना से तैयार ड्रिंक का सेवन करें। इससे गर्मी से राहत मिलती है। पेट को आराम मिलता है और पाचन में सुधार होता है।

ओट्स या दलिया

हल्का लेकिन एनर्जी देने वाला भोजन है।

लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराता है।

आप आसानी से ओट्स या दलिया बना सकते हैं। इसका सेवन पेट को फुल रखता है, ऊर्जा देता है और गर्मी से राहत दिलाता है। आप दलिया की खिचड़ी, सोक्ड दलिया या दूध वाली मीठी दलिया का सेवन कर सकते हैं।

क्या दही और छाछ गर्मी में फायदेमंद हैं?

दही और छाछ गर्मियों में शरीर को ठंडक देने में मदद करते हैं। इसके सेवन के कई फायदे हैं, जैसे

पेट को ठंडा रखते हैं।

डिहाइड्रेशन कम करने में मदद करते हैं।

पाचन बेहतर बना सकते हैं।

छाछ में भुना जीरा और पुदीना मिलाकर पीना और भी फायदेमंद माना जाता है।

कौन-से फल गर्मियों में ज्यादा खाने चाहिए?

तरबूज

खरबूजा

खीरा

आम (सीमित मात्रा में)

पपीता

इनमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे शरीर हाइड्रेट रहता है।

आरओ का फिल्टर कितने दिनों में बदल लेना चाहिए?

देश में अधिकतर इलाके ऐसे हैं जहां पर लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता। कहीं पर खारा पानी आता है तो कहीं पर गंदा पानी जिसका टीडीएस काफी अधिक होने की वजह से लोग इसे पी नहीं सकते।

ऐसे में इस पानी को पीने के लिए बनाने के लिए लोग आरओ का इस्तेमाल करते हैं जिसकी मदद से पानी को साफ किया जाता है। पर क्या आप ये जानते हैं कि आपको अपने आरओ के फिल्टर को कितने दिन में बदल लेना चाहिए? शायद नहीं, क्योंकि लोग इसको लेकर लापरवाही करते हैं। चलिए जानते हैं आरओ के फिल्टर को कितने दिनों में बदल लेना चाहिए...

आरओ का काम क्या होता है?

वॉटर प्यूरीफायर पानी में मौजूद हानिकारक टीडीएस को कम करके पानी को पीने लायक बनाता है

स्वास्थ्य मानकों के मुताबिक, पीने वाले पानी में टीडीएस 50 से 120 Mg/L के बीच ही होना चाहिए। कैसे पता लगाएं कि आरओ का फिल्टर खराब हो गया है?

पानी का स्वाद बदल गया है यानी पानी खारा लग रहा है

ऐसी स्थिति में फिल्टर को तुरंत बदलवाएं, क्योंकि इसका मतलब होता है कि फिल्टर खराब हो चुका है।पानी फिल्टर होने में पहले से अधिक समय लग लग रहा है

आरओ के फिल्टर को कितने दिनों में बदलवाएं?

सेडिमेंटर फिल्टर धूल, मिट्टी और रेत के बड़ कणों को पानी में जाने से रोकता है। आपको इस फिल्टर को 6-12 महीनों के भीतर बदलवा लेना चाहिए।

कार्बन फिल्टर

ये फिल्टर पानी से क्लोरीन और बदबू को दूर करने का काम करता है।इस फिल्टर को 6-12 महीनों में बदलवा लेना चाहिए।

आरओ मेम्ब्रेन

ये टीडीएस और भारी धातुओं को छानकर बाहर निकालने का काम करता है। वैसे तो इसे 2-3 साल के भीतर बदल लेना चाहिए, लेकिन अगर आपके वहां के पानी का टीडीएस अधिक है तो आपको इसे 1.5-2 साल के भीतर बदल लेना चाहिए।

गर्मी में पसीने की बदबू से हैं परेशान तो नहाने के पानी में मिलाएं ये चीजें

गर्मी का मौसम आते ही पसीना और उससे आने वाली बदबू कई लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन जाती है। खासकर जब लंबे समय तक बाहर रहना पड़े या ज्यादा गर्मी में काम करना हो, तो शरीर से आने वाली दुर्गंध आत्मविश्वास तक को प्रभावित कर सकती है। कई लोग महंगे डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उनका असर कुछ घंटों तक ही रहता है। असली समस्या तब होती है जब शरीर में बैक्टीरिया पसीने के साथ मिलकर बदबू पैदा करने लगते हैं।

ऐसे में अगर आप बिना ज्यादा खर्च किए शरीर की दुर्गंध से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो कुछ घरेलू चीजें आपकी मदद कर सकती हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार नहाने के पानी में कुछ प्राकृतिक चीजें मिलाने से शरीर लंबे समय तक फ्रेश रहता है और पसीने की बदबू भी कम हो सकती है। खास बात यह है कि ये उपाय स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद माने जाते हैं। अगर आप भी पसीने की बदबू से परेशान हैं, तो ये आसान घरेलू उपाय जरूर ट्राई करें।

गर्मियों में शरीर से बदबू ज्यादा क्यों आती है?

गर्मी में शरीर ज्यादा पसीना निकालता है। जब यह पसीना त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के संपर्क में आता है, तो बदबू पैदा होती है। अगर शरीर की सफाई सही तरीके से न हो या ज्यादा देर तक पसीना शरीर पर जमा रहे, तो शरीर की दुर्गंध की समस्या बढ़ सकती है।

5 चीजें जो नहाने के पानी में मिलानी चाहिए

नींबू का रस

गुलाब जल

फिटकरी

नीम का पानी

बेकिंग सोडा

नहाने के पानी में नींबू मिलाने से क्या फायदा होता है?

नींबू के फायदे,

बैक्टीरिया कम करने में मदद करता है। शरीर को फ्रेश महसूस कराता है। पसीने की बदबू कम हो सकती है।

एक बाल्टी पानी में 1-2 नींबू का रस मिलाकर नहाने से ताजगी महसूस होती है।

क्या गुलाब जल शरीर की बदबू कम करने में मदद करता है?

हां, गुलाब जल शरीर को ठंडक और हल्की प्राकृतिक खुशबू देता है। इस्तेमाल का तरीका जान लें, नहाने के पानी में 3-4 चम्मच गुलाब जल मिलाएं।

इससे स्किन भी फ्रेश महसूस करती है।

गर्मी में शरीर की चिपचिपाहट कम हो सकती है।

क्या बेकिंग सोडा इस्तेमाल करना सही है?

बेकिंग सोडा शरीर की दुर्गंध कम करने में मदद कर सकता है क्योंकि यह बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में सहायक माना जाता है। ध्यान रखें कि

बहुत ज्यादा मात्रा में इस्तेमाल न करें

संवेदनशील त्वचा वाले लोग पहले पैच टेस्ट करें

हफ्ते में 2-3 बार ही इस्तेमाल करें।

फिटकरी और नीम का पानी क्यों फायदेमंद माना जाता है?

फिटकरी

एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

पसीने की दुर्गंध कम करने में मदद मिल सकती है।

नीम का पानी,

स्किन इंफेक्शन से बचाने में मददगार होता है।

खुजली और बैक्टीरिया कम करने में सहायक है।

नीम की पत्तियों को उबालकर उस पानी को नहाने के पानी में मिलाया जा सकता है।

आप खुद ही तो नहीं दे रहे बच्चों को स्लो पॉइजन? जीवनभर के लिए बिगड़ सकती है दिमाग की बनावट

कई अध्ययन इस बात को स्पष्ट कर चुके हैं कि शरीर को सेहतमंद रखना है और गंभीर बीमारियों से बचे रहना है तो सबसे पहले खान-पान में सुधार कर लेना जरूरी है। इसकी शुरुआत बचपन से ही की जानी चाहिए। बच्चों के आहार के पौष्टिक रखकर आप उन्हें भविष्य के कई खतरों से बचाए रख सकते हैं।

हालांकि मौजूदा समय में बच्चों का खान-पान सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। बर्थडे पार्टी हो या स्कूल का टिफिन, कहीं घूमने जाना हो या फिर शाम की हल्की भूख बच्चों की पहली पसंद अक्सर पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, नूडल्स, चिप्स और कोल्ड ड्रिंक्स ही बनते जा रहे हैं। चूंकि ये आसानी से उपलब्ध होते हैं इसलिए अक्सर माता-पिता भी इसे लाकर दे देते हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि ये सामान्य सी लगने वाली खान-पान की आदत बच्चे के लिए इतनी खतरनाक हो सकती है, जिसे कभी ठीक तक नहीं किया जा सकता? जंक फूड्स से बच्चों में मोटापे का खतरा तो रहता ही है साथ ही अब विशेषज्ञों ने बताया है कि ऐसा खान-पान ब्रेन में ऐसे बदलाव कर सकता है, जिसका असर लंबे समय तक बना रहता है और आमतौर पर इसे कभी ठीक भी नहीं किया जा सकता।

अगर आप भी बच्चों को जंक फूड्स दे रहे हैं तो ये उनकी सेहत, विशेषकर ब्रेन के लिए स्लो-पॉइजन के जैसा हो सकता है।

जंक फूड्स बच्चों की सेहत के लिए खतरनाक

आयरलैंड स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क के विशेषज्ञों ने बताया कि कम उम्र में बहुत ज्यादा जंक फूड खाने से दिमाग में ऐसे बदलाव हो सकते हैं जो लंबे समय तक बने रहते हैं, भले ही बाद में वह व्यक्ति हेल्दी खाना क्यों न खाने लगे।

वैज्ञानिकों ने पाया कि हाई फैट और ज्यादा चीनी वाली चीजें, खाने की आदतें बदल देती है।

इसका दिमाग के उन हिस्सों पर असर पड़ता है जो भूख को कंट्रोल करते हैं।

जंक-फास्ट फूड्स दिमाग के भूख और खाने की प्रक्रिया को कंट्रोल करने के तरीके में बदलाव कर देते हैं। जिसका असर जीवनभर बना रह सकता है।

ये बदलाव तब भी बने रहते हैं जब आप इस तरह की नुकसानदेय चीजें खाना खाना बंद कर देते हैं।

जंक फूड्स खाने से दिमाग पर पड़ता है असर

विशेषज्ञों ने कहा, आजकल के बच्चे हाई प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों से घिरे हुए हैं। इनका जोरदार प्रचार किया जाता है और ये आसानी से उपलब्ध भी हो जाते हैं। 'नेचर कम्युनिकेशंस' में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि हाई कैलोरी और बेहद कम पोषक तत्वों वाले ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर को खोखला कर सकते हैं।

प्रीक्लिनिकल अध्ययन में पाया कि जिन चूहों को जीवन की शुरुआत में ही हाई फैट और हाई शुगर वाली चीजें खाने को दी गईं, उनमें वयस्क होने पर खाने के व्यवहार में लगातार बदलाव देखने को मिले।

ऐसे खाद्य पदार्थ हाइपोथैलेमस पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। हाइपोथैलेमस मस्तिष्क का वह हिस्सा है जो भूख और ऊर्जा के संतुलन को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार होता है।

प्रमुख शोधकर्ता डॉ. क्रिस्टीना क्यूस्टा-मार्टी कहती हैं, हमारे नतीजों से पता चलता है कि हम बचपन में जो खाते हैं, वह सच में मायने रखता है। इसका असर सिर्फ आपके वजन पर नहीं दिखता बल्कि शरीर में कई और गंभीर बदलाव हो सकते हैं।

एक बाद खाने की आदतों में बदलाव से आपको हमेशा वही चीजें खाने की ज्यादा इच्छा होती है।

अगर आप इस इच्छा के चलते लंबे समय तक जंक फूड्स ज्यादा खाते रहते हैं तो ये शरीर में इंफ्लेमेशन को बढ़ाकर डायबिटीज, दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर तक के खतरे को बढ़ा देता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वैज्ञानिकों ने पाया कि अगर प्रोबायोटिक और हाई फाइबर वाली चीजें खाकर गट माइक्रोबायोटा को सुधारा जाए तो इसके खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि इसका कितना असर होता है ये स्पष्ट नहीं है। प्रोबायोटिक और हाई फाइबर वाली चीजें सेहत में तो कुछ सुधार कर सकती हैं पर ब्रेन की आदत को नहीं बदल सकतीं।

दुनिया भर में बच्चों में मोटापे के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इसका एक बड़ा कारण अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स हैं। जंक फूड में हाई कैलोरी, ट्रांस फैट और अतिरिक्त चीनी होती है, जबकि फाइबर और प्रोटीन कम होते हैं। इससे बच्चों में ओवरईटिंग बढ़ती है और वे मोटापे का शिकार हो सकते हैं।

ज्यादा जंक-फास्ट फूड खाने वाले बच्चों को और क्या दिक्कतें होती हैं?

इस तरह के खान-पान में ओमेगा-3, आयरन, जिंक और विटामिन बी जैसे पोषक नहीं होते। इसकी कमी बच्चों की पढ़ाई में कमजोर प्रदर्शन और जल्दी थकान, याददाश्त की कमी जैसी समस्याएं बढ़ा देते हैं।

बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है क्योंकि ऐसे खानपान में शरीर के लिए जरूरी विटामिन्स नहीं होते। बच्चों के बार-बार बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

फास्ट फूड में फाइबर न के बराबर होता है। लो फाइबर वाली डाइट कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं को बढ़ा सकती है।

प्रोसेस्ड फूड में मौजूद प्रिजर्वेटिव और आर्टिफिशियल एडिटिव्स आंतों के गुड बैक्टीरिया को प्रभावित कर सकते हैं।

मीठे पेय और जंक फूड्स ब्लड शुगर तेजी से बढ़ाते हैं। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के मुताबिक इससे भविष्य में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी हो सकता है।

'चुनरी चुनरी' गाना विवाद: वाशु भगनानी के आरोपों पर 'है जवानी...' की टीम ने तोड़ी चुप्पी; सफाई दी

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगडे. नजर आएंगे। रिलीज से पहले एक तरफ फिल्म की टीम प्रमोशन में व्यस्त है। दूसरी तरफ फिल्म के 'चुनरी चुनरी' गाने को लेकर विवाद छिड़ गया है। मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। अब फिल्म के निर्माता रमेश तौरानी, टिप्स और 'है जवानी तो इश्क होना है' की टीम ने प्रोड्यूसर वाशु भगनानी के साथ चल रहे विवाद पर चुप्पी तोड़ी है और उनके आरोपों को खारिज किया है। टीम का कहना है कि सभी आरोप बदले की भावना से प्रेरित हैं।

फिल्म 'है जवानी...' की टीम ने साझा बयान में कहा, 'हाल ही में वाशु भगनानी ने हमारे खिलाफ कई बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। हमारे लिए यह बिल्कुल साफ है कि यह निजी रंजिश से प्रेरित एक बदनामी करने के लिए उठाया गया कदम है। इसका मकसद हमारी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज में रुकावट डालना है'। बयान में आगे दावा किया गया कि वाशु भगनानी के साथ उनका जुड़ाव 1995 का है, जब 'कुली नंबर 1' बन रही थी।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए बयान में कहा गया है, 'भगनानी के साथ हमारा जुड़ाव 1995 का है, जब हमने उन्हें एक प्रोजेक्ट में 50 प्रतिशत की पार्टनरशिप और प्रोड्यूसर का क्रेडिट दिया था, जिसके लिए हमने सारा शुरुआती काम पहले ही कर लिया था। 'कुली नंबर 1' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट साबित हुई और इसने भगनानी को इंडस्ट्री में एक शानदार शुरुआत दी। इन वर्षों में हमने उन्हें हमेशा दिल से सपोर्ट किया और शुभकामनाएं देना जारी रखा। इसी लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते के प्रति सम्मान दिखाते हुए हमने अब तक चुप रहने का फैसला किया था'।

फिल्म बनाने वालों ने यह भी कहा कि भगनानी सोशल मीडिया के जरिए गलत जानकारी फैला रहे हैं और उन्होंने सीधे बातचीत करने की बजाय बिहार की एक अदालत में कानूनी शिकायत दर्ज करने के उनके फैसले पर सवाल उठाया। मेकर्स ने कहा, 'हालांकि, भगनानी सोशल मीडिया समेत अलग-अलग प्लेटफॉर्म के जरिए गलत जानकारी फैलाने पर अड़े हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने बिहार के कटिहार कोर्ट में कानूनी शिकायत दर्ज करने का फैसला किया है, जो मुंबई से 2000 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर है। उन्होंने सीधे बातचीत करने के बजाय हमारी फिल्म से जुड़े सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया'।

अपनी कानूनी स्थिति को दोहराते हुए, टीम ने विवादित म्यूजिकल वर्क पर अपने मालिकाना हक का दावा किया। टीम ने कहा, 'हम भगनानी के रवैये से बेहद दुखी और निराश हैं। हम जनता से गुजारिश करते हैं कि वे इस तरह की जान-बूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता पर ध्यान न दें। हम अपनी बात पर कायम हैं कि 'चुनरी चुनरी' और 'इश्क सोना है' गानों के एकमात्र और वैध मालिक हम ही हैं'।

टीम ने आगे कहा कि चूंकि यह मामला अभी अदालत में विचाराधीन है, इसलिए फिलहाल उनकी ओर से यही एकमात्र आधिकारिक प्रतिक्रिया होगी। हमें यकीन है कि न्याय जरूर मिलेगा'। बता दें कि फिल्म 05 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका मदान, इस फिल्म में आएंगी नजर

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए दिया ऑडिशन

राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे

ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

'आश्रम' के बोल्ड सीन्स पर बॉबी देओल का खुलासा

'आश्रम' सीरीज में बॉबी देओल की परफॉर्मेंस को लोगों ने खूब सराहा। भले ही उन्होंने एक नेगेटिव किरदार निभाया, लेकिन दर्शकों से उन्हें जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। हाल ही में एक बातचीत में बॉबी देओल ने बताया कि सीरीज में जो बोल्ड सीन थे, उनके बारे में उन्होंने सबसे पहले सिर्फ अपनी पत्नी तान्या देओल को ही बताया था।

अपने परिवार में किसी को नहीं बताया

बॉबी देओल हाल ही में शेखर सुमन के चैट शो 'शेखर टूनाइट' में नजर आए। यहां उन्होंने खुलासा किया कि जब उन्होंने पहली बार इस सीरीज की कहानी सुनी थी, तो उन्होंने अपने परिवार में किसी को नहीं बताया था।

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले जब मैंने कहानी सुनी, तो मैंने अपने पिता, मां या यहां तक कि अपने भाई को भी नहीं बताया। मैंने सिर्फ एक ही इंसान को बताया- मेरी पत्नी। मुझे उन्हें बताना जरूरी था, वरना अगर उन्हें बाद में पता चलता तो मैं मुश्किल में पड़ जाता।'

आज मैं जो भी हूं, अपनी पत्नी की वजह से हूं

आगे उन्होंने अपनी पत्नी तान्या को अपने मुश्किल समय में साथ देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'आज मैं जो भी हूं, वो अपनी पत्नी की वजह से हूं। जब मैं अपने खराब दौर से गुजर रहा था, तब उन्होंने पूरे घर को संभाला। मुझे लगता है कि वो मेरी ताकत हैं।'

'बंदर' फिल्म के बारे में

दमदार कहानी, शानदार स्टारकास्ट और अनुराग कश्यप के निर्देशन की वजह से 'बंदर' फिल्म को 2026 की सबसे एक्साइटिंग फिल्मों में गिना जा रहा है।

फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद, राज बी शेट्टी, जीतेंद्र जोशी, सपना पब्बी, इंद्रजीत सुकुमारन, रिद्धि सेन और नागेश भोसले अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

भाग्यश्री बोरसे ने की कमल हासन से मुलाकात

'सेयोन' की शूटिंग से पहले तस्वीरें की शेयर; लिखा- 'आपको बचपन से देखा है'

साउथ अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे ने कमल हासन से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश लिखा है। उन्होंने शिवकार्तिकेयन अभिनीत इस फिल्म 'सेयोन' पर काम शुरू करने को लेकर आभार और उत्साह व्यक्त किया है।

अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे जल्द ही अभिनेता शिवकार्तिकेयन की आने वाली फिल्म 'सेयोन' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले भाग्यश्री ने दिग्गज अभिनेता और निर्माता कमल हासन से खास मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें अभिनेत्री ने एक्स हैंडल पर शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक बेहद भावुक नोट भी लिखा है।

भाग्यश्री ने एक्स पर तस्वीरों के साथ लिखा कि जब कमल हासन ने उनके कंधे पर हाथ रखकर उन्हें फिल्म के लिए शुभकामनाएं दीं, तो वह खुशी से झूम उठीं। इसके साथ ही भाग्यश्री ने राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ काम करने पर गर्व जताया और टीम का दिल जीतने का वादा किया।इस महीने की शुरुआत में भाग्यश्री के जन्मदिन पर मेकर्स ने फिल्म 'सेयोन' में उनके शामिल होने की आधिकारिक घोषणा की थी। एक खास पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें वह मोर का पंख पकड़े नजर आ रही थीं। भाग्यश्री बोरसे ने दुलकर सलमान की फिल्म 'कांथा' से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था।

'सेयोन' में शिवकार्तिकेयन, भाग्यश्री बोरसे, बाला सरवनन और अरुलडोस जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत, विवेक विजयकुमार की सिनेमैटोग्राफी और सुप्रीम सुंदर का एक्शन डायरेक्शन है। फिल्म 'सेयोन' का प्री-प्रोडक्शन पूरा हो चुका है और शूटिंग जल्द शुरू होगी। यह फिल्म इसी साल अक्तूबर में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और एक्टर पवन कल्याण से मिले निर्माता

तेलुगु इंडस्ट्री के मुद्दों पर हुई बातचीत

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण व प्रोड्यूसर नागा वामशी

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के कई निर्माताओं ने राजा महेंद्रवरम में आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण से मुलाकात की। इस मुलाकात में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। मुलाकात के बाद प्रोड्यूसर नागा वामशी, रवि शंकर और अन्य निर्माताओं ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि उन्होंने पवन कल्याण के साथ पिछले दो हफ्तों में इंडस्ट्री में हुए नए घटनाक्रमों और चल रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की है।

समस्या का स्थायी समाधान खोजने की दिशा में होगा काम

निर्माताओं ने कहा, 'डिप्टी सीएम ने इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार इन समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने की दिशा में काम करेगी।' निर्माताओं ने आगे बताया कि इस बातचीत में उन व्यापक मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जो फिल्म दिखाने वालों और थिएटर मैनेजमेंट को प्रभावित करते हैं। पवन कल्याण ने भी निर्माताओं को भरोसा दिलाया कि प्रोड्यूसर्स और एग्जिबिटर के बीच के विवादों को जल्द ही बातचीत और आपसी समझ के जरिए सुलझा लिया जाएगा।

'पेद्दी' फिल्म को लेकर भी दिया नया अपडेट

निर्माताओं ने 'पेद्दी' फिल्म की रिलीज से जुड़ी चिंताओं पर भी जवाब देते हुए कहा कि पांच शो दिखाने की अनुमति मिल गई है। साथ ही सिंगल स्क्रीन थिएटरों के आवंटन को लेकर फिलहाल कोई रुकावट नहीं है। क्योंकि इस बारे में पहले ही समझौते हो चुके थे।

मीडिया से बात करते हुए निर्माताओं ने बैठक के बाद अपना भरोसा जाहिर किया और कहा कि डिप्टी सीएम ने उन्हें पक्का भरोसा दिलाया है कि राज्य सरकार फिल्म इंडस्ट्री का समर्थन करेगी। इसकी चिंताओं को जल्द से जल्द दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाएगी।

शॉर्ट फिल्म बना रहीं रेणुका शहाणे, पति के साथ काम करने का अनुभव किया शेयर

एक्ट्रेस रेणुका शहाणे और आशुतोष राणा ने हाल ही में अपनी शादी की 25वीं सालगिरह बड़े धूमधाम से मनाई। इस खास मौके पर दोनों काफी खुश हैं, लेकिन इस साल उनके पास खुश होने की एक और वजह भी है। अब ये जोड़ी एक नए रोल में साथ काम करने जा रही है- एक्टर और डायरेक्टर के तौर पर।

ये एक बड़ा रिस्क है...

रेणुका शाहाने ने बताया कि वह इस साल पहली बार अपने पति आशुतोष राणा को एक शॉर्ट फिल्म में डायरेक्ट कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'डायरेक्शन करते समय हमेशा थोड़ी घबराहट होती है, लेकिन इस बार यह और खास है क्योंकि फिल्म में राणा जी मुख्य भूमिका में हैं। पहली बार वो कैमरे के सामने हैं और मैं उसके पीछे हूं, और ये किसी भी तरफ जा सकता है। ये एक बड़ा रिस्क है, क्योंकि जरूरी नहीं कि आप अच्छे पार्टनर हैं तो स्क्रीन पर भी वही केमिस्ट्री दिखे। लेकिन ये मेरे सोच से भी बेहतर निकला। डायरेक्टर-एक्टर के तौर पर हम एक बेहतरीन टीम हैं।'

आशुतोष मिट्टी की तरह हैं

जब उनसे पूछा गया कि सेट पर आशुतोष एक एक्टर के तौर पर कैसे थे, तो रेणुका ने कहा, 'उनके साथ काम करना किसी सपने जैसा है, क्योंकि वो बहुत खुले और भरोसा करने वाले इंसान हैं। वो पूरी तरह डायरेक्टर की सोच के साथ चलते हैं। मैंने ये बात तब भी देखी थी जब वो 'संघर्ष' की शूटिंग कर रहे थे। जिस तरह वो डायरेक्टर की बात मानते हैं, उससे लगता है कि वो मिट्टी की तरह हैं, जिन्हें आप अपने हिसाब से ढाल सकते हैं। वो एक्टर के तौर पर किसी तरह की पहले से बनी सोच लेकर नहीं आते।'

आशुतोष राणा और रेणुका शहाणे के बारे में

बता दें कि एक्टर आशुतोष राणा और अभिनेत्री रेणुका शहाणे की शादी 25 मई 2001 को हुई थी। दोनों ने मध्य प्रदेश के दमोह, जो आशुतोष राणा का होमटाउन है, वहां एक निजी और पारंपरिक समारोह में सात फेरे लिए थे। यह शादी बहुत सादगी और पारिवारिक माहौल में हुई थी, जिसमें सिर्फ करीबी लोग ही शामिल हुए थे।

अक्षय कुमार के साथ काम करके फूली नहीं समा रहीं अक्षरा सिंह

'वेलकम 3' के गाने को लेकर फैंस से की ये अपील

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह हाल ही में रिलीज हुए अपने गाने 'घिस घिस घिस' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में वह बॉलीवुड के मशहूर एक्टर अक्षय कुमार के साथ नजर आई हैं। यह गाना अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का है। इस गाने को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। ऐसे में अभिनेत्री ने अक्षय कुमार के साथ एक फोटो शेयर की है और एक पोस्ट लिखी है।

अक्षरा सिंह की पोस्ट में क्या है?

अक्षरा सिंह गाना पसंद करने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ लिखा 'एक कलाकार के लिए इससे खूबसूरत एहसास शायद कुछ नहीं होता। घिस घिस घिस गाना पसंद करने के लिए धन्यवाद। आप लोगों का दिल से शुक्रिया। हमेशा याद रहेगा ये प्यार। इस गाने पर सिर्फ व्यू नहीं मिले बल्कि प्यार मिला, कमेंट मिले, यह सब दिल तक पहुंचे। इतने अपने लोग साथ खड़े हैं, इतना प्यार दे रहे हैं सच में बहुत खुश और कृतज्ञ महसूस कर रही हूं।

मैसिव हिट बना दीजिए।'

अक्षरा के साथ झूमे अक्षय

आपको बता दें कि 'घिस घिस घिस' गाने में अक्षय कुमार ने अक्षरा सिंह के साथ डांस किया है। वह शॉर्ट कुर्ता और पजामा में हैं। वहीं अक्षरा सिंह साड़ी में नजर आ रही हैं। गाना भोजपुरी अंदाज में फिल्माया गया है।

गाने के बोल भी भोजपुरी में हैं। गाने के बोल अभिनव शेखर ने लिखे हैं। इसे विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक ने आवाज दी है।

नौ साल की बच्ची के साथ नाना ने की घिनौनी हरकत, भूमि पेडनेकर हुईं हैरान; बलिया दुष्कर्म मामले पर सुनाई खरी-खरी

वेलकम टू द जंगल' की स्टार कास्ट और रिलीज

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में कई कलाकार हैं। मुख्य कलाकारों में शामिल हैं- अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जॉनी लीवर, तुषार कपूर और राजपाल यादव। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। इस फिल्म को राकेश डांग, वेदांत विकास बाली और फिरोज ए. नाडियाडवाला ने मिलकर निर्मित किया है।

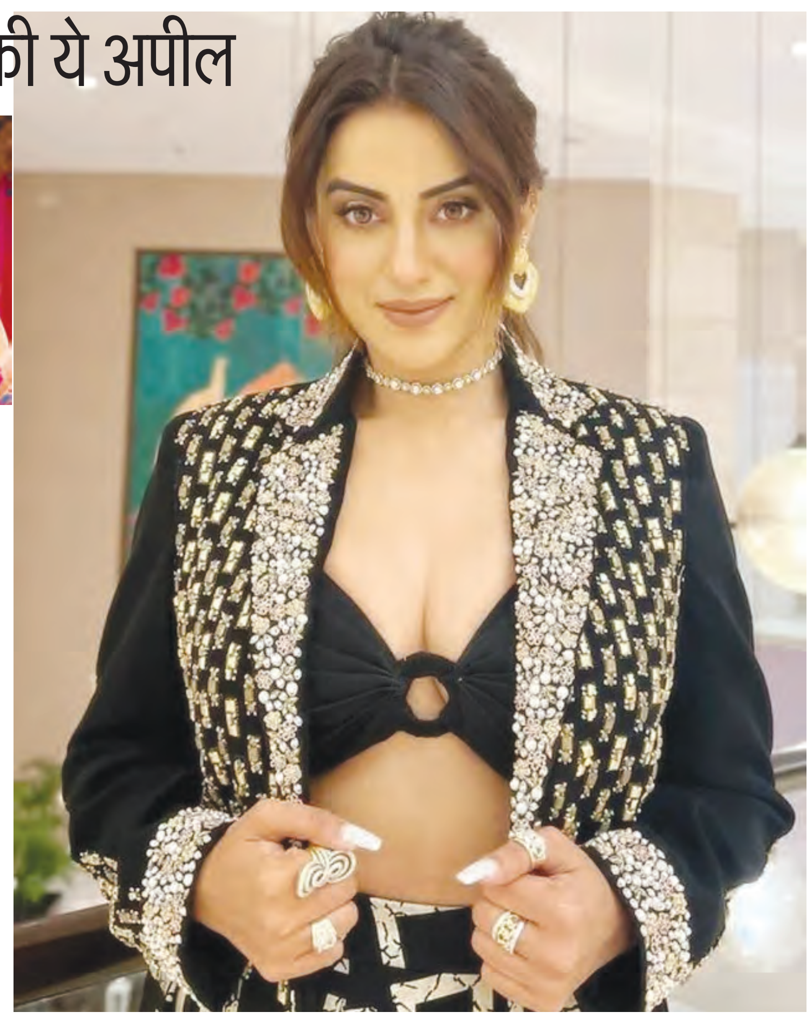

इस्तीफे के सवाल पर सीएम सिद्धारमैया बोले–कल बात करेंगे

कर्नाटक कांग्रेस विधायक का दावा- कल पद छोड़ सकते हैं, शिवकुमार का सीएम बनना तय

नई दिल्ली/बेंगलुरु, 27 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं। सिद्धारमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात के लिए समय मांगा है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सीएम बन सकते हैं।

इस बीच, कांग्रेस विधायक आरवी देशपांडे ने कहा , 'मुख्यमंत्री पहले ही इस्तीफा देने का फैसला कर चुके हैं। वह कल इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने मुझे बताया कि मैं हाईकमान को वचन दे चुका हूं। अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला हाईकमान करेगा।' इस बीच कर्नाटक कांग्रेस इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला बेंगलुरु पहुंच गए हैं।

कर्नाटक में फेरबदल पर 4 दावे किए जा रहे हैं

सिद्धारमैया सुबह अपने मंत्रिमंडल के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग करेंगे।

डीके शिवकुमार को कल कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना जाएगा। कल ही कांग्रेस डीके के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा पेश करेगी।

सिद्धारमैया गवर्नर थावरचंद गहलोत को इस्तीफा सौंपेंगे।

बिहार में भाजपा के अपनाए फॉर्मूले की तर्ज पर कांग्रेस सिद्धारमैया के बेटे को मंत्री बना सकती है।

हालांकि कांग्रेस के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने आज बेंगलुरु में कहा कि अभी तक कांग्रेस विधायक दल की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है और अब तक कोई फैसला नहीं लिया गया है।

दिल्ली में राहुल-खड़गे के साथ 6 घंटे बैठक हुई

26 मई को सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दिल्ली पहुंचे थे। दोनों नेताओं की मंगलवार को

दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकर्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी के साथ 6 घंटे तक बैठक हुई। महासचिव वेणुगोपाल ने कहा था- जो अटकलें लगाई जा रही हैं, वे सिर्फ अटकलें हैं। इनमें कोई सच्चाई नहीं है। बैठक में राज्यसभा और विधान परिषद (MLC) चुनावों पर चर्चा हुई।

पार्टी सूत्रों ने बताया था कि पहले सिद्धारमैया ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। सिद्धारमैया ने पार्टी नेतृत्व से कहा था कि अगर मुझे हटाया गया तो पार्टी टूटेगी, क्योंकि 50-60 विधायक मेरे साथ हटेंगे। मैं डीके शिवकुमार के नीचे काम नहीं करूंगा।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा 2023 से चल रही है। शिवकुमार के समर्थक विधायक कहते आ रहे हैं कि 2023 में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब मुख्यमंत्री पद के लिए 2.5-2.5 साल की डील हुई थी, लेकिन सिद्धारमैया समर्थक इसे नकारते आए हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का 20 नवंबर 2025 को 2.5 साल का कार्यकाल पूरा हुआ था। कुछ विधायक जो डिप्टी CM डीके शिवकुमार के समर्थक माने जाते हैं, वे दिल्ली जाकर खड़गे से मिले थे।

दिसंबर 2025: सिद्धारमैया बोले- जब हाईकमान कहेगा शिवकुमार सीएम होंगे

करीब 20 दिनों की खींचतान के बाद कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि जब हाईकमान कहेगा, तब शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। उन्होंने यह बात 'शिवकुमार को कब सीएम बनाया जाएगा' से जुड़े सवाल पर कही थी।

सिद्धारमैया ने कहा था कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है और दोनों राज्य सरकार को एकजुट होकर चला रहे हैं।

गुजरात के कच्छ से 1180 करोड़ की कोकीन जब्त

ब्राजील से आई खेप दिल्ली भेजने की तैयारी थी, तीन विदेशी गिरफ्तार, एक फरार

कच्छ, 27 मई (एजेंसियां)। गुजरात में कच्छ से करीब 1180 करोड़ रुपए कीमत की 118 किलो कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। अरेस्ट किए गए तीनों ही आरोपी विदेशी हैं।

गुजरात डीजीपी डॉ. केएलएन राव ने बताया कि सूचना मिलने के बाद इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस मुंद्रा पोर्ट पर एक संयुक्त ऑपरेशन चला रही थीं। इसी के तहत मंगलवार की सुबह भारतीय समुद्री सीमा से एक कंटेनर जहाज पकड़ा गया।

जहाज ब्राजील, कई लैटिन अमेरिकी देशों, मेक्सिको, अमेरिका और कराची होते हुए गुजरात के तट तक पहुंचा था। जहाज में नाइजीरिया की नागरिकता वाले दो आरोपी सवार थे, जिनमें से एक समुद्र में कूदकर फरार हो गया। पकड़े गए एक आरोपी ने बताया कि खेप दिल्ली के द्वारका में रहने वाले दो लोगों तक पहुंचाई जाने वाली थी।

इनकी पहचान क्लैविन चुकवुमा (तंजानिया का नागरिक) और ब्यारुहांगा जेम्स (युगांडा का नागरिक) के रूप में हुई है। दोनों को अरेस्ट कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है कि कोकीन की डिलीवरी देश

में किसे और कहां होने वाली थी।

गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के मुताबिक यह जहाज मुंद्रा तट से करीब 5 नॉटिकल मील (करीब साढ़े 9 किमी) दूर लंगर डाले खड़ा था। कोस्टगार्ड ने की घंटों तक इस पर नजर रखी। इसी दौरान अधिकारियों ने देखा कि जहाज से कुछ संदिग्ध बैग समुद्र में फेंके जा रहे हैं। इसके बाद कोस्टगार्ड और एटीएस की संयुक्त टीम हरकत में आई और रात में ही जहाज को घेरकर अपने कब्जे में ले लिया।

एटीएस की छापेमारी में जहाज पर दो लोग मिले थे। इनमें से जुम्मा नासिर उमर नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यह मूल रूप से नाइजीरिया का रहने वाला है। वहीं, एक अन्य आरोपी ने समुद्र में छलांग लगा ली थी, जिसकी तलाश की जा रही है। जहाज को कच्छ पोर्ट पर लाया गया है।

इससे पहले 13 अप्रैल 2025 में पोरबंदर से 1800 करोड़ रुपए कीमत की 300 किलो ड्रग्स जब्त की गई थी। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) और कोस्टगार्ड ने 12 अप्रैल की रात जॉइंट ऑपरेशन में पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र से ड्रग्स की खेप पकड़ी थी।

गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के बाद कोस्टगार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) की ओर सर्चिंग के लिए जहाज भेजा था। कोस्टगार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को कहा। इससे घबराए तस्कर ड्रग्स के पैकेट्स समुद्र में फेंककर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भाग निकले थे।

यूपी में आज बकरीद की छुट्टी

योगी सरकार ने बदली तारीख, मौलाना बोले– सड़क पर नमाज नहीं होनी चाहिए

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। यूपी में ईद-उल-अजहा यानी बकरीद की सरकारी छुट्टी अब 27 की बजाय 28 मई को रहेगी। योगी सरकार ने मंगलवार को इसके आदेश जारी कर दिए। इसके मुताबिक, अब 27 मई को सभी सरकारी दफ्तर और बैंक खुले रहेंगे, लेकिन 28 मई को बंद रहेंगे।

सामान्य प्रशासन के प्रमुख सचिव एसवीएस रंगा राव की तरफ से जारी संशोधित आदेश के अनुसार, चांद दिखने और पर्व की तिथि को देखते हुए छुट्टी की नई तारीख तय की गई है।

मुस्लिम धर्मगुरुओं ने लोगों से सड़कों पर नमाज अदा न करने को कहा है, ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। उन्होंने कुर्बानी के दौरान साफ-सफाई और एहतियात बरतने की भी अपील की। कुर्बानी निर्धारित स्थानों पर ही करें और अवशेष खुले में न डालें।

अलीगढ़ के शाही मुफ्ती मौलाना इफराहीम हुसैन ने कहा, सड़क पर नमाज की अनुमति ईद पर ही क्या अन्य दिनों में भी नहीं होनी चाहिए। इस्लाम हमें यह नहीं सिखाता कि किसी को तकलीफ पहुंचाई जाए। सड़कें सार्वजनिक होती हैं। इसमें सभी का हिस्सा होता है।

शिया धार्मिक नेता मौलाना सैफ अब्बास ने कहा, बकरीद के दिन आपको कुर्बानी करनी चाहिए। हमारे देश के संविधान में जिन जानवरों की कुर्बानी करने की अनुमति दी गई है, उनकी ही कुर्बानी करनी चाहिए। हमें गाय की तरफ नजरें उठाकर भी नहीं देखना चाहिए क्योंकि हमारे हिंदू भाई उसकी पूजा करते हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति गाय की कुर्बानी देता है तो वो इस्लाम के खिलाफ काम करेगा। इस्लाम में कहा गया है कि दूसरे धर्मों का सम्मान करना चाहिए। गाय की कुर्बानी की कोई जरूरत नहीं है।

28 मई को ताजमहल में पर्यटकों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। अधीक्षण पुरातत्वविद् के आदेश के मुताबिक, सुबह 7 बजे से 10 बजे तक स्मारक में सभी भारतीय और विदेशी पर्यटक बिना टिकट प्रवेश कर सकेंगे। भारतीय पर्यटकों से 50 रुपए, जबकि विदेशी पर्यटकों से 1100 रुपए एंट्री फीस ली जाती है।

एक हफ्ते पहले सीएम योगी ने सड़कों पर नमाज को लेकर सख्त चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ने दी जाएगी। प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। योगी ने कहा, नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे। सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं।

ईरान बोला–अमेरिका से समझौते का ड्राफ्ट तैयार

एक महीने के भीतर होर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू होगी, अमेरिका नौसैनिक घेराबंदी हटाएगा

तेहरान/वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते का शुरुआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक ईरान के सरकारी टीवी ने एक शुरुआती और अनौपचारिक दस्तावेज मिलने का दावा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान समझौते का ढांचा तैयार किया गया है।

ड्राफ्ट के अनुसार अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य मौजूदगी हटाएगा और नौसैनिक घेराबंदी खत्म करेगा। इसके बदले ईरान 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध से पहले के स्तर पर बहाल करेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह व्यवस्था अमेरिकी सैन्य जहाजों पर लागू नहीं होगी। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही का प्रबंधन ईरान और ओमान मिलकर करेंगे।

ईरानी सरकारी मीडिया ने यह भी कहा कि समझौते का ड्राफ्ट अभी फाइनल नहीं है और बिना ठोस गारंटी के ईरान आगे नहीं बढ़ेगा।

अमेरिका की तरफ से अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कंपनी की फ्रेंचाइजी लेकर ठगी का आरोपी अरेस्ट

मुजफ्फरपुर, 27 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर पुलिस ने एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह का खुलासा किया है। यह गिरोह एक निजी कंपनी की फ्रेंचाइजी लेकर ग्राहकों के साथ-साथ कंपनी को भी ठगी का शिकार बना रहा था। मामले में पुलिस ने गिरोह के सक्रिय सदस्य मोहम्मद चांद को गिरफ्तार किया है, जबकि इसका मास्टरमाइंड अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि लगातार साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और मानवीय अनुसंधान के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें मोतीपुर थाना क्षेत्र में संचालित एक संदिग्ध नेटवर्क का पता चला। जांच में सामने आया कि सरैया थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद चांद "एक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड" नामक निजी कंपनी की फ्रेंचाइजी चला रहा था। आरोप है कि वह ग्राहकों से ओटीपी लेकर उनके ऑर्डर में हेरफेर करता था। कई मामलों में ग्राहकों का रिफंड पैसा भी ओटीपी के जरिए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया जाता था। इस पूरी प्रक्रिया में कंपनी की साख और सिस्टम का भी दुरुपयोग किया जा रहा था, जिससे कंपनी भी ठगी का शिकार बनी। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मोतीपुर स्थित एक गोदाम से साइबर फ्रॉड से जुड़े काम किए जा रहे हैं। इसके बाद साइबर थाना की टीम ने कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। पुलिस ने लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्कैनर समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। जब्त उपकरणों की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस नेटवर्क के जरिए कितने लोगों को ठगा गया और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

टीएमसी सांसद काकोली का पार्टी के पदों से इस्तीफा

सीएम शुभेंदु की बैठक में भी गई थीं, भाजपा सांसद बोले– 20 सांसद, 50 विधायक संपर्क में

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दिया है। बारासात से लोकसभा सांसद घोष ने बुधवार को टीएमसी के स्टेट प्रसिडेंट सुब्रत बख्शी को लेटर में लिखा- मैं मानसिक संघर्ष और लंबे चिंतन के बाद पद छोड़ रही हूं। आम कार्यकर्ता की तरह पार्टी से जुड़ी रहूंगी।

काकोली का पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में कल्याणी में आयोजित हुई बैठक में शामिल होने के बाद आया। टीएमसी ने घोष को बैठक में जाने से अनौपचारिक रूप से मना भी किया था। टीएमसी जुड़े सूत्रों के मुताबिक घोष के साथ कुछ और टीएमसी नेता भी बैठक में शामिल हुए थे।

वहीं, सीएम अधिकारी ने भी दावा किया था कि टीएमसी सांसद ने उनसे कहा कि उन्हें आखिरकार आजादी मिल गई है।

भाजपा नेता सौमित्र खान ने भी दावा किया है कि टीएमसी के करीब 20 सांसद भाजपा के संपर्क में हैं। अगर पार्टी चाहे तो ये सांसद पार्टी बदलने के लिए तैयार हैं। बीजेपी चाहे तो अगले कुछ दिनों में पूरी टीएमसी खत्म हो जाएगी।

20 मई को घोष ने पार्टी नेतृत्व को लेकर नाराजगी जाहिर की थी और बारासात संगठनात्मक जिला इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। टीएमसी ने घोष की जगह तापस चटर्जी को नया अध्यक्ष नियुक्त किया। दस्तीदार टीएमसी की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पार्टी के 'बंगा जननी' कार्यक्रम से भी जुड़ी थीं।

सुब्रत बख्शी को सौंपे इस्तीफे में घोष ने राज्य की पूर्व टीएमसी सरकार से जुड़े कई विवादों, शिक्षक भर्ती घोटाला, भर्ती भ्रष्टाचार, जेल संबंधी विवाद और आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की मौत से जुड़ी घटना का भी जिक्र किया है।

उन्होंने पार्टी के चुनाव रणनीति और सलाहकार समूह I-PAC के बढ़ते प्रभाव की भी आलोचना की। आरोप लगाया कि अनिर्वाचित और अलोकतांत्रिक ताकतें संगठनात्मक कामकाज को तेजी से प्रभावित करने लगी हैं। इससे पार्टी के कामकाज पर असर पड़ रहा है।

सौमित्र खान के बयान को टीएमसी ने खारिज कर दिया। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि भाजपा और सौमित्र खान जो बातें फैला रहे हैं, वह पूरी तरह झूठी और बेबुनियाद हैं। ऐसा कुछ नहीं होने वाला।

लोकसभा में फिलहाल पश्चिम बंगाल की 42 सीटों में से टीएमसी के पास 29 सांसद हैं। बीजेपी के 12 और कांग्रेस के एक सांसद हैं। दलबदल विरोधी कानून के तहत किसी पार्टी के कम से कम दो-तिहाई सांसद एक साथ दल बदलें, तभी उनकी सदस्यता बच सकती है। टीएमसी के मामले में यह संख्या करीब 19 या 20 सांसदों की बनती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फालता चुनाव नतीजों के बाद से उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों की सात नगरपालिकाओं से 100 से अधिक पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। प्रभावित नगर निकायों में डायमंड हार्बर नगरपालिका भी शामिल है, जो अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। इसके 16 बोर्ड सदस्यों में से 8 ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, इस बारे में टीएमसी नेतृत्व ने अब तक आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ठेकेदार के घर रेड, जेवरात–कैश मिले

आईएएस अधिकारियों को विदेश ट्रिप पर भेजता था रिशु दरभंगा में बीडीओ के ठिकानों पर ईओयू की दबिश

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने बुधवार को पटना में ठेकेदार रिशु श्री के ठिकाने पर रेड की है। मीठापुर स्थित कांताराम सखी एंक्लेव में सुबह 8 बजे 8 सदस्यीय टीम ने फ्लैट नंबर 5ए में दबिश दी है।

ठेकेदार रिशु श्री पर सरकारी टेंडरों में हेराफेरी और अपनी कंपनी को लाभ पहुंचाने के आरोप हैं। रेड के दौरान निगरानी को जेवरात और कैश मिले हैं।

एसवीयू की टीम सुबह से ही दस्तावेजों, बैंक लेनदेन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जांच में जुटी रही। रिशु श्री पर टेंडर के लिए आईएएस अधिकारियों को विदेश ट्रिप पर भेजना का भी आरोप है।

6 महीने पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक रिपोर्ट में रिशु श्री पर दो भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों

(आईएएस) और उनके परिवारों को यूरोप, ऑस्ट्रेलिया की विदेश यात्राएं कराने का आरोप लगा था।

बताया जाता है कि, रिशु श्री ने सरकारी टेंडर दिलाने के बदले 2017 बैच के आईएएस योगेश कुमार सागर और 2014 बैच की आईएएस अभिलाषा कुमारी शर्मा के पूरे परिवार की विदेश यात्रा का खर्च उठाया था। इसमें यात्रा और ठहरने का पूरा खर्च शामिल था।

जांच में यह भी सामने आया है कि आईएएस अभिलाषा शर्मा के घर की छत पर की गई बागवानी पर आया 9 लाख रुपए का खर्च भी रिशु श्री ने ही मैनेज किया था।

विशेष निगरानी इकाई के एडीजी पंकज दराद ने ईडी की चिट्ठी मिलने की पुष्टि की थी। एडीजी पंकज दराद ने बताया था कि, 'यह मामला अपर मुख्य सचिव (निगरानी) के पास भेजा गया है। उनके अनुमोदन के बाद दोनों आईएएस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) होगी।'

रिशु श्री पहले से ही प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) 2002 के तहत जांच का सामना कर रहे हैं। 25 नवंबर को ईडी ने अहमदाबाद, सूरत, गुड़गांव और दिल्ली सहित देशभर में उनके 9 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

एनिवर्सरी से 2 दिन पहले विवाहिता ने किया सुसाइड

दहेज टॉर्चर से थी परेशान, पति मांग रहा था 10 लाख रुपए

सहरसा, 27 मई (एजेंसियां)। सहरसा में रात विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका की पहचान नवहट्टा थाना क्षेत्र के हाटी गांव निवासी रोशन कुमार की पत्नी निधि कुमारी (21) के रूप में हुई है। घटना बलवाहाट थाना क्षेत्र का है। इस मामले की जानकारी पुलिस को बुधवार दोपहर मिली। मायके वालों का आरोप है कि बेटी को जन्म देने के बाद ससुराल पक्ष उसे स्वीकार नहीं कर रहा था। इसके साथ ही पति लगातार 10 लाख रुपए दहेज की मांग कर रहा था। तंग आकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। निधि के भाई संजय यादव ने बताया कि निधि की शादी 28 मई 2025 को हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी।

बच्चे को बेचने जा रहे किडनैपर्स का एनकाउंटर

बरेली, 27 मई (एजेंसियां)। बरेली में डेढ़ साल के बच्चे को बेचने जा रहे 2 बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। बच्चे को सही सलामत उनके चंगुल से छुड़ा लिया। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पुलिस जैसे ही बच्चे को लेकर परिवार के पास पहुंची, मां ने दौड़कर उसे गले लगा लिया। फूट-फूटकर रोने लगी। हाथ जोड़कर पुलिसवालों को धन्यवाद देती रही।

3 दिन पहले (24 मई) बच्चा अपने घर के बाहर से लापता हो गया था। काफी देर तक नहीं लौटा, तो घरवाले पुलिस के पास पहुंचे। सीसीटीवी चेक किए गए, तो 2 लोग बच्चे को किडनैप कर ले जाते दिखे। बरेली एसपी (साउथ) अंशिका वर्मा ने टीम बनाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। इस बीच, मंगलवार सूचना मिली कि किडनैपर बच्चे को बेचने जा रहे हैं।

पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। देर रात करीब 2 बजे 2 संदिग्ध बाइक से आते दिखे। रुकने का इशारा करने पर यू-टर्न लेकर भागने लगे। उनके साथ बच्चा भी था। पुलिस ने पीछा किया, तो बदमाशों की बाइक फिसल गई। बच्चा बदमाशों से छिटककर सड़क किनारे झाड़ियों में गिर गया। इसी बीच खुद को घिरता देख किडनैपर्स ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। फायरिंग के बीच ही दरोगा सोमपाल जान पर खेलकर बच्चे के पास पहुंचे। उसे गोद में उठाकर एनकाउंटर स्पॉट से दूर ले गए। किडनैपर्स की फायरिंग में एक हेड कॉन्स्टेबल कौमिश कुमार भी घायल हुए हैं।

किडनैपर्स की पहचान शाहजहांपुर के योगेश कन्नौजिया (28) और बदायूं के पवन सिंह (25) के रूप में हुई है।

6 शहरों में आंधी-बारिश और बिजली से 8 की मौत

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने आज बिहार के 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

इसके अलावा अलर्ट वाले जिलों में आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है। बाकी जिलों में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान रहेंगे।

खगड़िया में बुधवार सुबह बारिश के साथ ओले गिरे हैं। बेगूसराय में देर रात हुई आंधी-बारिश से पेड़ और पोल गिरे हैं।

मौसम से जुड़े हाईलाइट्स

खगड़िया में आकाशीय बिजली से 2 किसानों की मौत हुई है।

मुंगेर में आंधी-बारिश से एक मकान गिर गया। इसमें महिला की मौत हुई है। पति गंभीर है।

मुजफ्फरपुर में घर पर ताड़ का पेड़ गिरने से भाई-बहन की मौत हुई है। घटना के वक्त दोनों सो रहे थे।

भागलपुर में पोल के नीचे दबने से महिला की मौत हुई है।

भागलपुर में सैकड़ों की संख्या में पक्षियों की मौत हुई है।

इसमें एशियन कोयल, गंगा मैना, मैना समेत कई प्रजातियां शामिल हैं।

बगहा में भी आंधी की वजह से पोल गिरा है। इसमें एक महिला की मौत हुई है।

मोतिहारी में घर गिरने से एक युवक ने दम तोड़ दिया।

गर्मी को देखते हुए जहानाबाद में 5वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

इससे ऊपर की क्लास का समय बदला गया है।

लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। लखनऊ में बुधवार दोपहर एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने ऑफिस के सामने मोबाइल से बात कर रहे थे। तभी बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। आसपास के लोगों ने प्रॉपर्टी डीलर को अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वारदात पीजीआई थानाक्षेत्र के कल्ली पश्चिम इलाके की है।

सीसीटीवी फुटेज में बदमाश प्रॉपर्टी डीलर को गोलियां मारते दिख रहा है। हत्या के बाद बदमाश अपने साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। प्रॉपटी डीलर संदीप सिंह जौनपुर के रहने वाले थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी के जरिए बदमाशों की पहचान में जुटी है।

संदीप सिंह मूल रूप से जौनपुर के टकारी के शिकारा के रहने वाले थे। वह वृंदावन योजना में कालिंदी पार्क के पास परिवार के साथ रहते हैं। कल्ली पश्चिम बाजार के यादव मार्केट में उनका प्रॉपर्टी डीलिंग का ऑफिस है। बुधवार दोपहर 12 से 12:30 बजे के बीच वह ड्राइवर प्रदीप सिंह के साथ अपने ऑफिस पहुंचे थे।

बताया जा रहा है कि संदीप कार से उतरकर ऑफिस की ओर बढ़ ही रहे थे, तभी बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही संदीप घायल होकर गिर पड़े, तभी आरोपी बाइक से भाग निकले।

स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, हमला करने वाले बाइक सवार बदमाश काफी पेशेवर अंदाज में आए थे। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट लगाए हुए था। जबकि, पीछे बैठे हमलावर ने अपना मुंह सफेद गमछे से बांध रखा था।

वारदात को अंजाम देते समय एक बदमाश अपाचे बाइक स्टार्ट किए हुए पहले से खड़ा हुआ था। संदीप को कई गोलियां मारने वाला दूसरा बदमाश दौड़ते हुए बाइक पर बैठा। जिसके बाद दोनों भाग निकले। संदीप सिंह के परिवार में पत्नी प्रीति सिंह, बेटा सार्थक सिंह और बेटी सीवी सिंह हैं।

पुलिस को घटना की 50 सेकंड की सीसीटीवी फुटेज मिली है। इसमें दिख रहा कि प्रॉपर्टी डीलर संदीप कार से नीचे उतरने के बाद मोबाइल पर बात करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस दौरान सफेद शर्ट और नीले जींस पहने बदमाश उनके पास आता है। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देता है।

पहली गोली सीने के पास लगते ही संदीप सड़क पर गिर पड़ते हैं। इसके बाद भी बदमाश उन पर लगातार फायरिंग करता रहता है। वह आखिरी गोली संदीप के सिर के पास मारता है। इसे लेकर पुलिस मान रही है कि बदमाश पेशेवर भी हो सकते हैं।

दाल से लेकर ढुलाई तक सब महंगा, चना-अरहर के बढ़ते दामों ने बिगाड़ा रसोई का बजट

नई दिल्ली , 27 मई (एजेंसियां)। देश में महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अब इसका असर सीधे आम आदमी की रसोई पर दिखाई देने लगा है। आने वाले दिनों में चना और अरहर दाल के दाम और बढ़ सकते हैं। वहीं डीजल-पेट्रोल की महंगाई और माल ढुलाई खर्च बढ़ने से खाने-पीने की चीजों से लेकर रोजमर्रा के सामान तक महंगे होने की आशंका है। अल-नीनो के कारण कमजोर मानसून की चिंता ने भी बाजार का तनाव बढ़ा दिया है। ऐसे में आम लोगों का घरेलू बजट और बिगड़ सकता है।

इंडिया पल्सेज एंड ग्रेंस एसोसिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में चना और अरहर की आवक कम हो रही है। वहीं विदेशों से आयात भी घटा है। इसी वजह से बाजार में इन दालों के दाम लगातार ऊपर जा रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि बीते वित्त वर्ष में कुल दाल आयात घटकर 57.76 लाख टन रह गया, जबकि इससे पहले यह 69.3 लाख टन था। चने का आयात करीब पांच लाख टन घट गया। मसूर और मटर के आयात में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई। बाजार विशेषज्ञ राहुल चौहान के मुताबिक, अगर मौसम खराब रहा और उर्वरकों की कमी बनी रही तो आने वाले महीनों में दालों की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

पिछले एक महीने में कई दालों के दाम तेजी से बढ़े हैं। अरहर, मसूर, उड़द और देसी चना सभी महंगे हुए हैं। मंडियों में पुरानी अरहर का स्टॉक भी काफी कम बचा है। सरकार ने अरहर का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 8450 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे बाजार में तेजी का माहौल और मजबूत हुआ है।

मौसम को लेकर भी चिंता बढ़ती जा रही है। अल-नीनो के असर से इस बार सामान्य से कम बारिश होने की आशंका जताई जा रही है। अगर मानसून कमजोर रहा, तो खरीफ सीजन में अरहर जैसी फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है। इससे उत्पादन घटेगा और बाजार में कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश कम होने का असर सिर्फ दालों पर नहीं, बल्कि सब्जियों और दूसरी कृषि उपज पर भी पड़ सकता है। यही वजह है कि बाजार अभी से महंगाई के नए दौर की आशंका जता रहा है।

डीजल की किल्लत और ईंधन की बढ़ती कीमतों ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर भी दबाव बढ़ा दिया है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के मुताबिक, कई राज्यों में करीब 20 फीसदी ट्रक सड़कों से हट गए हैं। इससे माल ढुलाई की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ गई है। इसका सीधा असर खाने-पीने के सामान, किराना और जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर पड़ रहा है। यानी अब सिर्फ दाल ही नहीं, बल्कि बाजार की कई चीजें आम लोगों के लिए और महंगी हो सकती हैं।

महंगाई का असर ऑटो सेक्टर पर भी दिख रहा है। टायर और वाहन पुर्जा बनाने वाली कंपनियों ने भी कीमतें बढ़ानी शुरू कर दी हैं।

कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल और ऊर्जा की लागत लगातार बढ़ रही है। सिएट के प्रबंध निदेशक अर्णव बनर्जी ने बताया कि कंपनी मार्च और अप्रैल में टायरों के दाम करीब पांच फीसदी बढ़ा चुकी है और मई-जून में एक और बढ़ोतरी हो सकती है।

'धरती के नीचे की हरित क्रांति' हो: अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दुनिया भर में इस समय कच्चे तेल की कीमतें घट रही हैं। मानक ब्रेंट क्रूड की प्रति बैरल कीमत 100 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे है। लेकिन भारत में इन दिनों पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने प्राकृतिक संसाधनों में आत्मनिर्भर बनने के लिए एंट्रेपेन्योरशिप, प्राइवेटाइजेशन , एक्सप्लोरेशन और भरोसे पर आधारित शासन व्यवस्था को बढ़ावा देने का संदेश दिया है।

सोशल मीडिया के जरिए अक्सर संदेश देने वाले अनिल अग्रवाल का कहना है कि धरती के नीचे ढेरों संसाधन छुपे हुए हैं। इसकी खोज करने और क्षमता के उपयोग के लिए उन्होंने एक राष्ट्रीय मिशन की आवश्यकता पर जोर दिया। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत के पास मजबूत भू-वैज्ञानिक क्षमता, उद्यमशील प्रतिभा और उन्नत तकनीक मौजूद है, जो देश को बड़े पैमाने पर प्राकृतिक संसाधनों में आत्मनिर्भर बना सकती है।

कभी भारत में खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं उगते थे। लेकिन सरकार ने 'हरित क्रांति' के जरिए इसमें आत्मनिर्भरता प्राप्त की। इसी हरित क्रांति का उदाहरण देते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा कि अब देश को खनिजों, धातुओं, तेल और गैस के क्षेत्र में भी इसी तरह का एक बड़ा अभियान शुरू करना चाहिए। इससे आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता कम होगी। साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने इसे "धरती के नीचे की हरित क्रांति" बताते हुए कहा कि भारत के कुल आयात का लगभग 50% हिस्सा धरती के नीचे मौजूद संसाधनों से जुड़ा है, जबकि देश के पास दुनिया के सबसे समृद्ध भू-वैज्ञानिक भंडारों में से एक है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतिगत समर्थन, सरकारी एजेंसियों से तेज मंजूरियां, एक्सप्लोरेशन पर आधारित विकास और उद्यमियों पर अधिक भरोसा तेल एवं गैस, तांबा, एल्युमिनियम, सोना, जस्ता, निकेल और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को काफी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत ऊर्जा अधिशेष और विनिर्माण-आधारित वैश्विक शक्ति बनने की क्षमता रखता है। भारतीयों के विदेशी धरती पर होने वाले निवेश पर भी उन्होंने कुछ संदेश दिया है। उन्होंने कहा है "भारत को अपनी मेहनत की कमाई दूसरे देशों में नौकरियां पैदा करने के लिए नहीं भेजनी चाहिए।" अनिल अग्रवाल ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और बाल्को के बदलाव का उदाहरण देते हुए कहा कि उद्यमिता, तकनीक और संचालन की स्वतंत्रता ने बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और डाउनस्ट्रीम औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि भारत का जस्ता उत्पादन लगभग 1.4 लाख टन से बढ़कर करीब 30 लाख टन तक पहुंच गया, जबकि बाल्को में एल्युमिनियम उत्पादन 1 लाख टन से बढ़कर अब 60 लाख टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा, ₹आज अगर भारत 100 रुपये कमाता है, तो उसमें से लगभग 50 रुपये संसाधनों के आयात पर विदेश चले जाते हैं।

उद्यमियों पर भरोसा कीजिए... जब भी सरकार ने उद्यमियों पर भरोसा किया है, उन्होंने विश्वस्तरीय परिणाम दिए हैं। भारत को सबसे ज्यादा जरूरत है- खोज, खोज और खोज की।

बायजूस के फाउंडर रविंद्रन को 6 महीने जेल की सजा

सिंगापुर कोर्ट ने प्रॉपर्टी और पेपर छिपाने का दोषी पाया, 67 लाख का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। देश की पहली बड़ी एजुकेशन टेक कंपनी 'बायजूस' के मालिक बायजू रविंद्रन को सिंगापुर की एक अदालत ने 6 महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पाया कि रविंद्रन ने अपनी प्रॉपर्टी से जुड़े जरूरी कागजात छिपाए और अदालत के आदेशों को नहीं माना, जिसे 'कोर्ट की अवमानना' माना गया है।

सिंगापुर कोर्ट के मुताबिक, रविंद्रन अप्रैल 2024 से लगातार अपनी संपत्तियों से जुड़ी जानकारी देने के आदेशों को नजरअंदाज कर रहे थे। जब उन्होंने बार-बार अदालत की बात नहीं मानी, तो कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया और जेल भेजने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने रविंद्रन को तुरंत अधिकारियों के सामने सरेंडर करने को कहा है।

67 लाख रुपए का जुर्माना भी देना होगा

सजा के साथ-साथ रवींद्रन पर 90,000 सिंगापुर डॉलर (करीब 67 लाख रुपए) का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्हें यह राशि कानूनी खर्च (लीगल कॉस्ट) के तौर पर देनी होगी।

इसके अलावा, रवींद्रन को 'बीआर इन्वेस्टको पीटीई' की कानूनी मिल्कियत साबित करने वाले दस्तावेज भी कोर्ट में जमा करने का आदेश दिया गया है। यह एक कॉरपोरेट एंटिटी है, जिसके

पास संबंधित कंपनी के शेयर्स हैं।

रवींद्रन के खिलाफ सिंगापुर की अदालत में यह मामला कतर के सॉवरेन वेल्थ फंड 'कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी' की एक सहायक कंपनी ने दर्ज कराया था। बायजू के उस फंडिंग राउंड में निवेश किया था, जब कंपनी भारी संकट से गुजर रही थी और अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही थी।

इस मामले में कोर्ट में कतर होल्डिंग्स का पक्ष 'ड्रू एंड नेपियर' ने रखा। वहीं बायजू इन्वेस्टमेंट्स की ओर से 'फर्वेंट चैंबर्स' ने पैरवी की। फिलहाल रवींद्रन की ओर से इस सजा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह भी अभी स्पष्ट नहीं है कि वे वर्तमान में सिंगापुर में मौजूद हैं या किसी अन्य देश में।

जेल की सजा का यह फैसला रवींद्रन के लिए ऐसे समय में आया है जब वे दुनिया भर में विदेशी निवेशकों के मुकदमों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में भी लेंडर्स उनसे 1.2 बिलियन डॉलर (करीब 11,000 करोड़) के लोन की वसूली के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह लोन उस समय विवादों में आ गया था, जब कंपनी की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी थी।

रवींद्रन ने 'थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड' नाम से अपनी कंपनी की शुरुआत की थी, जिसे दुनियाभर में 'बायजूस' के नाम से जाना गया। एक समय में वे भारत के सबसे सफल स्टार्टअप फाउंडर्स में गिने जाते थे और इस कंपनी ने उन्हें अरबपति बना दिया था। वैश्विक कंपनियों से बड़े पैमाने पर निवेश हासिल करने वाली यह कंपनी कभी भारतीय स्टार्टअप जगत की सबसे बड़ी 'सक्सेस स्टोरी' मानी जाती थी।

एक समय था जब बायजूस भारत की सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप थी। साल 2022 में इसकी वैल्यूएशन $22 बिलियन (करीब 2.11 लाख करोड़) पहुंच गई थी। कंपनी का लोगो भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पर था। पतन की शुरुआत नवंबर 2021 में विदेशी कर्जदाताओं से लिए गए 1.2 बिलियन (करीब 11,000 करोड़) के टर्म लोन से हुई। कर्जदाताओं ने कंपनी पर गवर्नेंस और पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए। इसके बाद ऑडिट में देरी और बढ़ते घाटे ने आग में घी का काम किया। वित्त वर्ष 2021 में कंपनी का घाटा 4,588 करोड़ पहुंच गया था।

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और भारतीय रुपये की कमजोरी का सीधा असर बुधवार को घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला। दिन भर चले भारी उतार-चढ़ाव के बाद बाजार लाल निशान पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों के बीच सतर्कता का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक संकट और मुद्रा बाजार के दबाव ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि घरेलू बाजार विदेशी घटनाओं से पूरी तरह अछूते नहीं रह सकते। बुधवार के कारोबारी सत्र के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 141.90 अंक यानी 0.18 प्रतिशत लुढ़ककर 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 6.55 अंक यानी 0.03 प्रतिशत टूटकर 23,907.15 के स्तर पर आ गया। बाजार में दिन भर खरीदारी और बिकवाली के बीच भारी खींचतान चलती रही, लेकिन वैश्विक संकेतों के कमजोर होने के कारण अंततः बिकवाली का दबाव हावी रहा। रुपया डॉलर के मुकाबले 1 पैसा बढ़कर 95.69 (अस्थायी) पर स्थिर रहा।

बाजार के इस गिरावट भरे माहौल में सबसे ज्यादा नुकसान देश के प्रमुख ऋणदाता एचडीएफसी (एचडीएफसी) बैंक के शेयरों को उठाना पड़ा। 45 करोड़ रुपये के ब्याज भुगतान से जुड़ी एक आंतरिक जांच की रिपोर्ट सामने आने के बाद निवेशकों के बीच काफी घबराहट फैल गई। इसके चलते सेंसेक्स पर एचडीएफसी बैंक के शेयर 'टॉप लूजर' (सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर) साबित हुए और इनमें करीब 3 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, बड़े शेयरों (लार्ज-कैप) में आई इस सुस्ती और दबाव के बावजूद बाजार में सब कुछ निराशाजनक नहीं रहा। व्यापक बाजार (ब्रॉडर मार्केट) ने इस वैश्विक अस्थिरता के बीच भी काफी मजबूती दिखाई। जहां एक तरफ मुख्य सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, वहीं ब्रॉडर मार्केट हरे निशान में अपना कारोबारी सत्र खत्म करने में कामयाब रहा।

उतार-चढ़ाव से जुड़े इंडेक्स से क्या संकेत?

बाजार की स्थिति को गहराई से समझने के लिए इंडिया वीआईएक्स के आंकड़ों पर गौर करना भी अहम है। बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता को मापने वाला यह इंडेक्स 6 प्रतिशत गिरकर 15.24 के स्तर पर आ गया। इंडिया वीआईएक्स में आई यह कमी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारतीय बाजार के निवेशकों के बीच कोई भारी घबराहट नहीं है। कुल मिलाकर, मौजूदा हालात यह बताते हैं कि जब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव कम नहीं होता और रुपये को मजबूती नहीं मिलती, तब तक बड़े शेयरों में उठापटक जारी रह सकती है। लेकिन ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन यह भरोसा जरूर दिलाता है कि बाजार का बुनियादी ढांचा संकट के बीच भी टिके रहने की क्षमता रखता है।

क्या महाराष्ट्र सरकार को 45 करोड़ रुपये का गलत तरीके से भुगतान हुआ? एचडीएफसी बैंक ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। देश के प्रमुख निजी क्षेत्र के ऋणदाता, एचडीएफसी बैंक ने मीडिया में चल रही उन तमाम खबरों और दावों का कड़ाई से खंडन किया है जिनमें 45 करोड़ रुपये के भुगतान को लेकर गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी। बुधवार को बैंक ने आधिकारिक तौर पर साफ किया कि उसकी आंतरिक निगरानी, ऑडिट और नियंत्रण प्रणालियां पूरी तरह से मजबूत और पारदर्शी हैं।

इस स्पष्टीकरण के बावजूद, बाजार में इस खबर का असर देखने को मिला। बुधवार को दोपहर 13:45 बजे तक एचडीएफसी बैंक के शेयरों में लगभग 2.45 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे शेयर की कीमत 759.80 रुपये के स्तर पर आ गई। यह मामला कॉर्पोरेट गवर्नेंस और बैंकिंग क्षेत्र के कड़े नियमों के बीच एक बड़ा विषय बन गया है। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने 45 करोड़ रुपये की भुगतान में गड़बड़ी से जुड़ी अटकलों को बुधवार को खारिज कर दिया। बैंक ने अपनी आंतरिक निगरानी, लेखापरीक्षा और नियंत्रण प्रक्रियाओं और प्रणालियों को मजबूत करार दिया है।

बैंक का यह स्पष्टीकरण उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें यह दावा किया गया था कि ऋणदाता की लेखापरीक्षा समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को मार्केटिंग के खर्च के रूप में छिपाकर किए गए 45 करोड़ रुपये के भुगतान के लिए औपचारिक आंतरिक सतर्कता जांच का आदेश दिया था। बैंक के मार्केटिंग विभाग के वित्त वर्ष 2025 के आंतरिक ऑडिट के बाद आया, जिसमें इन भुगतानों पर आपत्ति जताई गई थी और विभाग के प्रदर्शन को असंतोषजनक बताया गया था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ये भुगतान कथित तौर पर महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) को किए गए थे, जो राज्य सरकार की एक एजेंसी है। ये भुगतान पूर्व अध्यक्ष अतानु चक्रवर्ती के 18 मार्च को इस्तीफे से कुछ ही दिन पहले किए गए थे।

एक रिपोर्ट में भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र ऋणदाता के आंतरिक रिकॉर्ड की जांच के आधार पर दावा किया गया था कि ये भुगतान महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को ब्याज अंतर के रूप में किए जाने थे, इसका मतलतब होता है जमा पर निर्धारित दर से अधिक ब्याज। हालांकि, इस राशि का भुगतान मार्केटिंग विभाग का खर्च दिखाकर किया गया था। यह भुगतान सड़क जागरुकता अभियान के तहत तहत स्थानीय वेंडर्स के माध्यम से किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, इस राशि को सीधे एमएसआरडीसी के खाते में ब्याज आय के तौर पर जमा करने के बजाय, बैंक के मार्केटिंग विभाग के माध्यम से घुमाकर दिया गया। इस भारी-भरकम राशि को चार स्थानीय वेंडरों के जरिए एक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में योगदान के रूप में दिखाया गया था। बैंक के मार्केटिंग विभाग के वित्त वर्ष 2025 के आंतरिक ऑडिट के दौरान इस भुगतान की पहचान हुई थी, जिसके बाद ऑडिट ने इस लेनदेन पर सवाल उठाते हुए विभाग के प्रदर्शन को 'असंतोषजनक' करार दिया था।

इस मामले में बैंक के शीर्ष प्रबंधन की संलिप्तता को लेकर भी रिपोर्ट में कई गंभीर दावे किए गए हैं। यह कथित भुगतान 18 मार्च को बैंक के पूर्व अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे से कुछ दिन पहले ही किया गया था। जांच के आंतरिक रिकॉर्ड्स से यह बात सामने आई है कि इस भुगतान के फैसले को एमडी और सीईओ शशिधर जगदीशन की मौजूदगी में हुई एक वरिष्ठ स्तर की चर्चा के दौरान मंजूरी मिली थी, जहां एमएसआरडीसी के लिए उच्च दर पर मौखिक रूप से सहमति व्यक्त की गई थी।

एअर इंडिया हफ्ते में करीब 800 घरेलू फ्लाइट्स घटाएगी

इंडिगो भी 7% उड़ानें कम करेगी, महंगा फ्यूल और ऑपरेशन कॉस्ट बढ़ने का असर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एअर इंडिया हर हफ्ते करीब 800 घरेलू उड़ानों में कटौती कर रही है। यह बदलाव जून से अगस्त 2026 के बीच रहेगा। कंपनी ने यह फैसला जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण लिया है। वहीं एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंडिगो भी अपनी घरेलू उड़ानों में 5% से 7% की कटौती कर सकती है।

एअर इंडिया वर्तमान में हर हफ्ते करीब 4400 उड़ानें ऑपरेट कर रही है। इनमें करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। कंपनी ने 22% तक घरेलू फ्लाइट्स में कटौती का ऐलान किया है। एअर इंडिया का कहना है कि वह बाजार की मांग और ऑपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी। जैसे ही परिस्थितियां सामान्य और स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दोबारा बहाल करने पर विचार किया जाएगा।

उड़ानों में कटौती की सबसे बड़ी वजह 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष है। इससे जेट फ्यूल की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, ईरानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल न करने की वजह से अंतरराष्ट्रीय रूट लंबे हो गए हैं और पाकिस्तानी एयरस्पेस पर पाबंदियों ने भी ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ा दी है।

इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल फेडरेशन के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सेक्टर में फ्यूल की कीमतों के भारी अंतर ने एयरलाइंस के नेटवर्क को वित्तीय रूप से अस्थिर बना दिया है। पहले एयरलाइंस के कुल ऑपरेशनल खर्च में फ्यूल का हिस्सा 40% होता था, जो बढ़कर 60% तक पहुंच गया है।

एविएशन एनालिटिक्स फर्म 'सिरियम' के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च और अप्रैल में भारत की चार सबसे बड़ी एयरलाइंस के ऑपरेशन्स में पिछले साल की तुलना में 6% की गिरावट आई है।

इस दौरान इंडिगो ने 4.5% और एअर इंडिया ने 7.5% कम उड़ानें संचालित कीं। एअर इंडिया की बजट एयरलाइन 'एयर इंडिया एक्सप्रेस' में सबसे ज्यादा 17.1% की गिरावट दर्ज की गई।

ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने से एयरलाइंस ने इसका बोझ यात्रियों पर डाल दिया है, जिससे हवाई किराए महंगे हो गए हैं। किराए बढ़ने से घरेलू हवाई यात्रा की डिमांड में भी कमी आई है। भारत में अभी इंडिगो और एअर इंडिया का दबदबा है। इनका घरेलू मार्केट शेयर करीब 90% है। इस बीच, अकासा एयर छोटे बेड़े के बावजूद तेजी से विस्तार की कोशिश कर रही है।

चांदी में 4,500 की गिरावट, सोना भी गिरा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार में तेजी आई। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत बाजार खुलते ही 2,000 रुपये प्रति किलो उछल गई जबकि सोने की कीमत में करीब 300 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई। दिन चढ़ने के साथ मामला पलट गया। सोने में 800 रुपये की गिरावट आई जबकि चांदी भी करीब 4500 रुपये सस्ती हो गई।

3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,70,628 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी और आज 2,72,603 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 2000 रुपये की तेजी के साथ 2,72,628 रुपये तक उछली। लेकिन फिर यह 4548 रुपये की गिरावट के साथ 2,66,080 रुपये तक फिसली। दोपहर बाद 2.25 बजे यह 2553 रुपये की गिरावट के साथ 268075 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। 5 जून की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में यह 1,57,616 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,57,541 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 808 रुपये तक गिरा।

सर्राफा कीमत

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट दिख रही है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 600 रुपये की गिरावट के साथ 158290 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। 22 कैरेट वाला सोना 550 रुपये फिसलकर 1,45,100 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 450 रुपये की गिरावट के साथ 1,18,720 रुपये पर है। चांदी 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,84,900 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	वृष	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	वृष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मिथुन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
वृष----	04-57	बजे
मिथुन--	06-57	बजे
कर्क---	09-10	बजे
सिंह---	11-22	बजे
कन्या---	13-28	बजे
तुला----	15-33	बजे
वृश्चिक--	17-44	बजे
धनु----	19-58	बजे
मकर--	22-03	बजे
कुंभ---	23-53	बजे
मीन---	01-32	बजे
मेष----	03-08	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-45
सूर्यास्त. 18 -39
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष गुरुवार 28 May 2026
तिथि - द्वादशी 07-57 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - चित्रा 08-08 तक उप स्वाति
योग. - वरियान 03-54 तक रात्रि उप परिघ
करण - बालव 07-57 तक उप कौलव

विशेष: प्रदोष व्रतं

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-51 से 15-29 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
शुभ	05-45 - 07-20	शुभ
रोग	07-20 - 08-58	अशुभ
उत्पात	08-58 - 10-36	अशुभ
चंचल	10-36 - 12-14	शुभ
लाभ	12-14 - 13-51	शुभ
अमृत	13-51 - 15-29	शुभ
काल	15-29- 17-07	अशुभ
शुभ	17-07 - 18-39	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	18-39 - 20-07	शुभ
चंचल	20-07 - 21-29	शुभ
रोग	20-29 - 22-51	अशुभ
काल	22-51 - 00-13	अशुभ
लाभ	00-13 - 01-36	शुभ
उत्पात	01-36 - 02-58	अशुभ
शुभ.	02-58 - 04-20	शुभ
अमृत	04-20 - 05-45	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज अपने कार्य से संबंधित कारणों से अपने निवास स्थान में परिवर्तन की सम्भावना है ।आपको पदोन्नत किया जा सकता है और एक अलग क्षेत्र के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है या आप कोई दूसरी नौकरी को ग्रहण कर सकते है ।आप एक पेशेवर सलाहकार या अपने किसी करीबी से आज कैरियर से संबंधित सलाह ले सकते हैं। अगर आप इस सलाह पर पर्याप्त ध्यान देंगे तो आप काफी लाभान्वित हो सकते है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है। बस आप अपनी वस्तु को सरंक्षित कर के रखे और आप आसानी से विषम स्थिति से बाहर आ जायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द अत्तापुर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फिर उठाए 'डबल इंजन' सरकार पर सवाल, विकास कार्यों की उपेक्षा का आरोप

जोधपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक बार फिर 'डबल इंजन' सरकार पर बरसते नज़र आए। जोधपुर प्रवास के दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में महंगाई और रिफाइनरी सहित कई मुद्दों पर राज्य की भजनलाल सरकार से लेकर केंद्र की मोदी सरकार तक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। पूर्व सीएम ने राज्य की मौजूदा कानून व्यवस्था, विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की स्थिति और वित्तीय प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रशासनिक और वित्तीय तालमेल की कमी के कारण धरातल पर कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। गहलोत ने विभिन्न विभागों में लंबित पड़े पेमेंट्स और विकास योजनाओं की धीमी गति का जिक्र करते हुए सरकार को जनकल्याण की दिशा में अधिक सक्रिय होने की नसीहत दी है। गहलोत ने कहा कि सरकार की ओर से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए क्योंकि वर्तमान में आम जनता के बीच प्रशासनिक शिथिलता को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को जिलों के दौरों के साथ-साथ सचिवालय स्तर पर फाइलों के त्वरित निस्तारण और योजनाओं की सख्त मॉनिटरिंग पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में चल रही पूर्ववर्ती कल्याणकारी योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से बात की। उन्होंने दावा किया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में लागू की गई बड़ी बीमा योजनाओं के अंतर्गत निजी अस्पतालों को समय पर भुगतान न होने के कारण व्यवस्थाएं लड़खड़ा रही हैं। कई निजी चिकित्सा संस्थानों ने कथित तौर पर इलाज करने से हाथ खड़े कर दिए हैं, जिससे गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को अपनी जेब से भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है।

इसके साथ ही उन्होंने सहकारी दवा दुकानों और जनऔषधि केंद्रों के संचालन को लेकर मिल रही शिकायतों का भी हवाला दिया। गहलोत ने कहा कि ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में इन दुकानों के जरिए गरीबों को सस्ती दवाइयां मिलती थीं, लेकिन भुगतानों की कमी से इनका अस्तित्व खतरे में है। वहीं शिक्षा विभाग का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश के हजारों जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को समय पर छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) नहीं मिल पा रही है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

गहलोत ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे कार्यकाल के दौरान हमने दिसंबर 2024 तक रिफाइनरी को चालू करने का एक व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित किया था। लेकिन सरकार बदलने के बाद अधिकारियों और मंत्रियों ने धरातल की हकीकत जाने बिना दबाव में कार्यक्रम तय कर लिए। मुख्य सचिव और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को वीवीआईपी दौरों के प्रबंधन में व्यस्त रहने के बजाय पहले स्वयं रिफाइनरी साइट पर जाकर सुरक्षा और ट्रायल की पूर्णता सुनिश्चित करनी चाहिए थी।

जोधपुर के विकास और वहां के बुनियादी ढांचे के मुद्दों पर बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने स्थानीय उपेक्षा का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि जोधपुर और आसपास के सूखाग्रस्त गांवों की प्यास बुझाने के लिए उनके कार्यकाल में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के तीसरे चरण के लिए करीब 1400 करोड़ रुपये का बजट राज्य कोष से स्वीकृत किया गया था। विदेशी वित्तीय संस्थानों से ऋण मिलने में हो रही देरी को देखते हुए यह कदम उठाया गया था ताकि काम न रुके।

परंतु, सरकार बदलने के बाद इस महत्वपूर्ण पेयजल परियोजना की उचित मॉनिटरिंग नहीं की जा रही है, जिससे काम की गति अत्यंत धीमी हो गई है। उन्होंने जोधपुर में बनकर तैयार हो चुकी सुमेर पब्लिक लाइब्रेरी, 90 करोड़ रुपये के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, फिनटेक इंस्टीट्यूट और विभिन्न सैटेलाइट अस्पतालों का उदाहरण देते हुए कहा कि शानदार इमारतें खड़ी होने के बावजूद वहां आवश्यक चिकित्सा उपकरण और डॉक्टरों की तैनाती नहीं की जा रही है, जिससे जनता को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 7 करोड़ की ड्रग्स जब्त

31 आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, 27 मई (एजेंसियां)। जिले में नशे के खिलाफ चल रही अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई ऑपरेशन त्रिनेत्र ने ड्रग्स माफिया की कमर तोड़नी शुरू कर दी है। यह केवल गिरफ्तारी अभियान नहीं, बल्कि नशे के पूरे इकोसिस्टम को जड़ से खत्म करने की रणनीति बन चुका है। उदयपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में 15 फरवरी से शुरू हुए इस विशेष अभियान ने राजसमंद में सक्रिय ड्रग्स माफिया की नींद उड़ा दी है।

सूत्रों के अनुसार पुलिस अब सिर्फ तस्करों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन तमाम चेहरों को भी चिन्हित किया जा रहा है जो पर्दे के पीछे रहकर इस अवैध कारोबार को ताकत दे रहे थे। चाहे वाहन उपलब्ध कराने वाले हों, फर्जी नंबर प्लेट तैयार करने वाले, आर्थिक मददगार, हथियार सप्लायर या आश्रयदाता। पुलिस की जांच की जद में अब पूरा नेटवर्क है। राजसमंद पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल ने दावा किया है है कि माफिया के बारे में सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत राजसमंद में अब नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा।

अब तक 29 प्रकरण दर्ज

अब तक एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत 29 प्रकरण दर्ज करते हुए 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कार्रवाई में अफीम, अफीम के पौधे, डोडाचूरा, एमडी ड्रग्स, गांजा, चरस और स्मैक जैसे मादक पदार्थ बरामद हुए हैं। इसके साथ ही 12 अत्याधुनिक कारें, 4 मोटरसाइकिलें, 2 पिस्टल, 14 कारतूस और दो खाली मैगजीन जब्त कर पुलिस ने साफ संकेत दे दिया है कि यह नेटवर्क केवल नशे तक सीमित नहीं था, बल्कि अपराध की कई परतों से जुड़ा हुआ था।

7 करोड़ से अधिक मादक पदार्थ जब्त

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अब तक करीब 7 करोड़ 10 लाख 71 हजार 300 रुपए कीमत के अवैध मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह कार्रवाई आने वाले दिनों में और बड़े खुलासों का कारण बन सकती है।

सबसे अहम बात यह है कि पुलिस ने स्कूलों, कोचिंग सेंटरों, शिक्षण संस्थानों और लाइब्रेरी के आसपास नशे के फैलते जाल को गंभीरता से लेते हुए विशेष निगरानी शुरू की है। जिला पुलिस ने 8764854070 नंबर जारी कर आमजन, विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से गोपनीय सूचना देने की अपील की है।

2 घंटे ही सोते हैं राजस्थान के सीएम !

बीजेपी के मंत्री अविनाश गहलोत का दावा

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली और उनकी व्यस्त दिनचर्या को लेकर वैसे तो अक्सर चर्चा होती है। लेकिन राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने एक बड़ा और बेहद चौंकाने वाला दावा किया है। कैबिनेट मंत्री गहलोत के मुताबिक, 'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के विकास और जनसेवा के लिए 24 घंटे में से करीब 20 से 22 घंटे लगातार काम कर रहे हैं। यानी मुख्यमंत्री मात्र सिर्फ 2 घंटे की ही नींद ले पा रहे हैं। मंत्री ने इसके पीछे का अपना एक आंखों देखा वाकया भी बयान किया है।

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने मुख्यमंत्री के इस कड़े रूटीन का उदाहरण देते हुए मीडिया के सामने एक दिन पहले की घटना का जिक्र किया। गहलोत ने दावा करते हुए कहा कि 'मैं आपको कल की ही बात बताता हूं। हम सभी लोग रात के 2:00 बजे तक मुख्यमंत्री जी के साथ ही थे। देर रात तक चली इस बैठक में उन्होंने हमारे साथ 'ग्राम व्रत अभियान' को लेकर गहन चर्चा की। उन्होंने हमसे फीडबैक लिया। इस बात पर मंथन किया कि राजस्थान को विकास के पथ पर आगे कैसे ले जाया जाए।हम आगे किस तरह बेहतर काम कर सकते हैं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अविनाश गहलोत ने कहा कि 'यह किसी एक दिन का नहीं, रोज का रूटीन है'। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की यह सक्रियता केवल किसी एक दिन की नहीं है। उन्होंने कहा कि यह करियर या मेहनत किसी एक दिन के लिए नहीं है, बल्कि यह मुख्यमंत्री का एक स्थायी रूटीन बन चुका है, जिसे वे लगातार इसे फॉलो करते हैं। गहलोत ने मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता की तारीफ करते हुए कहा कि जो व्यक्ति राज्य के 8 करोड़ लोगों के विकास और उनके भविष्य को लेकर चौबीस घंटे चिंतित रहता है, स्वाभाविक है कि वह 20 से 22 घंटे काम करेगा ही। मुख्यमंत्री की इस अथक मेहनत का सीधा फायदा आज राजस्थान की जनता को मिल रहा है। मंत्री अविनाश गहलोत के इस बयान का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों और खास तौर पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया पर अविनाश गहलोत के बयान को लेकर तरह तरह की प्रतिक्रिया आ रही है। कई यूजर उनके समर्थन में अपनी बात रख रहे हैं। वहीं कई लोग उनके बयान को ट्रोल कर रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल पर संकट! 1 जून से पेट्रोल पंप डीलर्स की हड़ताल की चेतावनी

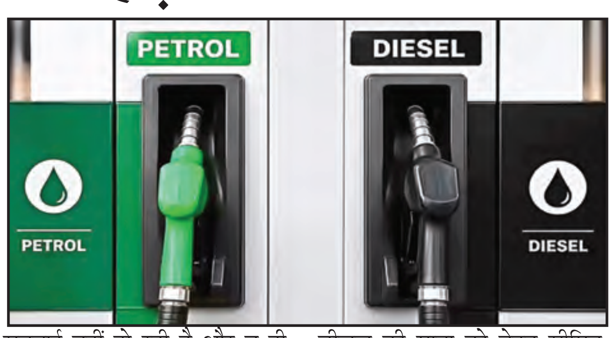

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के वाहन चालकों और किसानों के लिए एक बड़ी और चिंताजनक खबर है। प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों और आपूर्ति के गंभीर संकट से जूझ रहे पेट्रोल पंप संचालकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने अल्टीमेटम जारी करते हुए 1 जून 2026 से प्रदेशभर में हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है।

एसोसिएशन ने साफ किया है कि यदि 1 जून से पहले सरकार ने उनके साथ बैठक कर समस्याओं का ठोस समाधान नहीं निकाला, तो पूरे राजस्थान में तेल की सप्लाई ठप कर उग्र धरना-प्रदर्शन और हड़ताल की जाएगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि बार-बार पत्र और ईमेल भेजने के बावजूद प्रमुख शासन सचिव स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है और न ही अधिकारियों की ओर से फोन कॉल के जवाब दिए जा रहे हैं। इस समय डीलर्स के सामने सबसे बड़ा संकट पेट्रोल-डीजल की बेहद कम आपूर्ति का है, जिसके कारण प्रदेश के कई पेट्रोल पंप रोजाना 'ड्राई' हो रहे हैं। इंडियन ऑयल : मौखिक आदेशों और व्हाट्सएप संदेशों के जरिए एक ग्राहक को अधिकतम 50 हजार रुपए का डीजल और 5 हजार रुपए का पेट्रोल देने की सीमा तय कर दी है। बीपीसीएल और एचपीसीएल : इन दोनों कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल की मात्रा को बेहद सीमित कर दिया है।

डीलर्स का आरोप है कि यदि कोई पंप संचालक इस तय सीमा से अधिक ईंधन बेचता है, तो तेल कंपनियां उस पर एकतरफा कार्रवाई करते हुए सप्लाई बंद कर देती हैं और नोटिस जारी कर देती हैं। इससे आम जनता में भ्रम फैल रहा है और पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ जमा हो रही है। डीलर्स के मुताबिक, तेल कंपनियों के ये निर्देश कंट्रोल एक्ट-2000 और एमएसएचएसडी कंट्रोल एक्ट-2005 का सरेआम उल्लंघन हैं।

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा भी उठाया है। बारिश और बुवाई के इस चालू सीजन में किसानों को ट्रैक्टरों और कृषि उपकरणों के लिए भारी मात्रा में डीजल की जरूरत है, लेकिन तेल कंपनियों की पाबंदियों के कारण उन्हें ड्रमों में डीजल नहीं दिया जा रहा है। डीलर्स ने चेतावनी दी है कि यदि यह पाबंदी तुरंत नहीं हटी, तो ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य ठप हो जाएंगे और गंभीर स्थिति पैदा हो जाएगी। पारदर्शिता की मांग करते हुए डीलर्स ने कहा है कि जब तक पूरे तेल डिपो और सप्लाई चेन में फ्लोमीटर नहीं लगाए जाते, तब तक चोरी या घटतौली के लिए केवल पेट्रोल पंप संचालकों को दोषी ठहराना सरासर गलत है। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 1 जून से पहले इस मामले में क्या कदम उठाते हैं, अन्यथा राजस्थान में ईंधन की भारी किल्लत होना तय है।

बढ़ा लेपर्ड का मूवमेंट

पानी की तलाश में आबादी तक पहुंच रहे तेंदुए; लोगों में दहशत

चित्तौड़गढ़, 27 मई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं क्षेत्र में इन दिनों लेपर्ड का मूवमेंट लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। भीषण गर्मी और जंगलों में पानी की कमी के कारण तेंदुए अब आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर लेपर्ड देखे जाने के बाद ग्रामीणों और राहगीरों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगों ने इन वन्यजीवों के वीडियो भी अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किए हैं, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। क्षेत्र के एक किसान अपने खेत पर गया था, जहां पत्थर निकालने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक जंगल की तरफ से दो लेपर्ड वहां पहुंच गए। इनमें एक बड़ा और दूसरा छोटा लेपर्ड बताया जा रहा है। तेंदुओं को अचानक सामने देखकर वहां मौजूद लोग घबरा गए। हालांकि कुछ लोगों ने दूर से उनके वीडियो भी बना लिए। बताया जा रहा है कि दोनों लेपर्ड कुछ देर तक इलाके में घूमते रहे और फिर वापस जंगल की ओर चले गए।

टॉप-10 वांटेड अपराधी 'लादेन' जयपुर से गिरफ्तार

पपला का साथी हरियाणा की चीकू गैंग का भी सहयोगी रहा

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने 'ऑपरेशन गैंग माफिया' के तहत राजस्थान के टॉप-10 वांटेड अपराधियों में शामिल विक्रम सिंह उर्फ लादेन गुर्जर को गिरफ्तार किया है। पहाड़ी, बहरोड़ निवासी आरोपी पर हत्या, रंगदारी, जमीन कब्जाने और अवैध हथियार रखने जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वह पूर्व में कुख्यात गैंगस्टर पपला गुर्जर गैंग का विरोधी और हरियाणा की चीकू गैंग का सहयोगी रहा है।

पुलिस जांच के अनुसार आरोपी जयपुर के मानसरोवर इलाके में फरारी काट रहा था और यहां के पीजी संचालकों से अवैध वसूली की फिराक में था। उसने एक पीजी संचालक अनूप सिंह को फोन कर हर महीने एक लाख रुपए की रंगदारी न देने पर हाथ-पैर तुड़वाने की धमकी दी थी। शिप्रापथ थाने में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। फिलहाल पुलिस उसके नेटवर्क और जयपुर में सक्रिय साथियों को लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विक्रम गुर्जर उर्फ लादेन पुत्र हंसराज गुर्जर निवासी पहाड़ी, थाना सदर बहरोड़ का रहने वाला है। आरोपी का आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर है और उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, जमीनों पर कब्जा, भय पैदा कर वसूली, सरकारी कर्मचारियों से मारपीट, अवैध हथियार रखने सहित करीब तीन दर्जन संगीन मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी राजस्थान के टॉप-10 हार्डकोर अपराधियों में शामिल माना जाता है।

पुलिस जांच में सामने आया कि विक्रम सिंह उर्फ लादेन गुर्जर पहले कुख्यात गैंगस्टर पपला गुर्जर का जानी दुश्मन था, लेकिन बाद में उसका करीबी बन गया था। इसके अलावा विक्रम सिंह हरियाणा की चिकू गैंग का भी सदस्य रह चुका है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क, गैंग कनेक्शन और जयपुर में सक्रिय अन्य बदमाशों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

विक्रम उर्फ लादेन और पपला गुर्जर शुरुआत में अलग-अलग गैंग से जुड़े हुए थे। इलाके में वर्चस्व, रंगदारी और अपराध जगत में दबदबे को लेकर दोनों के बीच टकराव रहता था। पुलिस रिकॉर्ड और स्थानीय लोगों के मुताबिक दोनों गैंगों के बीच कई बार तनाव की स्थिति बनी। हालांकि बाद में विक्रम गुर्जर और पपला गुर्जर के बीच संबंध सुधरने लगे। लेकिन, चीकू गैंग का साथ छोड़ने के बाद विक्रम उर्फ लादेन ने पहाड़ी गांव में ही अपनी एक नई गैंग बनाई।

विक्रम सिंह उर्फ लादेन गुर्जर बहरोड़ क्षेत्र का आदतन बदमाश है। लादेन की गैंग बहरोड़, कोटपूतली, मनोहरपुरा, पनियाला, अलवर, भरतपुर, सीकर और जयपुर के इलाकों सक्रिय है, ये लोग डरा धमका कर वसूली करते हैं। बहरोड़ थाना क्षेत्र के पहाड़ी गांव निवासी विक्रम गुर्जर के खिलाफ 30 से ज्यादा मामले दर्ज है। कई मुकदमें गंभीर धाराओं के हैं जिनमें अपहरण, हत्या, हत्या के प्रयास और फिरौती वसूलने के कई प्रकरण दर्ज हैं।

पोषाहार घोटाले में एसीबी का प्रहार

18 अफसर-कर्मचारी गिरफ्तार

नागौर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में सामने आए आंगनबाड़ी पोषाहार घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसीबी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्पना सोलंकी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के बाद पूरे विभाग में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए

गिरफ्तार आरोपियों में परबतसर, डेगाना, कुचामन सिटी, मकराना और जायल क्षेत्र के सीडीपीओ, कनिष्ठ लिपिक, महिला पर्यवेक्षक और एएओ शामिल हैं। वहीं इस मामले में मुख्य आरोपी माने जा रहे ठेकेदार नरेन्द्र दायमा की गिरफ्तारी अभी बाकी है। एसीबी की टीमें उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं।

महज 100 रुपये के लेनदेन में मासूम की हत्या? धड़ से अलग मिला सिर; सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हिरासत में दोस्त

कोटा, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में 10 वर्षीय बच्चे का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र में झाड़ियों से बरामद शव की हालत इतनी भयावह थी कि स्थानीय लोग भी दहशत में आ गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मयंक मीणा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बच्चे की हत्या सिर पर पत्थर से वार कर की गई। वहीं झाड़ियों में घूम रहे जानवरों ने शव को बुरी तरह नोच डाला।

रेलवे कॉलोनी थाना अधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि 25 मई की शाम मयंक के पिता ने थाने पहुंचकर सूचना दी थी कि उनका 10 वर्षीय बेटा खेलने के लिए घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत बच्चे की तलाश शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में एक 15 वर्षीय किशोर मयंक को अपने साथ ले जाता दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि वह मयंक का परिचित और दोस्त था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ भी की।

वर्कशॉप के सामने स्थित झाड़ियों से पुलिस को एक बच्चे का शव मिला। पहचान करने पर शव मयंक का निकला। पुलिस के अनुसार, मयंक की गर्दन धड़ से अलग थी और उसके सिर पर किसी भारी वस्तु से हमला किए जाने के निशान मिले हैं। घटनास्थल से खून से सना एक पत्थर भी बरामद हुआ है, जिसे साक्ष्य के तौर पर जब्त किया गया है।

जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि मयंक और संदिग्ध किशोर के बीच करीब 100 रुपये के लेनदेन को लेकर बातचीत हुई थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पाम ऑयल से तैयार नकली घी जब्त

सरस-लोटस के नाम पर चल रहा था काला कारोबार

सीकर, 27 मई (एजेंसियां)। जिले में नकली और घटिया उत्पादों के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई में दो अलग-अलग मामलों का खुलासा हुआ है। एक ओर रींगस क्षेत्र में ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई, वहीं दूसरी ओर कृषि मंत्री के औचक निरीक्षण में फंगसयुक्त और घटिया मूंगफली के बीजों का बड़ा खेल सामने आया। दोनों मामलों ने आमजन और किसानों की सेहत व आर्थिक हितों के साथ हो रहे गंभीर खिलवाड़ को उजागर कर दिया है। रींगस कस्बे के नजदीकी गांव सरगोठ में सीकर डीएसबी ब्रांच और रींगस पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नकली घी बनाने के बड़े खेल का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक मकान से सरस और लोटस ब्रांड के नाम पर तैयार किया जा रहा 210 किलो नकली घी बरामद किया। मामले में आरोपी कमलेश राजपूत को गिरफ्तार कर कॉपीराइट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई एडिशनल एसपी दीपक गर्ग के नेतृत्व में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि सरगोठ निवासी कमलेश राजपूत पुत्र भवानी सिंह अपने घर पर नकली स्टिकर लगाकर ब्रांडेड कंपनियों के नाम से घी बेच रहा है। इसके बाद डीएसबी ब्रांच और रींगस पुलिस ने संयुक्त रूप से दबिश दी।

यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी में नहीं मिला ठंडा पानी

छात्रों ने एचओडी के कमरे से बाहर निकाला फ्रिज

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी की सेंट्रल लाइब्रेरी में तपती गर्मी के बीच छात्रों को ठंडा पानी न मिलने का मुद्दा विवाद में बदल गया। शिकायत पर छात्र नेता शुभम रेवाड़ के नेतृत्व में दर्जनों छात्र लाइब्रेरी पहुंचे और बदहाली देखकर जमकर नाराजगी जताई। आक्रोशित छात्रों ने एक चौंकाने वाला कदम उठाते हुए लाइब्रेरी के हेड ऑफ डिपार्टमेंट राजेश पूनिया के केबिन में रखा डबल डोर फ्रिज बाहर निकाल लिया और उसे आम विद्यार्थियों के उपयोग के लिए गैलरी में रखवा दिया। छात्र नेता रेवाड़ ने राजस्थान यूनिवर्सिटी में वीआइपी कल्चर पर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी अपने बंद कमरों में एसी, कूलर और ठंडे पानी का आनंद ले रहे हैं, जबकि देश का भविष्य कहे जाने वाले छात्र चिलचिलाती गर्मी में गर्म पानी पीने को मजबूर हैं। छात्रों ने इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही को लेकर जमकर नारेबाजी की।

नाले में भरे पानी में नहाने उतरी 2 बच्चियों की मौत

बांसवाड़ा, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में देर रात नाले में भरे पानी में नहाने उतरी दो मासूम बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। हादसा आबापुरा थाना क्षेत्र के उमरी नाला डाबरा में हुआ। मृतकों की पहचान नादिया निवासी भूली और रोनिका के रुप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दो बच्चियों के शवों को पानी से बाहर निकालकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

पुलिस के मुताबिक दोनों बच्चियां बांसवाड़ा जिले के नादिया गांव की रहने वाली थी। वे घर से डेढ़ किलोमीटर दूर नाले में नहाने के लिए गई थीं। लेकिन, देर शाम तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने दो बच्चियों की काफी तलाश की। लेकिन, देर रात तक कोई सुराग नहीं लगा। तभी स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों बच्चियों को आखिरी बार गड्ढे के पास देखा गया।

बच्चियों के पानी में डूबने की आशंका के चलते रात करीब 9 बजे आबापुरा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एएसआई रवि थापा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 4 घंटे तक पानी के अंदर मासूम बच्चियों की तलाश की गई। आखिरकार देर रात करीब एक बजे पुलिस ने दोनों बच्चियों के शवों को पानी से बाहर निकाला।

यूट्यूब चैनल पर केस

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी के खिलाफ कथित तौर पर मॉर्फ्ड वीडियो और झूठी सामग्री सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में एक यूट्यूब चैनल के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, कमलापुरी कॉलोनी निवासी अधिवक्ता रामकृष्ण मिरयाला ने सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि यूट्यूब चैनल ने फर्जी वीडियो और संपादित तस्वीरें अपलोड की हैं, जिससे अभिनेता की छवि को नुकसान पहुंच सकता है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को सबूत के तौर पर स्क्रीनशॉट और वीडियो क्लिप भी सौंपे हैं। स्थानीय अदालत से अनुमति मिलने के बाद जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हर वर्ष गुरुकुल स्कूलों में प्रवेश बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए : भट्टी

गुरुकुल संस्थानों की तैयारी पर डिप्टी सीएम का सख्त निर्देश

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आगामी शैक्षणिक वर्ष से पहले सभी गुरुकुल संस्थानों को पूरी तरह तैयार किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने खम्मम जिला कलेक्टर दिवाकर टीएस, अतिरिक्त कलेक्टर डॉ.पी. श्रीजा, पुलिस आयुक्त सुनील दत्त और अन्य अधिकारियों के साथ बुधवार को कलेक्ट्रेट में गुरुकुल एवं वेलफेयर रेजिडेंशियल शैक्षणिक संस्थानों की समीक्षा बैठक की। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में हर वर्ष गुरुकुल स्कूलों में प्रवेश बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन आवासीय स्कूलों में सीटें खाली रहती हैं, उनका अध्ययन कर कारणों की पहचान की जाए और तत्काल समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि नया शैक्षणिक वर्ष 12 जून से शुरू हो रहा है, इसलिए

सभी संस्थानों को उससे पहले पूरी तरह तैयार किया जाए तथा गर्मियों में ही मरम्मत और बुनियादी ढांचे के कार्य पूरे किए जाएं। भट्टी विक्रमार्क ने निर्देश दिया कि सभी आवासीय स्कूलों में डाइट चार्ज और मेन्यू की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। साथ ही प्रत्येक गुरुकुल संस्था के लिए जिला स्तरीय अधिकारी को प्रभारी नियुक्त किया जाए, जो हर महीने निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि जिला अधिकारी नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण करें और निरीक्षण रिपोर्ट अनिवार्य रूप से दर्ज करें। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की मासिक जांच के लिए डॉक्टरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने किराए की इमारतों में चल रहे गुरुकुल संस्थानों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने वर्तमान में निर्माणाधीन पांच यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल भवनों के कार्य में तेजी लाने को भी कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक गुरुकुल संस्थानों की स्थिति का आकलन कर यह योजना तैयार की जाए कि यंग इंडिया स्कूलों के पूरा होने पर किन संस्थानों को स्थानांतरित किया जा सकता है। क्षेत्रीय समन्वयकों को अगले 12 दिनों में चेकलिस्ट के अनुसार सभी स्कूलों का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए छात्रों को समय पर पाठ्यपुस्तकें और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इसमें भारी धनराशि खर्च की जा रही है, इसलिए किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

एनआईएफटी हैदराबाद में वार्षिक परियोजना प्रदर्शनी आयोजित

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) हैदराबाद में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक परियोजना प्रदर्शनी 2026 आयोजित की गई। प्रदर्शनी में परिधान डिजाइन, बुना परिधान डिजाइन, फैशन एवं जीवनशैली सहायक वस्तु डिजाइन, फैशन संचार, फैशन प्रौद्योगिकी, वस्त्र डिजाइन तथा फैशन प्रबंधन विभागों की नई और रचनात्मक परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं।

विद्यार्थियों की परियोजनाओं में उत्पाद निर्माण, विपणन, डिजिटल प्रचार, ऑनलाइन व्यापार, खुदरा प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक, स्वचालन, ब्रांड निर्माण, सामाजिक माध्यम डिजाइन और भविष्य के फैशन रुझानों से जुड़े कई नए प्रयोग देखने को मिले। कार्यक्रम में आकर्षक परिधान प्रदर्शन और परियोजना प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और फैशन जगत में उनकी तैयारी को दर्शाया गया। इस वर्ष 239 विद्यार्थी स्नातक हुए। परियोजनाओं का मूल्यांकन विभिन्न श्रेणियों में किया गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ परियोजना, सबसे नवाचारी परियोजना, व्यावसायिक रूप से उपयोगी परियोजना तथा आधुनिक डिजाइन में उत्कृष्टता शामिल रही।

सिंगरेणी मजदूरों की हड़ताल की चेतावनी

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज वर्कर्स यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि राज्य सरकार ने लंबित श्रमिक मुद्दों का समाधान नहीं किया तो जून के दूसरे सप्ताह से हड़ताल की जाएगी। यह चेतावनी मखदूम भवन स्थित सीपीआई राज्य मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी गई। सीपीआई राज्य सचिव एवं विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने आरोप लगाया कि सरकार श्रमिक कल्याण की अनदेखी कर केवल मुनाफे पर ध्यान दे रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार पर सिंगरेणी से जुड़े 56,000 करोड़ रुपये बकाया हैं और कंपनी को हाल में हुए वित्तीय नुकसान पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमे ट्वीट्टर@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट :www.scr.indianrailway.gov.in पर भी उपलब्ध।

निविदा सं. सी/एसजी/36/604/ दि.25-05-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेन्डर्स संबध्द ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.-01, निविदा सं. & तिथिः सी_ एसजी_36_604 दि.22-05-2026, बंद करने की तिथिः15-06-2026, कार्य विवरणः एससी डिवीजन पर, लेन्थी ब्लाक सेक्शन्स तथा अधिक 10000 टीवीयुज सहित एनजेडबी-पीडीपीएल सेक्शन के तीन (3) एलसी गेट्स (एलसी नं.42,24 &15) की इन्टरलाकिंग से संबंधित सिग्नलिंग व्यवस्था। अनुमानित मूल्य रु.3,12,51,280.06 बोली सुरक्षा/अग्रधन रु. 625000.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव), गुन्टूर द्वारा निम्न कार्यो हेतु जीइएम पोर्टलः https://gem.gov.in द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, निविदा संदर्भ संख्याः जीइएम/2026/बी/7573090, दि.22-05-2026 निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः 2 वर्ष की अवधि हेतु पीजीडीपी-वीएनयुपी-जेएनपीडी सेक्शन में बिजली संबध्द जनरल सर्विस एस्सेट्स पर ध्यान या ब्रेकडाउन एटेंशन, रखरखाव हेतु मैनपावर की आउटसोर्सिंग करना। **अनुमानित मूल्य रु.38,10,697.09 अग्रधन रु.76,300.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी)** रु शून्य

क्रम सं.02, निविदा संदर्भ संख्याः जीइएम/2026/बी/7575437, दि.22-05-2026 निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः 2 वर्ष की अवधि हेतु पीजीडीपी-वीएनयुपी-जेएनपीडी सेक्शन में संचालन की आउटसोर्सिंग &इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन्स तथा डिपोज की मैनिंग करना। **अनुमानित मूल्य रु.25,04,121.70 अग्रधन रु.50,100.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु.शून्य**

क्रम सं.1 हेतु ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति के लिए अंतिम तिथि **13-06-2026** के 17.00 बजे तक है।
क्रम सं.2 हेतु ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति के लिए अंतिम तिथि 15-06-2026 के 18.00 बजे तक
है। किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलःhttps://gem.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुन्टूर

निविदा सूचना संख्याः बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-09-2026-27 दि.22-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर- 09/2026-27 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन के जीडीवी-एमटीएम सेक्शन में तथा बीजेडए-बीवीआरएम सेक्शन में मिड सेक्शन मानवनिर्मित या मैन्ड एलसी गेट संख्या 69 & 76 की प्रस्तावित इन्टरलाकिंग सहित तत्संबंधित आक्सीलरी ट्रान्सफार्मर्स (10/25केवीए) का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.30,57,940.00 बोली सुरक्षा (अग्रधन) रु.61,200.00 **कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 16-06-2026 निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य**

संपूर्ण विवरण तथा शर्तो हेतु हमारे वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर जाएं। टिप्पणीः यदि निविदा खोलने की तिथि को छुट्टी घोषित होने पर निविदा को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, विजयवाडा

ई-निविदा संख्याः डीवाय.सीई-जीएस-बीजेडए-05-2026-27 दि.25-05-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकरण की खुली निविदा/एकल पैकेट/दो पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, निविदा संख्या व तिथिः डीवाय.सीई-जीएस-बीजेडए-05-2026-27 दि.25-05-2026 कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजन-इएलएस (विजयवाडा)-दो स्पैन्स (2x17x9.5एम) द्वारा एचएल बे (केजेडजे एन्ड) का प्रस्तावित विस्तार कार्य, एक स्पैन (1x17.9.5एम) द्वारा एलएल बे(बीजेडए एन्ड) का विस्तार करना, एक स्पैन (1x17x 9.5एम) द्वारा एलएल बे (केजेडजे एन्ड) का विस्तार करना, मौजूदा सर्विस बिल्डिंग (117x10एम) को ध्वस्त करना, नई सर्विस बिल्डिंग (127 x10एम) का निर्माण, 9.0 x6.0एम साइज की हैण्ड वाश एरिया सहित नए शौचालयों का निर्माण तथा मौजूदा का ध्वस्तीकरण। शौचालयों, 200 इस्तेमालकर्ताओं हेतु सेप्टिक टैन्क का निर्माण, एलएल बे हेतु संपूर्ण इंडस्ट्रियल रि-फ्लूरिंग (वीडीएफ + आयरोनाइट), ट्रैक कार्य। (आईआरपीएसएम आयडी नं. 11.06.42.23.1.47.007) निविदा मूल्य रु.164209642.18 अग्रधन रु.3284200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 17-06-2026 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2. निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि के दौरान निविदा बंद करने से पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
3. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन में जारी) को, निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

उप मुख्य अभियन्ता, गति शक्ति, विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं. 48-डीवाय.सीई/जीएस/जीएनटी

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु **दि.24-06-2026 के 15.00 बजे** तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, टेन्डर आयडीः 88 सेक्शनः डीवाय.सीई/जीएस/जीएनटी कार्य विवरणःगुंटूरः जीएनटी-केसीसी, गुंटूर-नाम्बुर स्टेशनों के बीच किमी 3/25-27 पर एलसी नं.03 के स्थान पर 4 लेन आरओबी का निर्माण कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.69,52,95,220.59 अग्रधन रु.1,39,05,900.00**

1. ई-बिड्स या बोली की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 24-06-2026 के 15.00 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।
2. किसी भी अधिक संचार-शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं.03/डीवाय. सीएसटीई/सी-।/एससी/2026-27 दि.26-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल & दूर संचार अभियंता (निर्माण-।), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन सहित निम्न कार्यो हेतु **दि.19-06-2026 के 15.00 बजे** तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित है।

क्रम सं.01, निविदा संख्याः सी-एसजी-सी-36-5-234-2026 कार्य विवरणः दम रेलवे के पीआरएलआई-पीबीएन डबलिंग या दोहरीकरण कार्य सहित तत्संबंधित पीआरएलआई-पीबीएन सेक्शन के बीच ईआई में इन-बिल्ट ब्लाक हेतु डेडिकेटेड ओएफसी का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य रु.83247776.30पैसे बोली सुरक्षा रु.1665000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने**

1) बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2) बोली सुरक्षा राशि को, ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद में जमा कर सकते हैं अथवा किसी भी अनुसूचित भारतीय वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारण्टी बांड के रुप में प्रस्तुत कर सकते हैं।
3)निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने से पूर्व पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
4) निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते है।

उप मुख्य सिग्नल & दूर संचार अभियंता (निर्माण-।), सिकंदराबाद

संख्या-एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2026-27 दि.22-05-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय अभियंता, को-आर्ड., नांदेड, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः टी-202627-3-022, प्राधिकरणः को-आर्ड.कार्य विवरणः डीइएन/डब्ल्यू/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एडब्ल्यूबी के अंतर्गत एसएसइ/पीवे/एलएसआर& एसएसइ/पीवे/एडब्ल्यूबी के तहत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य। **निविदा मूल्य रु.14990535.94 अग्रधन रु.299800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः** नौ महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम संख्याः02, निविदा संख्याः टी-202627-1-023, प्राधिकरणः को-आर्ड. कार्य विवरणः नांदेड स्टेशन पर एक वर्ष की अवधि हेतु रेलवे ओएच टैन्क्स में पम्पिंग सहित प्राइवेट एजेंसी द्वारा रोड टैन्कर्स के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति तथा परिवहन कार्य। **निविदा मूल्य रु.8648310.00 अग्रधन रु.173000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः** बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः टी-202627-3- 022, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक) -ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः02, निविदा संख्याः टी-202627-1-023, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-ट्रैक कार्य/झोनल कार्य को छोडकर, कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य। उपरोक्त्त सभी निविदाएं दि.18-06-2026 के 15.00 बजे बंद होगी। बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

ए380 **एसआर. डीइएन/को-आर्ड./नांदेड**

निविदा नियम शर्तें/ज्यादा जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स : https://www .ireps.gov.in या www.scr.indian-railways.gov.in पर जाएं।

यूपीएससी ने जारी की प्रारंभिक परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने बुधवार को सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के प्रथम और द्वितीय प्रश्न पत्र की अंतिम उत्तर कुंजी जारी कर दी। परीक्षा 24 मई को आयोजित की गई थी। उम्मीदवार आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध उत्तर कुंजी से अपने उत्तरों का मिलान कर सकते हैं। यदि किसी प्रश्न या उत्तर पर आपत्ति हो तो अभ्यर्थी 31 मई शाम 6 बजे तक आयोग की वेबसाइट के माध्यम से अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आयोग ने कहा है कि अभ्यर्थियों को अपनी आपत्ति के साथ संक्षिप्त विवरण और तीन प्रमाणित स्रोतों से संबंधित दस्तावेज भी जमा करने होंगे।

यूपीएससी के अनुसार सभी आपत्तियों की जांच विषय विशेषज्ञों की समिति करेगी। समिति प्रत्येक आपत्ति और उससे जुड़े दस्तावेजों की समीक्षा कर अंतिम निर्णय देगी। सभी आपत्तियों पर विचार करने के बाद ही अंतिम उत्तर कुंजी जारी की जाएगी। ब्रेन ट्री संस्थान के निदेशक वी गोपाल कृष्ण ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा के इतिहास में पहली बार परीक्षा के तुरंत बाद उत्तर कुंजी जारी की गई है और आपत्तियां मांगी गई हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

एनटीआर प्रतिमा उद्घाटन के चलते ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीआर प्रतिमा के उद्घाटन कार्यक्रम के मद्देनजर शहर के मैत्रीवनम जंक्शन, अमीरपेट और आसपास के क्षेत्रों में यातायात पुलिस ने व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार ये डायवर्जन 28 मई रात 11 बजे तक प्रभावी रहेंगे। वीआईपी मूवमेंट और बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। निर्धारित डायवर्जन के अनुसार अमीरपेट, सत्यं थिएटर और एसआर नगर से जुबली हिल्स चेक पोस्ट (यूसुफगुडा मार्ग) की ओर जाने वाला यातायात वेंगलराव नगर, कल्याण नगर जंक्शन और कृष्ण कांत पार्क के रास्ते भेजा जाएगा।

माउंट एवरेस्ट से लौटते समय हैदराबाद के पर्वतारोही की मौत

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद निवासी 53 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ अरुण कुमार तिवारी की माउंट एवरेस्ट से उतरते समय मौत हो गई। वह पिछले सप्ताह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सफलतापूर्वक पहुंचने के बाद वापस लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार तिवारी करीब 8,790 मीटर की ऊंचाई पर हिलेरी स्टेप के पास अचानक गिर पड़े। उन्हें खून की उल्टी होने लगी। साथ मौजूद शेरपा पर्वतारोहियों ने उन्हें ऑक्सीजन देने की कोशिश की, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। अभियान आयोजित करने वाली संस्था ने बताया कि

8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र से शव निकालना बेहद खतरनाक और कठिन कार्य है। इस कारण परिवार ने उनका पार्थिव शरीर पर्वत पर ही छोड़ने का निर्णय लिया है। परिवार का कहना है कि यह फैसला केवल आर्थिक कारणों से नहीं, बल्कि उनकी धार्मिक आस्था और हिमालय से गहरे जुड़ाव के कारण लिया गया। परिवार के अनुसार वे हिमालय को भगवान शिव का निवास मानते हैं और अरुण तिवारी की मृत्यु को आध्यात्मिक समाधि के रूप में देख रहे हैं।

बताया गया है कि शव को नीचे लाने के लिए कई शेरपा पर्वतारोहियों की जरूरत पड़ती है और इसमें जान का बड़ा जोखिम रहता है। अत्यधिक ठंड, ऑक्सीजन की कमी और हिमस्खलन जैसी परिस्थितियों के कारण ऐसे अभियान बेहद कठिन माने जाते हैं। अरुण कुमार तिवारी अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं।

दो महिलाओं के परिवारों ने किया अंगदान

> छह मरीजों को मिलेगा नया जीवन

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर की 61 वर्षीय बुशिपाका लक्ष्मी और करीमनगर की 25 वर्षीय अक्कापेल्ली सुप्रिया के परिवारों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए उनके अंग दान करने की सहमति दी है। दोनों महिलाओं को चिकित्सकों ने ब्रेन डेड घोषित किया था।

राज्य सरकार की जीवनदान अंगदान योजना के तहत दोनों महिलाओं के कुल छह अंग जरूरतमंद मरीजों को दान किए गए। जानकारी के अनुसार, हयातनगर के खास बाग निवासी बुशिपाका लक्ष्मी 23 मई की शाम अपने बेटे के साथ नारकेटपल्ली जा रही थीं। इसी दौरान वह अचानक दोपहिया वाहन से गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इसके बाद उनके बेटे बुशिपाका राजशेखर ने उनकी एक किडनी, एक लीवर और दोनों नेत्र दान करने की सहमति दी। इससे चार जरूरतमंद मरीजों को मदद मिलेगी। वहीं 24 मई को अक्कापेल्ली सुप्रिया दोपहिया वाहन चला रही थीं, तभी उनका वाहन फिसल गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। पहले उन्हें जगतियाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद लाया गया। उपचार के दौरान मंगलवार को उन्हें भी ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। उनके पति अक्कापेल्ली प्रवीण कुमार ने उनकी एक किडनी और एक लीवर दान करने की अनुमति दी, जिससे दो मरीजों को नया जीवन मिल सकेगा।

धान खरीद में देरी से नाराज किसानों का प्रदर्शन

मेदक, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बारिश से धान की फसल खराब होने के बाद पूर्व मेदक जिले में किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने धान खरीद में देरी को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। तुप्रान मंडल के थाथा पापनपल्ली, नागुलपल्ली और अन्य गांवों के किसानों ने रास्ता रोको आंदोलन करते हुए सरकार पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। किसानों का कहना था कि खरीद केंद्रों पर धान लंबे समय से पड़ा है, लेकिन समय पर उठान नहीं होने से बारिश में फसल खराब हो गई।

किसानों ने सरकार से मांग की कि खरीद केंद्रों में रखे बचे हुए धान को तुरंत उठाने के लिए ट्रक भेजे जाएं। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय पुलिस किसानों को समझाकर धरना खत्म कराने पहुंची, लेकिन किसान पुलिस से बहस करने लगे। जिले के कई अन्य स्थानों पर भी किसानों ने विरोध प्रदर्शन किए।

भारत का पहला पुनः उपयोग होने वाला तरल रॉकेट इंजन विकसित किया

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की अंतरिक्ष और रक्षा तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी अब्योम स्पेसटेक एंड डिफेंस ने भारत के पहले पूरी तरह स्वदेशी पुनः उपयोग होने वाले तरल रॉकेट इंजन के सफल परीक्षण का दावा किया है। कंपनी ने अपनी व्यावसायिक परीक्षण सुविधा में इस इंजन का सफल परीक्षण किया। इसे कंपनी के उड़ान योग्य क्रायोजेनिक इंजन और पुनः उपयोग होने वाले रॉकेट कार्यक्रम की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

कंपनी के अनुसार यह परीक्षण कम लागत वाले अंतरिक्ष प्रक्षेपण, रक्षा क्षमता मजबूत करने और विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे भविष्य में भारत के अंतरिक्ष अभियानों को भी मजबूती मिलेगी। कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैनुल अबेदीन ने कहा कि यह केवल इंजन का परीक्षण नहीं, बल्कि भारत में पूरी तरह स्वदेशी पुनः उपयोग होने वाली प्रणोदन प्रणाली के निर्माण का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि इंजन प्रणाली, नियंत्रण व्यवस्था, उपकरण और डाटा प्रणाली सहित पूरी परीक्षण व्यवस्था कंपनी ने स्वयं विकसित की है। कंपनी का कहना है कि उसकी परीक्षण सुविधा भविष्य में अन्य संस्थानों और कंपनियों को भी सेवाएं दे सकेगी।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में पधारे राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विट्ठलदास अग्रवाल, बड़े गांव वाले, विजय कुमार, ताम्बी रामनिवास, पंडित अशोक, लाखोटिया प्रवीण अग्रवाल, विजय अग्रवाल, भरत कुमार, सोनरहलिया सुभाष बड़ेगांव वाले, विनय कुमार सोंथालिया, सुरेश कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार, पल्लवी संध्या अग्रवाल, विजया लक्ष्मी और अन्य।

बारिश के बावजूद कई जिलों में लू का असर जारी

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के जिलों में हुई गरज के साथ बारिश से तापमान में कुछ गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राज्य के कई हिस्सों में लू का असर अभी कुछ दिन और जारी रह सकता है। हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को जारी पूर्वानुमान में पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी रखा है। इन क्षेत्रों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी और पूर्वी जिलों में बना उच्च दबाव क्षेत्र गर्म हवाओं को बढ़ा रहा है, जिससे तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में लू की स्थिति धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती है। गुरुवार या शुक्रवार तक अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिनों में कई इलाकों में गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इससे मौसम में धीरे-धीरे ठंडक बढ़ेगी और 29 या 30 मई तक अधिकांश क्षेत्रों में लू का प्रभाव कम हो सकता है।

मौसम हुआ सुहाना रातभर बारिश और आंधी से गर्मी से मिली राहत

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महीने से पड़ रही भीषण गर्मी के बाद बुधवार को हैदराबाद और आसपास के इलाकों में मौसम सुहाना हो गया। रातभर हुई गरज-चमक और बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। सुबह आसमान में घने बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलती रहीं। हैदराबाद समेत तेलंगाना के कई जिलों में देर रात से बारिश शुरू हुई, जो कई घंटों तक जारी रही। तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सिद्दीपेट, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर, वानापर्थी, नागरकर्नूल, गदवाल, नारायणपेट, निजामाबाद और हैदराबाद समेत कई इलाकों में बारिश हुई। हैदराबाद क्षेत्र में मेडचल-मलकाजगिरि, बीएचईएल, सेरिलिंगमपल्ली, राजेंद्रनगर, शेकपेट, आसिफनगर, गोलकोंडा, खैरताबाद और सिकंदराबाद जैसे इलाकों में भी रातभर गरज के साथ बारिश होती रही। टीएसडीपीएस के अनुसार महबूबनगर जिले के भूतपुर क्षेत्र में सबसे ज्यादा 112 मिमी बारिश दर्ज की गई।

राज्यपाल ने बकरीद पर शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बकरीद के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। बुधवार को जारी संदेश में राज्यपाल ने कहा कि बकरीद त्याग, समर्पण और आस्था का प्रतीक पर्व है। यह पर्व दान, सेवा, भाईचारे और जरूरतमंदों की सहायता जैसे मानवीय मूल्यों का संदेश देता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पर्व समाज में शांति, सौहार्द, सहयोग, करुणा और एकता की भावना को और मजबूत करेगा। राज्यपाल ने लोगों से बकरीद को उसकी वास्तविक भावना के साथ मनाने का आह्वान किया।

बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से धान भीगा

करीमनगर, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व करीमनगर जिले के कई हिस्सों में मंगलवार रात हुई बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। कई खरीद केंद्रों पर रखा धान बारिश के पानी में भीग गया। तेज हवाओं के कारण कई जगह पेड़, पट्टियां और होर्डिंग बिजली के तारों पर गिर गए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। करीमनगर कस्बे के कई इलाकों में रातभर बिजली गुल रही। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने देर रात से राहत कार्य शुरू किया और सुबह करीब 3 बजे तक पेड़ों व फ्लेक्सी की शाखाओं को हटाकर बिजली आपूर्ति बहाल की।

पॉक्सो मामले में युवक को 20 साल की सजा

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट में वर्ष 2022 में दर्ज पीओसीएसओ मामले में स्थानीय अदालत ने एक युवक को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय वी पवन को शादी का झांसा देकर 15 वर्षीय किशोरी का यौन उत्पीड़न करने का दोषी पाया गया। पीड़िता की शिकायत पर अंबरपेट पुलिस ने वर्ष 2022 में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि मुकदमे की पूरी प्रक्रिया के दौरान भरोसा केंद्र ने पीड़िता और उसके परिवार को परामर्श और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

आदिलाबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। घरों में चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 33 तोला सोना, 77 तोला चांदी, एक कार, चार मोबाइल फोन और 15,200 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 46.46 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बुधवार को बताया कि नई दिल्ली निवासी जयचंद गोकुल, नागपुर निवासी प्रेम शालिकराम खत्री और सतेंद्र गुप्ता को सीसीआई क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान पकड़ा गया। पुलिस को देखकर आरोपी भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने आदिलाबाद, वारंगल, निजामाबाद और कामारेड्डी जिलों में हाल के दिनों में हुई कई चोरियों में शामिल होने की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से बंद पड़े घरों को निशाना बनाते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी पंजीकरण नंबर और फास्ट टैग लगी कार का इस्तेमाल कर पुलिस से बचने की कोशिश करते थे। पुलिस अधीक्षक ने गिरोह को पकड़ने वाली टीम के निरीक्षक सुनील कुमार, उपनिरीक्षक अशोक, संजय, रमेश, हनुमंथु, सतला श्रीनु, जाकिर, आरएस रमेश, रुकमा रेड्डी, राहत और अन्य पुलिसकर्मियों की सराहना की। इस दौरान आदिलाबाद डीएसपी एल. जीवन रेड्डी समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पाटीदार ने धोनी और रोहित की बराबरी की

बेंगलुरु को लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचाया, सबसे तेज 200 छक्के लगाने वाले भारतीय भी बने

धर्मशाला, 27 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरे सीजन आईपीएल फाइनल में जगह बना ली है। छठी बार कोई डिफेंडिंग चैंपियन फाइनल में पहुंची है।

बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इस जीत के साथ एमएस धोनी और रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। वह लगातार दो आईपीएल फाइनल में टीम को पहुंचाने वाले पांचवें कप्तान बने। पाटीदार ने बल्लेबाजी में भी कमाल किया और सबसे तेज 200 सिक्स लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा।

पाटीदार की 33 बाल पर नाबाद 93 रन की पारी की बदौलत बेंगलुरु ने आईपीएल प्लेऑफ इतिहास में 254 रन का सबसे बड़ा स्कोर भी खड़ा किया। पाटीदार ने 282 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। जो लीग के इतिहास में 90 रन से ज्यादा की सबसे तेज पारी है।

बेंगलुरु ने IPL फाइनल में 5वीं बार जगह बनाई। टीम 2009, 2011, 2016, 2025 और 2026 में फाइनल में पहुंची। वह सबसे ज्यादा बार आईपीएल फाइनल खेलने वाली तीसरी टीम है। चेन्नई रिकॉर्ड 10 फाइनल के साथ नंबर एक पर है। वहीं मुंबई 6 फाइनल के साथ दूसरे पायदान पर है।

बेंगलुरु ने गुजरात के खिलाफ धर्मशाला में 92 रन से जीत दर्ज की। यह आईपीएल प्लेऑफ में रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत है। राजस्थान पहले नंबर पर है, जिन्होंने 2008 में दिल्ली के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 105 रन से जीत हासिल की थी।

रजत पाटीदार की कप्तानी में बेंगलुरु ने फाइनल में जगह बनाई। बतौर कप्तान पाटीदार लगातार दो या उससे ज्यादा बार आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाले 5वें कप्तान बन गए।

धोनी ने चेन्नई की कप्तानी करते हुए 2010, 2011, 2012, 2013 में लगातार 4 साल तक फाइनल खेले थे। इसके बाद उन्होंने 2018 और 2019 में भी लगातार चेन्नई को फाइनल में पहुंचाया। वहीं, रोहित शर्मा ने 2019 और 2020 में मुंबई को फाइनल में पहुंचाया था।

पाटीदार ने टी-20 क्रिकेट में सिर्फ 105 पारियों में 200 छक्के पूरे कर लिए। वे यह मुकाम सबसे तेजी से हासिल करने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा। अभिषेक ने 125 पारियों में 200 सिक्स लगाए थे।

पाटीदार ने कप्तान के तौर पर नाबाद 93 रन की पारी खेलकर डेविड वॉर्नर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। प्लेऑफ में बतौर कप्तान सबसे बड़ा स्कोर बनाने के मामले में अब दोनों संयुक्त रूप से टॉप पर हैं।

पाटीदार ने गुजरात के खिलाफ 9 छक्के जड़कर आईपीएल प्लेऑफ इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली पारी खेली। इस लिस्ट में शुभमन गिल 10 सिक्स के साथ पहले स्थान पर हैं।

पाटीदार ने गुजरात के खिलाफ 93 रन की पारी में 9 छक्के लगाए। इसके साथ ही उनके आईपीएल प्लेऑफ में 24 छक्के हो गए हैं। वे प्लेऑफ मैचों में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में सुरेश रैना 40 छक्कों के साथ पहले नंबर पर हैं। वहीं धोनी 28 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

पाटीदार ने सिर्फ 21 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। यह आईपीएल प्लेऑफ में कप्तान के तौर पर तीसरी सबसे तेज फिफ्टी है। पहले नंबर पर एडम गिलक्रिस्ट हैं। उन्होंने 19 बॉल पर फिफ्टी लगाई थी। दूसरे नंबर पर धोनी हैं, 2012 में धोनी ने मुंबई के खिलाफ 20 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया था।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चौथी बार टी-20 में 250+ स्कोर बनाया। टीम इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारत और सनराइजर्स हैदराबाद उससे आगे हैं।

बेंगलुरु ने आईपीएल प्लेऑफ का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। उन्होंने गुजरात के खिलाफ 254/5 का स्कोर बनाया। उन्होंने गुजरात के ही तीन साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। गुजरात ने 2023 में मुंबई के खिलाफ अहमदाबाद के मैदान पर 233/3 का स्कोर बनाया था।

बेंगलुरु ने मैच में कुल 38 बाउंड्री लगाई। यह आईपीएल प्लेऑफ में किसी टीम द्वारा एक मैच में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने चेन्नई का रिकॉर्ड तोड़ी, जिन्होंने 2012 में दिल्ली के खिलाफ चेन्नई के मैदान पर 33 बाउंड्री लगाई थीं।

बेंगलुरु ने गुजरात के खिलाफ 5 विकेट खोकर 254 रन बनाए। ये आईपीएल में बेंगलुरु का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम ने 2013 में पुणे वारियर्स इंडिया के खिलाफ लीग का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। उन्होंने बेंगलुरु के मैदान पर 263/5 स्कोर किए थे।

बेंगलुरु ने गुजरात के खिलाफ पावरप्ले में 76/1 का स्कोर बनाया। यह आईपीएल प्लेऑफ में पहले 6 ओवर में सबसे बड़ा स्कोर है। इस लिस्ट में चेन्नई सुपर किंग्स पहले नंबर पर है, जिन्होंने साल 2014 में पंजाब किंग्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 100/2 का स्कोर बनाया था।

कुलवंत खेजरोलिया ने बेंगलुरु की पारी के 15वें ओवर में 28 रन दिए। ये IPL प्लेऑफ में दूसरा सबसे महंगा ओवर है। इस लिस्ट में पंजाब किंग्स के परविंदर अवाना पहले नंबर पर हैं। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 2014 के क्वालीफायर में पंजाब की ओर से खेलते हुए वानखेड़े स्टेडियम में 33 रन दिए थे।

कगिसो रबाडा ने इस सीजन 18वीं बार पावरप्ले में विकेट चटकाया। उन्होंने धर्मशाला में वेंकटेश अय्यर को आउट किया। इसी के साथ वे आईपीएल के एक सीजन में पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने मोहम्मद शमी को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2023 में 17 विकेट झटके थे।

भुवनेश्वर कुमार ने क्वालीफायर-1 में 2 विकेट चटकाए। उन्होंने आईपीएल 2026 में 26 विकेट लिए। इसके साथ वे आईपीएल के एक सीजन में बेंगलुरु के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। हर्षल पटेल पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने 2021 में रिकॉर्ड 32 विकेट लिए थे। वानिंदु हसरंगा ने भी 2022 में 26 विकेट लिए थे।

भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विजय शंकर की नई टीम में एंट्री

लिया बहुत बड़ा फैसला

चेन्नई, 27 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर लंका प्रीमियर लीग में खेलते नजर आएंगे. विजय शंकर ने 22 मई को भारतीय घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास का ऐलान किया था और अब ये खिलाड़ी विदेशी लीग में खेलता नजर आएगा. विजय शंकर कैंडी रॉयल्स के लिए खेलेंगे

लंका प्रीमियर लीग में भारत के कुछ ही खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है. इनमें इरफान पठान, मुनाफ पटेल, सुदीप त्यागी और मनप्रीत गोनी का नाम शामिल है. अब विजय शंकर का नाम भी इस लिस्ट में जुड़ गया है.

विजय शंकर को लीग क्रिकेट में आईपीएल का अच्छा खासा अनुभव है. विजय शंकर ने साल 2014 में आईपीएल डेब्यू किया था और वो चेन्नई सुपरकिंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, और गुजरात टाइटंस के लिए खेले.

विजय शंकर ने आईपीएल में 78 मैचों में 1233 रन बनाए. उनकी बैटिंग एवरेज 26.33 रही. विजय शंकर ने आईपीएल में 7 अर्धशतक लगाए. उन्होंने आईपीएल में 9 विकेट भी हासिल किए.

विजय शंकर ने भारत के लिए 12 वनडे में 31.8 की औसत से 223 रन बनाए हैं. उन्होंने 9 टी20 मैचों में 25 से ज्यादा की औसत से 101 रन बनाए. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में विजय शंकर के नाम 13 शतक हैं. लिस्ट ए में उन्होंने 2 सेंचुरी लगाई हैं.

एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता रणधीर सिंह का निधन

भारतीय खेल जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ प्रशासक और एशियाई खेलों में भारत के पहले शूटिंग स्वर्ण पदक विजेता रणधीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। बताया गया है कि वह पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। बाद में उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

रणधीर सिंह ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें वर्ष 2024 में

चार साल के कार्यकाल के लिए ओसीए का अध्यक्ष चुना गया था। वह लंबे समय तक एशियाई और भारतीय खेल प्रशासन से जुड़े रहे और खेलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रणधीर सिंह भारत के पहले ऐसे निशानेबाज थे जिन्होंने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय शूटिंग के इतिहास में मील का पत्थर माना जाता है। खेल प्रशासन में आने के बाद भी उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों और खेल संगठनों के लिए लगातार काम किया।

रणधीर सिंह के निधन की खबर सामने आने के बाद खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई। खिलाड़ियों, खेल प्रशासकों और खेल प्रेमियों ने उनके योगदान को याद किया। भारतीय खेलों में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

पीवी सिंधू ने सिंगापुर ओपन में जीत से की शुरुआत, सात्विक-चिराग की जोड़ी भी आगे बढ़ी

सिंगापुर, 27 मई (एजेंसियां)। स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी को सीधे गेम में हराकर सिंगापुर ओपन में महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गईं। 30 साल की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने इस सुपर 750 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में दुनिया की छठे नंबर की इंडोनेशियाई खिलाड़ी को 21-17, 21-18 से हराया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का अगला मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

यह सिंधू के लिए मनोबल बढ़ाने वाली जीत थी जो पिछले साल विश्व चैंपियनशिप और सुदीरमन कप में इस इंडोनेशियाई खिलाड़ी से दो बार हार चुकी थीं। दुनिया की 11वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने 4-0 की बढ़त बनाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन वरदानी ने वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया और फिर 15-11 की बढ़त बना ली। हालांकि सिंधू ने जोरदार पलटवार करते हुए आखिरी सात में से छह अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सिंधू ने 13-11 की बढ़त बनाई लेकिन वरदानी ने एक बार फिर स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि मैच के अंतिम क्षणों में संयम

बनाए रखा मुकाबला जीत लिया। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पुरुष युगल जोड़ी भी शुरुआती दौर में चेन झी यी और प्रेस्ली स्मिथ की मलयेशिया की दुनिया की 25वें नंबर की जोड़ी को 26-28, 21-15, 21-13 से हराकर अगले दौर में पहुंच गई। दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी अगले दौर में ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की चीनी ताइपे की जोड़ी तथा लियू यांग और हुआंग डि की चीन की जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने वाले उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी हालांकि 65 मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ 21-11, 14-21, 12-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। युवा उन्नति हुड्डा भी महिला एकल में पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन और आठवीं वरीयता प्राप्त टोमोका मियाजाकी के हाथों 14-21, 10-21 से हारकर टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गईं।

महिला युगल में भारत की कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी भी 48 मिनट में पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिग्ज की स्पेन की जोड़ी से 21-18, 13-21, 5-21 से हारकर बाहर हो गईं। अश्विनी भट के और शिखा गौतम भी चांग चिंग हुई और यांग चिंग टुन की चीनी ताइपे की जोड़ी से 16-21, 11-21 से हार गईं। जापान की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी ने पुरुष युगल में भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को 21-15, 21-13 से हराया, जबकि मिश्रित युगल जोड़ी में रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे पहले दौर के मुकाबले में यांग पो हान और हू लिंग फांग की चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ 18-21, 20-22 से हार गईं। लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और मालविका बंसोड़ बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

भारत दौरे के लिए अफगान टीम में अटल-रहमत की वापसी

टेस्ट स्क्वॉड से राशिद बाहर, ओमरजई लौटे; 6 जून को न्यू चंडीगढ़ में मुकाबला

खेल डेस्क, 27 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने भारत दौरे के लिए टेस्ट और वनडे टीम का ऐलान कर दिया है। भारत के खिलाफ 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में होने वाले इकलौते टेस्ट मैच के लिए सेदीकुल्लाह अटल, रहमत शाह और ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई की टीम में वापसी हुई है। वहीं स्पिनर राशिद खान टेस्ट टीम से बाहर हो गए हैं। हश्मतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी वाली 15 सदस्यीय टेस्ट टीम में अटल और ओमरजई को जगह मिली है। दोनों खिलाड़ियों ने अब तक सिर्फ एक-एक टेस्ट खेला है, जो उन्होंने 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था। अनुभवी बल्लेबाज रहमत शाह भी टीम में लौटे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के 12 में से 11 टेस्ट खेले हैं और पिछला जिम्बाब्वे टेस्ट मिस किया था।

हेड कोच रिचर्ड पाइबस ने हाल ही में राशिद खान को लंबी अवधि की फिटनेस को प्राथमिकता देने की सलाह दी थी। इसी वजह से राशिद एक बार फिर टेस्ट टीम में शामिल नहीं किए गए। उनकी गैरमौजूदगी में कायस अहमद स्पिन अटैक की अगुआई करते दिख सकते हैं। उनके साथ शराफुद्दीन अशरफ और नांगेयालिया खारोटे स्पिन विभाग संभालेंगे।

न्यू चंडीगढ़ में 6 से 10 जून तक होगा इकलौता टेस्ट

भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मुकाबला न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी, जिसकी शुरुआत 14 जून से धर्मशाला में होगी।

तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए चुनी गई टीम काफी हद तक उसी स्क्वॉड जैसी है जिसने पिछले साल बांग्लादेश का क्लीन स्वीप किया किया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फरीद मलिक की वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी वनडे 2024 में खेला था।

टेस्ट स्क्वॉडः हश्मतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, सेदीकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अफसर जजई, इकराम अलीखिल, अजमतुल्लाह ओमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांगेयालिया खारोटे, कायस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी, सलीम सफी।

वनडे स्क्वॉडः हश्मतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, सेदीकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह ओमरजई, राशिद खान, नांगेयालिया खारोटे, अल्लाह गजनफर, जिया उर रहमान, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

19 जून को भारतीय टीम का ऐलान हुआ था। वनडे टीम में ईशान किशन की 3 साल बाद वापसी हुई थी। उन्होंने आखिरी वनडे 11 अक्टूबर 2023 को अफगानिस्तान के खिलाफ ही दिल्ली में खेला था। रोहित शर्मा और विराट कोहली भी टीम में शामिल हैं। जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को दोनों टीमों से आराम दिया गया है।

प्रिंस यादव समेत 4 खिलाड़ी पहली बार भारतीय टीम में शामिल किए गए । प्रिंस को वनडे और मानव सुथार को टेस्ट टीम में जगह मिली है। गुरनूर बरार और हर्ष दुबे को दोनों टीमों में शामिल किया गया है।

अफगानिस्तान दौरे के लिए भारतीय टीम

टेस्ट टीम- शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल।

वनडे टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश नॉर्वे चेस के दूसरे दौर में हारे

अमेरिका के वेस्ली ने हराया, कहा- गुकेश का गेम उनकी रैंकिंग जैसा नहीं दिखा

ओस्लो (नॉर्वे), 27 मई (एजेंसियां)। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट भारतीय खिलाड़ियों के लिए मिलाजुला रहा। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा को राउंड-2 में मजबूत स्थिति में आने के बाद हार झेलनी पड़ी। जबकि, महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने शानदार जीत दर्ज की।

राउंड-2 के बाद अलीरेजा फिरोजा 6 अंक के साथ ओपन कैटेगरी के टॉप पर हैं, जबकि गुकेश और वेस्ली सो 2.5 अंक के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा 4.5 अंक के साथ पहले स्थान पर हैं।

डी गुकेश ने अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ क्लासिकल मुकाबले में लंबे समय तक दबाव बनाए रखा। 116 चालों तक चले मुकाबले में वे जीत के करीब दिखे, लेकिन मुकाबला ड्रॉ हो गया। इसके बाद निर्णायक गेम में वेस्ली सो ने उन्हें हरा दिया। मैच के बाद वेस्ली सो ने कहा कि गुकेश का गेम उनकी रैंकिंग जैसा नहीं दिखा।

दूसरी ओर आर प्रज्ञानानंदा को फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने हराया। शुरुआत में प्रज्ञानानंदा बेहतर स्थिति में थे, लेकिन फिरोजा ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ फिरोजा अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन मैग्नस कार्लसन को भी जर्मनी के विंसेंट कीमर ने कड़ी टक्कर दी। क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद कार्लसन ने आर्मगेडन में जीत हासिल की।

महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने अनुभवी कोनेरू हम्पी को आर्मगेडन में हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दिव्या ने कहा कि उन्हें नॉर्वे चेस के आर्मगेडन मुकाबले और कन्फेशन रूम का अनुभव काफी पसंद आ रहा है। कन्फेशन रूम में खिलाड़ी मैच के दौरान अपने विचार दर्शकों के साथ साझा करते हैं।

फ्रेंच ओपन- कार एक्सीडेंट के बावजूद जीतीं कोको गॉफ

पेरिस, 27 मई (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन में खिताब बचाने उतरीं अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ मंगलवार को एक छोटे कार हादसे का शिकार हो गईं। हालांकि, उन्हें चोट नहीं आई और वे मैच जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गईं। 22 साल की गॉफ ने बताया कि रोलां गैरों पहुंचने के दौरान उनकी कार पोल से टकरा गई और क्षतिग्रस्त हो गई। उन्हें टैक्सी से स्टेडियम पहुंचना पड़ा। गाफ ने अपने ही देश की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया।

गॉफ के मुताबिक, दिन काफी घटनाओं से भरा रहा, जिससे उनका ध्यान मैच के दबाव से हट गया। कोको गॉफ पिछले साल फ्रेंच ओपन चैंपियन रही थीं। उन्होंने फाइनल में एरीना सबालेंका को हराकर खिताब जीता था।

वर्ल्ड नंबर-1 एरीना सबालेंका ने पहले राउंड

में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो (वर्ल्ड नंबर-50) को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। पेरिस के कोर्ट फिलिप चैटरियर पर खेला गया यह मैच 75 मिनट तक चला।

सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के बाद से विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा 30 ग्रैंड स्लैम मैच जीते हैं। उनसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड सिर्फ मेंस सिंगल्स कैटेगरी में यानिक सिनर (31) और कार्लोस अल्कारेज (31) के नाम है। जीत के बाद सबालेंका ने कहा- 'मैंने अपने नेट गेम में सुधार किया है। अब इस अंदाज में खेलने का आनंद ले रही हूं।'

विमेंस सिंगल्स के एक अन्य मैच में जापान की नाओमी ओसाका ने जर्मनी की लौरा सीजमंड को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया। अब उनका मुकाबला क्रोएशिया की डोना वेकिक से होगा, जिन्होंने फ्रांस की एलीस टुबेलो को 6-3, 6-2 से हराया है।

पुरुष एकल में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने दानिल मेदवेदेव को पांच सेट तक चले मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। वॉल्टन विश्व रैंकिंग में 97वें स्थान पर हैं और उन्हें टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला था।

आईपीएल 2026 में जॉश इंग्लिस 5 मैच खेलने के मिले 8.6 करोड़

अब अचानक बना कप्तान, पाकिस्तान से टक्कर

मेलबोर्न, 27 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की टीम पाकिस्तान के दौरे पर है. इस दौरान दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत 30 मई से होगी. लेकिन ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को पाकिस्तान दौरे से पहले बड़ा झटका लगा है. स्टैंड-इन कप्तान मिचेल मार्श टखने की चोट के कारण पूरी ओडीआई सीरीज से बाहर हो गए हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम को पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश भी जाना है. हालांकि, बांग्लादेश दौरे के लिए भी मिचेल मार्श की उपलब्धता साफ नहीं है.

टीम के फूल टाइम कप्तान पैट कमिंस आईपीएल प्लेऑफ के चलते इस दौरान का हिस्सा नहीं हैं. वहीं, ट्रेविस हेड भी भारत में ही हैं. ऐसे में मिचेल मार्श को स्टैंड-इन कप्तान चुना गया था, जो टी20 टीम के भी कप्तान हैं. लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया को नया कप्तान चुनना पड़ा है. पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस के हाथों में होगी. जॉश इंग्लिस आईपीएल 2026 में लखनऊ की टीम का हिस्सा थे, जो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. जॉश इंग्लिस को लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऑक्शन में 8.6 करोड़ रुपए खर्च करके खरीदा था. लेकिन वह पूरे सीजन में सिर्फ 5 मैच ही खेल सके. दरअसल, इंग्लिस ने आईपीएल ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी को अपनी शादी के कारण सीमित उपलब्धता के बारे में बता दिया था. जॉश इंग्लिस की शादी 18 अप्रैल को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मार्गरेट रिवर में हुई थी और वह आधा सीजन खत्म होने के बाद टीम से जुड़े थे. इन 5 मैचों में उन्होंने 53.20 की औसत से 266 रन बनाए, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल रहे. मिचेल मार्श ने आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया. लेकिन टीम के आखिरी लीग मैच से पहले ही वह घर लौट गए थे. 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के बाद मार्श ऑस्ट्रेलिया वापस चले गए थे.

सातवाहन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग कॉलेज की पुस्तिका का विमोचन

राज्य में 22 सरकारी और 157 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं : पोन्नम

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सचिवालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद स्थित सातवाहन विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज की पुस्तिका तथा कॉलेज कोड 'एसयूसीई' का पोस्टर जारी किया।

इस अवसर पर उन्होंने तेलंगाना ईएएमसीईटी परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं तथा कॉलेज में प्रवेश लेने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुस्नाबाद में शातवाहन विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की है। उन्होंने बताया कि राज्य में 22 सरकारी और 157 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज में प्रथम वर्ष के लिए कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर साइंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन, सूचना प्रौद्योगिकी तथा बायोटेक्नोलॉजी सहित पांच पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटें उपलब्ध हैं। इस प्रकार कुल 300 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। मंत्री ने बताया कि कॉलेज में आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल पुस्तकालय, डिजिटल कक्षाएं, कंप्यूटर एवं विज्ञान प्रयोगशालाएं, कार्यशालाएं तथा छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि परिवहन सुविधा भी उपलब्ध है और विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। उन्होंने बताया कि हुस्नाबाद में कॉलेज के लिए 36 एकड़ भूमि आवंटित की गई है तथा भवन और छात्रावास निर्माण के लिए 44.12 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

स्थायी भवनों का निर्माण शीघ्र प्रारंभ होगा। मंत्री ने कहा कि अनुभवी अध्यापकों, आधुनिक सुविधाओं और प्लेसमेंट तथा करियर मार्गदर्शन की व्यवस्था के कारण यह कॉलेज विद्यार्थियों के भविष्य के लिए मजबूत आधार बनेगा। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को अब इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि कॉलेज में विद्यार्थियों को साइकिल, पुस्तकें और कैलकुलेटर भी वितरित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियां, विशेषज्ञ व्याख्यान, खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा शोध एवं पेटेंट संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान में वर्ष 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाकर गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से हुस्नाबाद स्थित शातवाहन विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज को अपने विकल्प के रूप में चुनने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने हुस्नाबाद में चल रही अन्य विकास परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यहां 250 शैय्या अस्पताल, स्नातकोत्तर मेडिकल कॉलेज, अर्बन फॉरेस्ट पार्क तथा विभिन्न मंदिरों और तालाबों के सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हुस्नाबाद शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित होगा।

तेज हवाओं से बिजली लाइनें टूटीं

कई इलाकों में पानी की सप्लाई बाधित

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार देर रात तेज हवाओं और पेड़ों के बिजली तारों पर गिरने से शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इसके कारण कई पंपिंग स्टेशन बंद हो गए और पानी की सप्लाई भी प्रभावित हुई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टीजीएसपीडीसीएल की बिजली आपूर्ति बाधित होने से मंजिरा फेज-I और II के अंतर्गत आने वाले कलाबलूर, राजमपेट और पाटनचेरु पंपिंग स्टेशनों के सभी पंप अचानक बंद हो गए। इससे पानी की पंपिंग पूरी तरह ठप हो गई।

इसके चलते रामचंद्रपुरम, अशोकनगर, ज्योति नगर, लिंगमपल्ली, चंदनगर, गंगाराम, मदीनागुड़ा, मियापुर, बीरमगुडा, अमीनपुर, एर्रागड्डा, एसआर नगर, अमीरपेट, केपीएचबी कॉलोनी, कुकटपल्ली और प्रगति नगर समेत कई इलाकों में पानी की आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रही। टीजीएसपीडीसीएल अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि बिजली बहाल होते ही पंपों को फिर से चालू किया जाएगा। वहीं एचएमडब्ल्यूएसएसबी के प्रबंध निदेशक के अशोक रेड्डी ने अधिकारियों को मरम्मत कार्य तेज करने और जल्द से जल्द बिजली व पानी की आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए।

हवाला का 1 करोड़ 22 लाख रुपये बरामद, एक गिरफ्तार

> आभूषण कारोबारी 'बंटी' को सौंपनी थी धनराशि

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद राजकीय रेलवे पुलिस तथा रेलवे सुरक्षा बल ने संयुक्त अभियान चलाकर मुंबई से सिकंदराबाद लाई जा रही हवाला की 1 करोड़ 22 लाख 70 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। इस प्रकरण में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार 26 मई 2026 को देवगिरि एक्सप्रेस में संयुक्त जांच अभियान के दौरान बोलारम और मल्काजगिरि रेलवे स्टेशनों के बीच एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान विजय अंबादास गुप्ता (40 वर्ष), निवासी अमरावती जिला, महाराष्ट्र के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे मुंबई के एक आभूषण व्यापारी संतोष सेठ ने 1 करोड़ 22 लाख 70 हजार रुपये सिकंदराबाद पहुंचाने के लिए दिए थे। यह राशि मोंडा मार्केट में स्थित एक आभूषण कारोबारी 'बंटी' को सौंपनी थी। नकदी पहुंचाने के बदले आरोपी को 5 हजार रुपये देने की बात कही गई थी। जांच के दौरान आरोपी नकदी से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और न ही धनराशि के स्रोत तथा उपयोग के बारे में संतोषजनक जानकारी दे पाया। इसके बाद पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन, पहचान पत्र और यात्रा टिकट जब्त कर लिए। आरोपी का बयान पंचों की उपस्थिति में दर्ज किया गया। बरामद नकदी में 500 रुपये के 24 हजार नोट, 200 रुपये के 300 नोट तथा 100 रुपये के 2100 नोट शामिल हैं। कुल बरामद राशि 1 करोड़ 22 लाख 70 हजार रुपये बताई गई है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी बी. साईश्वर गौड़, टी. माधव तथा उनकी टीम ने रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों और हैदराबाद मंडल की विशेष टीम के सहयोग से की। वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्रवाई में शामिल पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की।

मंत्री ने अर्चक कल्याण निधि से 71.20 लाख रुपये के अनुग्रह लाभ वितरित किए

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की वन, पर्यावरण एवं धर्मादाय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों को मिलने वाले आर्थिक लाभ समय पर प्रदान कर उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

मंत्री ने बुधवार को बंजारा हिल्स स्थित अपने कैंप कार्यालय में 12 सेवानिवृत्त अर्चकों तथा उनके परिवार के सदस्यों को 'अर्चक कल्याण निधि' के अंतर्गत सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी के रूप में कुल 71 लाख 20 हजार रुपये के चेक वितरित किए। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने धर्मादाय विभाग के अंतर्गत मंदिरों में कार्यरत अर्चकों और कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यु के बाद दिए जाने वाले ग्रेच्युटी लाभ को 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित कार्यपालन अधिकारियों की वरिष्ठता और पदोन्नति संबंधी फाइलों का भी निस्तारण किया गया है, जिससे मंदिरों का प्रशासन अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेगा। मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की भावनाओं के अनुरूप राज्य के मंदिरों का चरणबद्ध विकास किया जा रहा है तथा तेलंगाना को आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में धर्मादाय विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यर, आयुक्त हनुमंत राव, एडीसी कृष्णवेणी, आरजेसी रामकृष्ण राव तथा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पैसों के विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली इलाके में मंगलवार रात पैसों के विवाद में एक युवक की कथित तौर पर उसके रूममेट ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना राजीव गांधी नगर की बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मुकेश कुमार झा के रूप में हुई है। वह अपने रूममेट खान के साथ एक ही कमरे में रहता था और दोनों एक निजी कंपनी में काम करते थे। बताया गया कि दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। बहस बढ़ने पर खान ने कथित तौर पर मुकेश पर चाकू से हमला कर दिया और उसकी छाती में वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई। कुकटपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमेंडेड भारतनेट के तहत तेलंगाना में डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार

> केंद्रीय संचार मंत्री के साथ मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अमेंडेड भारतनेट प्रोग्राम (एबीपी) के तहत तेलंगाना में टी-फाइबर परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

बैठक में राज्य में टी-फाइबर परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन, समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने और लंबित निधियों के त्वरित जारी करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इन विषयों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष उठाया। मुख्यमंत्री ने मंडल से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक रिंग नेटवर्क संपत्तियों को डिजिटल भारत निधि में स्थानांतरित करने के लिए स्पष्ट नीति तय करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इन प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बी. अजीत रेड्डी, आईटी विभाग के संयुक्त सचिव डी. अनुदीप सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाना है। टी-फाइबर परियोजना के तहत हर ग्राम पंचायत को रिंग नेटवर्क आर्किटेक्चर से जोड़ा जाएगा, जिससे एक मार्ग में बाधा आने पर भी वैकल्पिक मार्ग से सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहेंगी। प्रथम चरण में निजामाबाद, रंगारेड्डी और खम्मम जिलों के 3,089 गांवों में डिजिटल कनेक्टिविटी बहाल की जाएगी। अमेंडेड भारतनेट के तहत इन गांवों को आधुनिक फाइबर नेटवर्क से जोड़कर पूरे राज्य में समान डिजिटल सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

फर्जी सॉफ्टवेयर नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट पुलिस ने सॉफ्टवेयर नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से ठगी करने वाले एक साइबर अपराध गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी कृतिक (34) ने बेंगलुरू में एक फर्जी कंसल्टेंसी फर्म बना रखी थी। वह फेसबुक और व्हाट्सएप के जरिए बेरोजगार युवाओं को फर्जी सॉफ्टवेयर नौकरी का लालच देकर ठगी करता था। पुलिस ने बताया कि कृतिक ने किशोर, साई और प्रीति को भी गिरोह में शामिल किया था। आरोपियों ने कथित तौर पर बाग अंबरपेट निवासी प्रिया नामक महिला से 23 लाख रुपये ठग लिए और उसे फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किए।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने किशोर उर्फ मंजुनाथ को हिरासत में लेकर उसके पास से 2 लाख रुपये नकद और सिम कार्ड बरामद किए। सिम कार्ड के डाटा की जांच के बाद पुलिस अन्य आरोपियों तक पहुंची। जांच में साई, प्रीति, पिदुगुरल्ला निवासी वेमुला शंकर, पालनाडु जिले के अशोक और गुंटूर के गोपीकृष्ण के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस को संदेह है कि गिरोह ने करीब 40 लोगों को अपना शिकार बनाया है और ठगी की रकम लाखों रुपये में हो सकती है। मामले की आगे जांच जारी है।

बेमौसम बारिश से धान और मक्का की फसल को नुकसान

मंचेरियल/आदिलाबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार शाम तेज हवाओं और बेमौसम बारिश के कारण मंचेरियल और आदिलाबाद जिलों में किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा। खरीद केंद्रों और प्लेटफार्मों पर रखा धान और मक्का बारिश में भीग गया। मंचेरियल जिले के दांडेपल्ली, कासीपेट, मंदामारी, नासपुर, थंदूर और बेल्लमपल्ली मंडलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे धान और मक्का की फसल प्रभावित हुई। किसानों ने बताया कि अचानक आई बारिश और तेज हवाओं से उन्हें नुकसान हुआ है। उन्होंने अधिकारियों से फसल क्षति का सर्वे कर मुआवजा देने की मांग की है। वहीं आदिलाबाद जिले के साथनाला मंडल केंद्र में मंडी में रखा ज्वार भी बारिश में भीग गया। किसानों ने मंडी में धरना देकर सरकार से गीले अनाज की खरीद की मांग की। किसानों का कहना है कि अनाज को गोदाम तक पहुंचाने में देरी के कारण फसल खराब हो गई। तेज हवाओं के कारण कई जगह बिजली के खंभे भी गिर गए, जिससे बेल्लमपल्ली, मंदामार्री और दांडेपल्ली मंडलों के गांवों में रातभर बिजली आपूर्ति बाधित रही। बुधवार सुबह बिजली बहाल होने के बाद लोगों को राहत मिली। हालांकि बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत जरूर मिली।

सीएम ने धान खरीद तेज करने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग द्वारा कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किए जाने के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को वर्षा की स्थिति पर सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को जारी बयान में अधिकारियों से धान खरीद केंद्रों पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं करने तथा खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीद केंद्रों में रखे धान को वर्षा से बचाने के लिए पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध रखे जाएं।

कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान किसान ने परिवार समेत दी जान

महबूबनगर, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वानापर्थी जिले के सालकापुर गांव में एक आम किसान ने कथित रूप से आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव से परेशान होकर अपने परिवार समेत आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार तड़के की बताई जा रही है। मृतक किसान की पहचान चेतला नरसिम्लु (40) के रूप में हुई है, जो महबूबनगर जिले के देवर्कदरा मंडल के डोकुरु गांव का निवासी था। वह वानापर्थी जिले के खिल्ला घनपुर मंडल स्थित सालकापुर गांव में पट्टे पर लिए गए आम के बाग में परिवार के साथ रह रहा था।

जानकारी के अनुसार नरसिम्लु ने पहले अपनी पत्नी येल्लम्मा (36), 16 वर्षीय बेटी और 17 वर्षीय बेटे को बाग में बने पानी के गड्ढे में धकेल दिया। इसके बाद उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि किसान ने लगभग 150 एकड़ आम का बाग पट्टे पर लिया था, लेकिन खेती में भारी नुकसान होने से वह कर्ज में डूब गया था। कर्ज वसूली को लेकर एक वित्त कंपनी का दबाव भी उस पर लगातार बढ़ रहा था। सूत्रों के अनुसार वित्त कंपनी के कर्मचारियों ने घर पर नोटिस लिखे थे और करीब दो लाख रुपये का घरेलू सामान भी जब्त कर लिया था। गांव के कुछ लोगों द्वारा भी कजु को लेकर कथित रूप से दबाव बनाया जा रहा था। बताया गया है कि नरसिम्लु ने आत्महत्या से पहले मोबाइल फोन पर एक वीडियो संदेश भी रिकॉर्ड किया था।

भाई की हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रैनबाजार थाना पुलिस ने हत्या के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह मामला 26 मई को दर्ज अपराध संख्या 96/2026 से संबंधित है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को 26 मई की शाम लगभग 6 बजे गिरफ्तार किया गया और बाद में उन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद फारूक पाशा (21 वर्ष), निवासी छोटापूल, याकुतपुरा तथा शेख अब्दुल करीम उर्फ अरशद (26 वर्ष), निवासी बडलागुड़ा, हैदराबाद के रूप में हुई है।

दोनों पेशे से रोटी बनाने का कार्य करते हैं। पुलिस ने बताया कि फारूक पाशा ने पारिवारिक विवादों के चलते अपने ही भाई हबीब पाशा उर्फ समीर की हत्या शेख अब्दुल करीम की सहायता से की। मामले की जांच जारी है और पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पास्को मामले में आरोपी भागीरथ पुलिस हिरासत में

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने पीओसीएसओ मामले के आरोपी भागीरथ को अदालत के आदेश के बाद तीन दिन की पुलिस हिरासत में ले लिया है। पेटबशीरबाद पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बुधवार को उसे हिरासत में लिया। वह 16 मई को गिरफ्तारी के बाद चंचलगुड़ा जेल में न्यायिक रिमांड पर बंद था पुलिस ने उसे आगे की पूछताछ के लिए थाने लाया और बाद में जांच के हिस्से के रूप में मोईनाबाद स्थित एक फार्महाउस पर घटना का पुनर्निर्माण (सीन रीकंस्ट्रक्शन) भी कराया। जांच अधिकारियों ने अदालत को बताया कि मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को एकत्र करना आवश्यक है। पुलिस ने एक सप्ताह की हिरासत की मांग की थी, लेकिन मेडचल-मलकाजगिरी अदालत ने केवल तीन दिन की पुलिस कस्टडी की अनुमति दी।

आरपीएफ की 'सतर्क' व 'नार्कोस' ऑपरेशन में बड़ी कार्रवाई

> ट्रेन से 41 लाख रुपये का गांजा बरामद

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने विशेष अभियान 'ऑपरेशन सतर्क' और 'ऑपरेशन नार्कोस' के तहत 25 और 26 मई को बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध नकदी और मादक पदार्थ जब्त किए हैं।

'ऑपरेशन नार्कोस' के तहत आरपीएफ ने नागावली एक्सप्रेस में 83 किलोग्राम गांजा जब्त कर एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। इसकी अनुमानित कीमत 41.5 लाख बताई गई है। कार्रवाई की शुरूआत तब हुई जब सीपीडीएस टीम ने जांच के दौरान एक संदिग्ध यात्री के व्यवहार पर नजर रखी और उसे रोका। पूछताछ में महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना तक फैले एक बड़े नेटवर्क के संकेत मिले। इसके बाद सीसीटीवी विश्लेषण और मूवमेंट ट्रैकिंग के आधार पर चार अन्य आरोपियों को चेर्लापल्ली में पकड़ा गया, जिनमें एक महिला भी शामिल है। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि डेटा-आधारित पुलिसिंग और तकनीकी खुफिया जानकारी के जरिए रेलवे नेटवर्क का दुरूपयोग रोकने के लिए कार्रवाई और तेज की जा रही है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस सफलता की सराहना करते हुए कहा कि आरपीएफ ने खुफिया-आधारित पुलिसिंग में एक नया मानक स्थापित किया है और रेलवे नेटवर्क व यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम में दो तेलुगु खिलाड़ियों का चयन

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की पुरुष बीच वॉलीबॉल टीम में दो खिलाड़ियों का चयन किया गया है। दोनों 4 से 7 जून 2026 तक चीनी ताइपे में आयोजित होने वाले एवीसी सीनियर एशियन बीच वॉलीबॉल टूर में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित खिलाड़ियों में हैदराबाद में कस्टम एवं जीएसटी विभाग में निरीक्षक के पद पर कार्यरत मुदुनुरी रामकृष्णम राजू तथा सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे में कार्यरत पेनमत्सा कृष्ण चैतन्य शामिल हैं। दोनों खिलाड़ी लंबे समय से भारतीय बीच वॉलीबॉल टीम का हिस्सा रहे हैं और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए कई पदक और सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। खेल प्रेमियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दोनों खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है तथा आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.